खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

तापमान अधिकतम :24°C न्यूनतम: 11°C

सेंसेक्स 74,602.12 निफ्टी 22,547.55

सोना 89,260 चांदी 1,01,000

हल्द्वानी, बुधवार 26 फरवरी 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 188 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ फाल्गुन पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2081 27 शाबान 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

ट्रम्प ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

पाकिस्तान की हार के लिए चयनकर्ता जिम्मेदारः सना मीर

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

1984 के दंगों में सज्जन कुमार को मिली उम्रकैद

बाप-बेटे हत्याकांड में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनाया फैसला

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन्हें एक नवम्बर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़े मामले में दोषी ठहराया गया था। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को दंगा, गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत 12 फरवरी को दोषी ठहराया गया था।

जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, दंगों के संबंध में दिल्ली में 587 एफआईआर दर्ज की गई। जिसमें 2,733 लोग मारे गए थे। कुल में से लगभग 240 एफआईआर को पुलिस ने अज्ञात बताकर बंद कर दिया था वहीं दूसरी तरफ 250 मामलों में आरोपी बरी हो गए। वहीं 587 एफआईआर में से केवल 28 मामलों में ही दोषसिद्धि -शेष पृष्ठ दो पर

दंगा, गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत ठहराया था दोषी

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र और बीमारी की वजह से नहीं मिली मौत की सजा

अब जगदीश टाइटलर और कमलनाथ की बारीः मनजिंदर सिंह

दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मैं एसआईटी गठित करने और मामले को फिर से खोलने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं। ये मामले 35 साल से बंद थे और सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर, कमलनाथ जैसे लोग मुख्यमंत्री और सांसद के रूप में खुलेआम घूमते थे। हम मृत्युदंड की उम्मीद कर रहे थे। अब जगदीश टाइटलर और कमल नाथ की बारी है।

सज्जन को दो आजीवन कारावास बड़ी बात

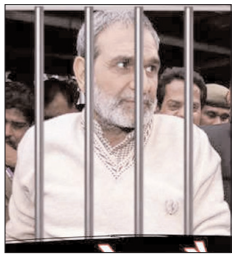

दिल्ली के एडवोकेट एचएस फूल्का ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने पर कहा कि दो आजीवन कारावास भी बहुत बड़ी बात है। जज ने अपने फैसले में लिखा है कि हमारी और सरकार की मांग थी कि सज्जन कुमार को फांसी की सजा सुनाई जाए। मगर वह नहीं दी गई, क्योंकि उनकी उम्र 80 साल है। वे बीमार हैं और खुद को संभाल भी नहीं सकते हैं। यह कानून है कि 80 साल के ऊपर और बीमार व्यक्ति को फांसी की सजा नहीं सुनाई जाती।

दिल्ली आबकारी नीति से 2000 करोड़ का नुकसान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी, जिसमें दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में विभिन्न अनियमितताओं को रेखांकित करते हुए कठोर टिप्पणियां की गई हैं।

कैग की रिपोर्ट विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन सदन के पटल पर रखी गई, जिसमें कहा गया है कि दोषपूर्ण 2021-22 आबकारी नीति के कारण दिल्ली सरकार को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ। 'परफॉर्मेंस ऑडिट ऑन रेगुलेशन एंड सप्लाई ऑफ लिकर इन दिल्ली' शीर्षक इस रिपोर्ट को सदन में विपक्ष की नेता आतिशी सहित आम आदमी पार्टी के 12 विधायकों के निलंबन के बाद पटल पर रखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में सिफारिश के लिए गठित विशेषज्ञ समूह के सुझावों को तत्कालीन उप मुख्यमंत्री एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब के लाइसेंस वापस किए जाने -शेष पृष्ठ दो पर

- विधानसभा में प्रस्तुत कैग की रिपोर्ट में खुलासा
- कोविड की पाबंदियों के नाम पर शराब की दुकान के लाइसेंस धारकों को दी गई दी 144 करोड़ की छूट नियमानुसार नहीं थी

आतिशी सहित 'आप' के 12 विधायक दिनभर के लिए निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में उप-राज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामे और नारेबाजी के कारण नेता विपक्ष आतिशी, गोपाल राय सहित 12 सदस्यों को दिन-भर के लिए निलंबित कर दिया गया। उप-राज्यपाल के अभिभाषण के शुरू होते ही आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय से -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार लोगों की उम्मीदों के प्रति सजग : एलजी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, सबका सम्मान' मेरी सरकार की दिशा तय करेगी, मेरी सरकार लोगों की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पीयूष गोयल के साथ फोटो शेयर की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ की फोटो एक्स पर शेयर की। तस्वीर में उनके साथ ब्रिटेन के ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनाल्ड्स भी नजर आ रहे हैं। शशि की ये पोस्ट तब सामने आई है, जब उनके और कांग्रेस पार्टी के रिश्तों में खटास की खबरें हैं। थरूर ने फोटो कैप्शन में लिखा कि ब्रिटेन के बिजनेस और ट्रेड स्टेट सेक्रेटरी जोनाथन रेनाल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में बातचीत करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो बहुत स्वागत योग्य है। दरअसल, 23 फरवरी को ही शशि ने कहा था कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मेरे पास भी विकल्प मौजूद है। हालांकि थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते।

विकल्प रहित संकल्प के साथ उत्तराखंड को बनाएंगे अग्रणी राज्यः पुष्कर धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

खटीमा (उधम सिंह नगर)। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से राज्य सरकार अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

अपने सम्मान समारोह में खटीमा पहुंचे सीएम ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि खटीमा मेरी कर्मभूमि रही है और यहां के लोग मेरे परिवार के ही सदस्य हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जहां एक ओर शहरों से लेकर सुदूर सीमावर्ती पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से दुग्ध उत्पादन, मधु उत्पादन, कृषि, बागवानी, सुगन्धित पौधों एवं फूलों की खेती आदि को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। राज्य के होम स्टे योजना, लखपति दीदी योजना और सौर स्वरोजगार योजना जैसी अनेकों योजनाएं लागू कर स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा वो सदैव खटीमा के चहुंमुखी विकास और जन-जन के कल्याण के लिए प्रयासरत रहेंगे।

- कहा सदैव खटीमा के चहुंमुखी विकास और जन-जन के कल्याण के लिए प्रयासरत रहेंगे

'आप' विधायक अमानतुल्लाह को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। 'आप' के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने विधायक को राहत देते हुए 25,000 रुपये के बॉन्ड और इतनी ही राशि पर अग्रिम जमानत दे दी। बता दें कि खान पर जामिया नगर में दिल्ली पुलिस की टीम पर हमले का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी की घटना के संबंध में ओखला विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और आरोप लगाया था कि उन्होंने हत्या के प्रयास के एक मामले में घोषित अपराधी को हिरासत से भागने में मदद करते हुए भीड़ का नेतृत्व किया। पुलिस ने कहा कि कथित घटना तब हुई जब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शाबाज़ खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

पुलिस पर हमले का आरोप, राउज एवेन्यू कोर्ट ने 25,000 के बांड और इतनी ही राशि पर दी राहत

सपा नेता अब्दुल्ला आजम 17 महीने बाद हरदोई जेल से रिहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के परिवार को बड़ी राहत मिली है। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम खां की हरदोई जेल से रिहाई हो गई है। वह काफिले के साथ रामपुर के लिए रवाना हो गए हैं। अब्दुल्ला आजम खां की 42 मामलों में जमानत होने के बाद सोमवार को कोर्ट से रिहाई के परवाने जारी हुए थे।

रिहाई के परवाने मिलते ही हरदोई जेल प्रशासन ने मंगलवार को दोपहर में अब्दुल्ला को जेल से रिहा कर दिया। वह 17 माह तीन दिन जेल में रहे थे। सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अब्दुल्ला आजम की रिहाई हो चुकी है। शत्रु संपत्ति की जमीन के रिकॉर्ड में -शेष पृष्ठ दो पर

- आजम खां परिवार को मिली बड़ी राहत

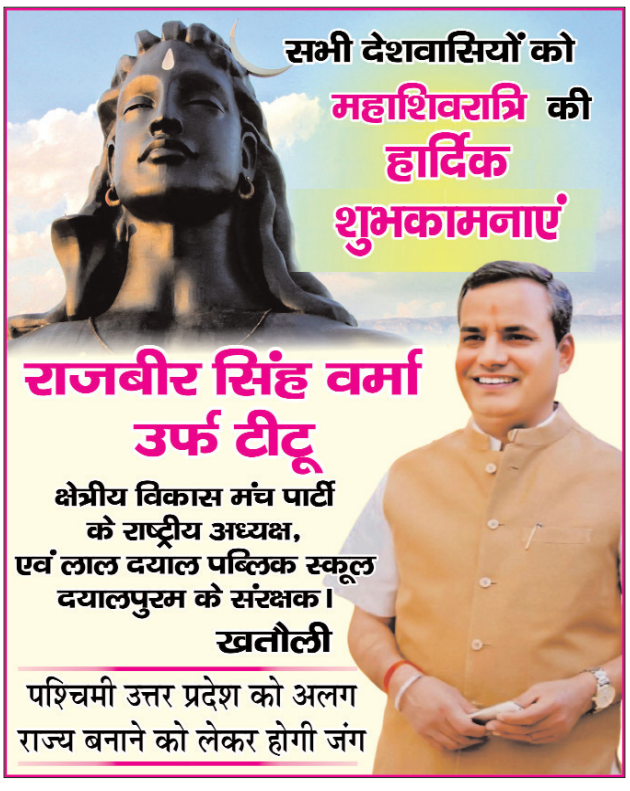

मुस्लिम छात्राओं को एग्जाम देने से रोका

जौनपुर, वार्ता

आरोप- हिजाब पहनकर आई थीं, स्कूल में घुसने नहीं दिया

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक मामला सामने आया है, जिसमें हिजाब पहनकर हाईस्कूल की परीक्षा देने गईं चार मुस्लिम छात्राओं को कथित तौर पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश से रोका गया।

यह घटना सर्वोदय इंटर कॉलेज, खुदौली के परीक्षा केंद्र की बताई जा रही है, जो मॉडर्न कान्वेंट स्कूल समेत कई अन्य कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा केंद्र है। चारों छात्राओं का आरोप था कि वे सोमवार को हिंदी की परीक्षा देने हिजाब पहनकर केंद्र पर गई थीं, जहां चेकिंग पाइंट पर उन्हें हिजाब की वजह से अंदर जाने से रोक दिया गया। इसके बाद जब ए छात्राएं वापस लौटीं, तो इन्हें देखकर बाकी छह अन्य छात्राओं ने भी परीक्षा छोड़ दी। हालांकि इस मामले पर कॉलेज प्रशासन ने साफ इनकार किया और सभी आरोपों को झूठा बताया। माडर्न कान्वेंट स्कूल के प्रिंसिपल ने इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए कहा कि उनकी खुद की पोती ने भी हिजाब में परीक्षा दी थी और उसे किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। प्रिंसिपल के मुताबिक हिजाब पहनने पर कोई रोक नहीं थी और उनकी पोती ने परीक्षा अच्छे से दी। प्रिंसिपल ने आगे कहा कि आरोप लगाने वाली छात्राएं मौलवी साहब के घर से थीं और इस वजह से उन्होंने हिजाब हटाने से मना कर दिया। उनका मानना था कि इस मुद्दे को स्कूल प्रशासन के साथ बेहतर संवाद और समझदारी से हल किया जा सकता था। इस मामले ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि क्या धार्मिक पहनावे के कारण छात्रों को परीक्षा केंद्र में परेशानी का सामना करना चाहिए। शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी छात्रों को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर मिले। चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या संस्कृति से संबंधित हों। इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि धार्मिक मामलों में बातचीत और समझौते की आवश्यकता होती है। छात्र-छात्राओं को यह सिखाया जाना चाहिए कि उनके अधिकारों के लिए लड़ना आवश्यक है, लेकिन उन्हें यह भी समझना चाहिए कि स्कूल और कॉलेजों में नियमों का पालन करना एक समान महत्वपूर्ण है।

महाशिवरात्रि के बाद शिव बारात निकालना परंपरा से खिलवाड़: अजय राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने काशी की परंपरागत शिव बारात की तिथि बदलने पर ऐतराज जताया है। राय ने मंगलवार को कहा कि विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात इस बार शासन-प्रशासन के दबाव में महाशिवरात्रि के एक दिन बाद 27 फरवरी को निकालना काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ है। परंपरा के अनुसार बारात महामृत्युंजय मंदिर, दारानगर से उठकर मैदागिन, बुलानाला, चौक, बाबा धाम गोदौलिया होते हुए चित. रंजन पार्क तक जाती है। वहां वधू-पक्ष भांग ठंडई, माला-फूल से बारातियों की अगवानी करती है। उन्होंने कहा कि नगर में निकलने वाली विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात 43वें वर्ष में प्रवेश करेगी। यह काशी की मूल परंपरा आस्था को समेटे हर काशीवासी के हृदय में बसती है।

दुनिया भर से निवेशकों को आमंत्रण देने की होड़

बाजार की गिरावट ने मध्य वर्ग के निवेश को लीला

लखनऊ, वार्ता

- सपा प्रमुख ने कहा: डबल इंजन की सरकारें पहले अपने निवेशकों को तो सुरक्षित कर लें, 80 करोड़ लोग सरकारी अनाज पर जीवनयापन करने के लिए मजबूर हैं

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट मध्य वर्ग के निवेश को लील गई है।

यादव ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि दुनिया भर से निवेशकों को आमंत्रण देने की होड़ में लगीं 'डबल इंजन' की सरकारें पहले अपने निवेशकों को तो सुरक्षित कर लें फिर किसी और को आश्वस्त करने के 'ढोंगी इवेंट' करें। कुछ महीनों से निफ्टी के लगातार खराब प्रदर्शन के कारण ए समाचार छप रहे हैं कि इस वर्ष इंडियन शेयर मार्केट दुनिया के उभरते बाजारों में थाईलैंड व फिलीपीन्स के बाद तीसरा सबसे कमजोर शेयर मार्केट हो गया है। यादव ने कहा कि एक तरफ 80 करोड़ लोग सरकारी अनाज पर जीवनयापन करने के लिए मजबूर हैं और दूसरी तरफ जिन्होंने बचत को शेयर में लगा दिया था वो भी कंगाल हो गए हैं, ऐसे हालातों में भी भाजपा सरकार लोगों को गलत बात करके बहलाना-फुसलाना चाहती है। ए आर्थिक ठगी बंद होनी चाहिए। दूसरी ओर समा. जवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल बुधवार को बुलन्दशहर जाएगा, जहां जाटव समाज के अरूण कुमार की घुड़चढ़ी जब ग्राम प्रधान के घर के सामने पहुंची, तो प्रभुत्ववादी लोगों ने घोड़ी से उतारकर अरूण को तथा उनके रिश्तेदारों को मारापीटा। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने यहां मंगलवार को कहा कि बुलन्दशहर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम धमरावली से ग्राम दरियापुर शिकारपुर रोड पर जाटव समाज के अरूण की घुड़चढ़ी हो रही थी, जब घुड़चढ़ी ग्राम प्रधान के घर के सामने पहुंची, तो प्रभुत्ववादी लोगों ने अरूण को घोड़ी से उतारकर तथा उनके रिश्तेदारों को मारापीटा। जिसकी जानकारी तथा पीड़ित परिवार से मिलने के लिए पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल बुलन्दशहर पहुंचेगा। चौधरी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यगण हैं मतलूब अली जिलाध्यक्ष, बुलन्दशहर, योगेश वर्मा पूर्व विधायक, राहुल भारती राष्ट्रीय अध्यक्ष, समा. जवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, डा. हरेन्द्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी, महेन्द्र बाल्मीकि पूर्व विधायक, हाजी अख्तर विशेष आमंत्रित सदस्य, समाजवादी पार्टी, फिरे सिंह प्रजापति प्रदेश सचिव, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, कुलदीप प्रधान राष्ट्रीय सचिव समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ एवं जाकिर उर्फ बब्लू विधानसभा अध्यक्ष, बुलन्दशहर।

संक्षिप्त समाचार

सिंह ने महाशिवरात्रि के मौके पर लोगों को दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। सिंह ने मंगलवार को कहा कि यह पर्व भगवान शिव की आराधना, साधना और भक्ति का प्रतीक है, जो हमे आत्मचिंतन, शुद्धता और अध्यात्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव, जिन्हें आदियोगी और विश्व के कल्याणकारी देवता के रूप में जाना जाता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह त्योहार आपके जीवन में बुराई से दूर रहने, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को बनाए रखने की प्रेरणा दे।

सम्भल में 46 साल बाद खोला गया शिव मंदिर

सम्भल। उत्तर प्रदेश के सम्भल में 46 साल से बंद मंदिर को खोला गया है। हिंदू संगठन के लोगों ने मंदिर में जलाभिषेक किया। साथ ही लोगों ने कहा कि भगवान शिव के मंदिर में 46 साल से जलाभिषेक नहीं किया था। मंदिर बंद होने के कारण लोग पूजा-अर्जना नहीं कर पा रहे थे। हिंदू संगठन के लोगों ने कहा कि महा. शिवरात्रि पर मंदिर में जलाभिषेक के लिए दूर-दूर से भारी संख्या में लोग आ सकते हैं। सम्भल के खगूसराय का प्राचीन कार्तिक शिव मंदिर 46 साल से बंद था, लेकिन अब उसे खोल दिया गया है।

तमिलनाडु एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार: स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार केंद्र की त्रि-भाषा नीति के खिलाफ एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बात करते हुए स्टालिन ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर चर्चा के लिए पांच मार्च को एक सर्वदलीय बैठक होगी। तमिलनाडु, जो परिवार नियोजन को प्रभावी रूप से लागू कर रहा है, परिसीमन में 39 संसदीय सीटों में से आठ खो देगा। स्टालिन ने कहा कि इसका मतलब है कि तमिलनाडु को आठ सीटों का नुकसान होगा, जिससे कुल निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 31 रह जाएगी।

निर्धारित कोटे में अनारक्षित वर्ग के युवकों की भर्ती की गई

उप्र शिक्षक भर्ती में हुआ बड़ा घोटाला

नई दिल्ली, वार्ता

- संविधान का उल्लंघन में पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए: कांग्रेस
- राज्य सरकार आरक्षित वर्ग के युवाओं के साथ धोखा कर रही

कांग्रेस ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में आरक्षित वर्ग के बच्चों के साथ अन्याय हुआ है और उनके लिए निर्धारित कोटे में अनारक्षित वर्ग के युवकों की भर्ती की गई है, जो संविधान का उल्लंघन है, इसलिए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में उप्र सरकार द्वारा की जा रही इस शिक्षक भर्ती को बड़ा घोटाला बताया और कहा कि राज्य सरकार आरक्षित वर्ग के युवाओं के साथ धोखा कर रही है और उन्हें मानकों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र में 69,000 शिक्षकों की भर्ती का एक नया घोटाला सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस भर्ती में 18,500 आरक्षित सीटों में एससी, एसटी तथा ओबीसी वर्ग के लोगों को नौकरी मिलनी थी, लेकिन इसमें से केवल 2,637 सीटों पर ही आरक्षण लागू किया गया। इन आरक्षित सीटों में बाकी 15,863 सीटों पर अनारक्षित वर्ग के लोगों को नौकरी दी गई। यह फैसला संविधान में दिए गए आरक्षण पर हमला है और सामाजिक न्याय के खिलाफ है।

उप्र में 69,000 शिक्षक भर्ती में लिया गया यह फैसला संविधान और आरक्षण के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलित, अनुसू. चत समाज, ओबी ओबीसी समाज के लोगों को नौकरी से वंचित रखने का काम कर रही है। इस फैसले के खिलाफ जिन छात्रों और शिक्षकों ने आवाज उठाई, उन्हें भी सरकार ने दबाने और कुचलने का काम किया। बाबा साहेब अंबेडकर ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की बात कही थी, लेकिन सरकार लोगों को इससे वंचित रख रही है। इसी न्याय की लड़ाई हमारे नेता लड़ते आए हैं और लड़ रहे हैं। हमारे नेता लगातार सामाजिक न्याय, हिस्सेदारी, जातिगत जनगणना की बात करते रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी हमेशा वंचित वर्ग के साथ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। कांग्रेस पार्टी इस भर्ती घोटाले में उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग करती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि आरक्षित वर्गों की 18,500 खाली सीटों पर दलित समाज, जनजाति समाज और ओबीसी समाज से योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाए, जो अभ्यर्थी इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, उन पर हो रहे अत्याचार और दमन पर रोक लगे, उनको भी न्याय मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इस घोटाले में लाखों युवाओं के अधिक. ारों पर प्रहार हो रहा है, उनके सपनों को तोड़ा जा रहा है। कई साल मेहनत कर युवा नौकरी पाने का प्रयास करते हैं, लेकिन इनको रोजगार नहीं मिल रहा है। इन्हें जल्द से जल्द न्याय मिले, रोजगार मिले।

कमजोर वर्ग के बच्चों की छात्रवृत्ति में हुई है बड़ी कटौती: खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति हड़पने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब तक उन्हें पर्याप्त संरक्षण नहीं मिलेगा वे आगे नहीं बढ़ सकते हैं। खड़गे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नरेन्द्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी तथा अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। ये शर्मनाक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि सरकार ने लाभार्थियों के सभी वजीफों मे भारी कटौती तो की है साथ ही औसतम साल-दर-साल 25 प्रतिशत फंड भी कम खर्च किया है। उन्होंने कहा कि जब तक देश के कमज़ोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे। आपका 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा, रोज़ाना कमज़ोर वर्गों के अरमानों का मज़ाक उड़ाता है।

केन्द्र की नई कृषि नीति को रद्द करने का प्रस्ताव पास

चंडीगढ़, वार्ता

- पंजाब विधानसभा में सीएम मान ने बताया किसान विरोधी
- कहा: तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को नए रूप में लागू करने का प्रयास

भगवंत मान सरकार ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में केंद्रीय कृषि विधेयक को निरस्त करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे विधायकों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

राज्य सरकार ने पिछले महीने ही केंद्र सरकार की इस नीति पर विरोध जताया था। भगवंत मान सरकार का कहना है कि यह नीति 2021 में रद्द किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को नए रूप में लागू करने का प्रयास है। वहीं पंजाब विधानसभा से केंद्र सरकार के कृषि पर पालिसी का ड्राफ्ट को रद्द करने का प्रस्ताव पास हो गया है। इसको लेकर शंभू बार्डर पर अपनी मांगों के लेकर बैठे किसान संगठनों की ओर से भी पंजाब सरकार पर दबाव बनाया जा रहा था। बीते दिन किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के प्रदेश नेता सरवन सिंह पंधेर ने नई मंडी नीति के मसौदे के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर इसका विरोध करने की मांग की थी। पंजाब सरकार का कहना है कि केंद्र की कृषि मार्केटिंग नीति किसान विरोधी है। केंद्र सरकार पुराने तीन कृषि कानूनों की जगह इसे लाकर किसानों को धोखा देना चाहती है। भगवंत मान सरकार ने पंजाब विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इसके दूसरे दिन यह प्रस्ताव पारित किया गया। जबकि इस दौरान बीजेपी के दो विधायक सदन से अनुपस्थित रहे। किसान संगठनों ने सरकार की नई कृषि नीति के मसौदे का विरोध भी किया था। किसानों का कहना है कि केंद्र सरकार की नई नीति रद्द किए गए तीन कृषि कानूनों को नए तरीके से लागू करने की को. शिश है। यह किसानों को कतई मंजूर नहीं है। नए कृषि बिल में भी पुराने प्रावधान को दोहराया गया है। इस कानून में किसानों को एपीएमसी मंडियों के बाहर भी अपनी उपज बेचने की अनुमति दी गई थी।

अर्थ व्यापार

लिवाली की बदौलत, सेंसेक्स चढ़ा, निफ्टी फिसला

मुंबई, वार्ता

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, जोमैटो, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस समेत 17 कंपनियों में हुई लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स में तेजी लौट आई, वहीं बिकवाली के दबाव में निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 147.71 अंक की तेजी लेकर 74,602.12 अंक पर पहुंच गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.80 अंक फिसलकर 22,547.55 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.57 प्रतिशत लुढ़ककर 39,831.17 अंक और स्मॉलकैप 0.45 प्रतिशत कमजोर रहकर 45,052.21 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 4062 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1678 में लिवाली जबकि 2253 में बिकवाली हुई, वहीं 131 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इसी तरह निफ्टी की 31 कंपनियां लाल जबकि 19 हरे निशान पर बंद हुईं। बीएसई के सात समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे सीडी 0.04, एफएमसीजी 0.26, दूरसंचार 0.66, ऑटो 0.43, बैंकिंग 0.02, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.37 और टेक समूह के शेयर 0.01 प्रतिशत मजबूत रहे। वहीं, कमोडिटीज 0.98, ऊर्जा 1.10, इंडस्ट्रियल्स 0.71, आईटी 0.59, कैपिटल गुड्स 0.62, धातु 1.69, तेल एवं गैस 1.34, रियल्टी 1.27, सर्विसेज 1.27 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.70 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.43 और जर्मनी के डैक्स में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही जबकि जापान का निक्केई 1.39, हांगकांग का हैंगसेंग 1.32 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.80 प्रतिशत गिर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 14 अंक फिसलकर 74,440.30 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 74,400.37 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं लिवाली होने से यह दोपहर से पहले 74,785.08 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 74,454.41 अंक के मुकाबले 0.20 प्रतिशत बढ़कर 74,602.12 अंक हो गया।

उठाव बढ़ने से सरसों और वनस्पति तेल महंगा

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव बढ़ने से मंगलवार को दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल और वनस्पति तेल महंगा हो गया, वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। **तेल-तिलहन:** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा नौ रिंगिट फिसलकर 4722 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.35 सेंट की तेजी के साथ 46.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में सरसों तेल 365 रुपए और वनस्पति तेल 292 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5950- 6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9300-9400, उड़द दाल 9000- 9100, अरहर दाल 7850-7950 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड (उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
विक्टोरिया क्रास विजेता गबर सिहं ऊर्जा भवन, कॉवली रोड़, देहरादून-248001,
कारपोरेट आईडेन्टीटी नं0. UA40109UP2001SGC025867/2358
दूरभाष संख्याः 0135-2763672-76, वैबसाइट www.uktenders.gov.in

ई-निविदा विस्तार सूचना

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित ई-निविदा विशिष्टीकरण संख्या सी.सी.पी.-II/19/2024-2025 जोकि 20 नग पोर्टेबल सी.टी.-पी.टी. संयुक्त परीक्षण उपकरण (द्वितीयक इंजेक्शन आधारित) की आपूर्ति हेतु आमंत्रित की गयी थी, को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। यह ई-निविदा क्रय एवं जमा दिनांक 06.03.2025 को 17:00 बजे तक की जा सकती है। ई-निविदा का भाग-एक दिनांक 07.03.2025 को 15:30 बजे खोला जायेगा।

अन्य नियम व शर्तें मूल ई-निविदा के अनुसार रहेंगी। अन्य विवरण के लिए कृपया वेवसाईट www.uktenders.gov.in को देखें।

No.: 92/EE(CM)/UPCL/A-2,
Dt. 25.02.2025

अधीक्षण अभियन्ता
कारपोरेट (अनुबन्ध एवं क्रय-द्वितीय)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें।" बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं. 1912) "विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें" (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 18001804185/फैक्स नं0 0135-2760911 पर दें।)

प्रथम पृष्ठ के शेष...

1984 के दंगों... हुई, जिनमें लगभग 400 लोगों को दोषी ठहराया गया। सज्जन कुमार सहित लगभग 50 लोगों को हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और सांसद रहे सज्जन कुमार पर 1984 में एक और दो नवम्बर को दिल्ली की पालम कालोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में भी आरोप लगाया गया था। इस मामले में उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील सुप्रीम कोर्ट में अभी लंबित है। ट्रायल कोर्ट ने कुमार को बरी किए जाने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक और अपील लंबित है, जबकि चौथे मामले में दिल्ली की एक अदालत वर्तमान में सुनवाई कर रही है। सिख नेता गुरलाद सिंह ने कहा कि हमें मौत की सजा से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। हम अदालत के फैसले से खुश नहीं हैं। हम सरकार से अपील करेंगे कि वे उच्च न्यायालय जाएं और सज्जन कुमार के लिए मौत की सजा की घोषणा करें।

दिल्ली आबकारी नीति... और शराब जोन की निविदा पुन: जारी करने के मामले में आबकारी विभाग की विफलता के कारण विभाग को 890.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 की पाबंदियों के नाम पर शराब की दुकान के लाइसेंस धारकों को दी गई दी 144 करोड़ रुपये की छूट नियमानुसार नहीं थी। छूट के इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग की आपत्तियों के बावजूद श्री सिसोदिया ने व्यक्तिगत रूप से इसकी मंजूरी दी थी। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने पिछली आप सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि यह जानकर आश्चर्य होता है कि 2017-18 के बाद विधानसभा में कैग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश ही नहीं की गई। राज्य की वित्तीय स्थिति की जानकारी के लिए इसकी बहुत जरूरत होती है। दुर्भाग्य से पिछली सरकार ने कैग की रिपोर्ट पेश नहीं की और इस तरह संविधान का उल्लंघन किया।

आतिशी सहित... भीमराव अंबेडकर की फोटो हटाने का विरोध करना शुरू किया। आप के विधायक ने 'जय भीम और बाबा साहब का अपमान नहीं सहेगा' हिंदुस्तान के नारे लगाने लगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुरू में जनरैल सिंह, विशेष रवि, अनिल झा, सोमदत्त, संजीव झा को निलंबित किया। नारेबाजी नहीं रुकने पर उन्होंने सुरेंद्र सिंह, वीर सिंह धिगान, मुकेश अहलावत, कुलदीप, जुबैर अहमद, आतिशी, गोपाल राय को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया।

सपा नेता... हेराफेरी के मामले में सपा नेता आजम खां की पत्नी डा. तजीन फात्मा और बड़े बेटे अदीब आजम व उनकी बहन निकहत अखलाक सोमवार को कोर्ट में पेश हुईं। कोर्ट ने अब 5 मार्च तक के लिए अंतरिम जमानत स्वीकार कर ली है। शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में रिकॉर्ड रूम के सहायक अभिलेखपाल मोहम्मद फरीद की ओर से सिविल लाइंस थाने में 9 मई 2020 को लखनऊ के पीरपुर हाउस निवासी सैयद आफाक अहमद व अज्ञात के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कराया था, जिसमें शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में हेराफेरी करने का आरोप है। दरअसल, यह मामला मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी परिसर के अंतर्गत आने वाली भूमि का है, जो कि इमामुद्दीन कुरैशी पुत्र बदरुद्दीन कुरैशी के नाम दर्ज थी। इमामुद्दीन कुरैशी वर्ष 1947- 48 में भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे और यह संपत्ति शत्रु संपत्ति के रूप में सन 2006 में भारत सरकार के कस्टोडियन विभाग के अंतर्गत दर्ज कर ली गई थी। रिकॉर्ड की जांच करने पर यह मामला प्रकाश में आया कि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में जालसाजी कर शत्रु संपत्ति को हेराफेरी करने के लिए आफाक अहमद का नाम गलत तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में अंकित कर दिया गया था तथा रिकॉर्ड के पन्ने फटे हुए पाए गए थे। इस मामले में विवेचना के बाद सपा नेता आजम खां, पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा, बेटे अब्दुल्ला आजम, अदीब आजम, बहन निकहत अखलाक समेत ट्रस्ट के पदा. धिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में आजम की पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा, बड़े बेटे अदीब आजम व बहन निकहत अखलाक को कोर्ट ने सोमवार तक की अंतां. रम जमानत दी थी। सोमवार को तीनों एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में हाजिर हुए।

प्रेमिका व परिवार के चार लोगों की हत्या मां गंभीर

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम के वेंजारामूडू में सोमवार शाम 23 साल के युवक ने 5 लोगों की हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी प्रेमिका, भाई, दादी, चाचा और चाची की चाकू-हथौड़ा से बेरहमी से हत्या की। इसके बाद आरोपी ने मां पर हमला कर उन्हें भी मारने की कोशिश की। युवक ने पूरी प्लानिंग के साथ तीन अलग-अलग जगह पर घटना को अंजाम दिया। फिर वेंजारामूडू पुलिस थाने जाकर सरेंडर किया और अपराध कबूला।

थाने में आरोपी ने बताया कि उसने अपनी मां, प्रेमिका समेत 6 लोगों की हत्या की है। आरोपी का नाम अफ्फान है। पुलिस ने अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिसमें आरोपी का भाई अहसन, दादी सलमा बीवी, चाचा लतीफ, चाची शाहिदा और उसकी प्रेमिका फरशाना शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ 2 पुलिस स्टेशन में तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

कर्ज में डूबा था आरोपी, परिवार ने नहीं की मदद पुलिस ने बताया कि युवक भारी कर्ज में डूबा हुआ था और परिवार वालों ने उसे चुकाने के लिए मना कर दिया था। इसी वजह से युवक ने घटना को अंजाम दिया।

कार्यालय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अल्मोड़ा

पत्रांक:- 4789/लेखा/विज्ञप्ति/2024-25 दिनांक : 25/02/2025

पशुपालन विभाग, जनपद-अल्मोड़ा

"स्वस्थ्य पशु खुशहाल किसान, उत्पादक पशु सम्पन्न किसान"

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनायें

पशु चिकित्सा- जनपद में कुल 37 पशु चिकित्सालयों, 01 सचल पशु चिकित्सालय एवं 01 द श्रेणी पशु चिकित्सालय के माध्यम से पशु चिकित्सा कार्य किया जा रहा है। पशु चिकित्सालयों में निर्धारित राजकीय शुल्क ले कर निःशुल्क दवा वितरण कार्य किया जाता है।
पशु बधियाकरण कार्य- अनुपयोगी एवं निम्न गुणवता के पशुओं को प्रजनन से रोकने हेतु जनपद में पशु चिकित्सालयों एवं पशुसेवा केन्द्रों पर पशु बधियाकरण की सुविधा उपलब्ध है।
पशु टीकाकरण- जनपद में पशु चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के माध्यम से पशुओं में संक्रामक बिमारियों की रोकथाम करने हेतु टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित शुल्क प्राप्त कर पशुपालक के द्वार पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा टीकाकरण किया जाता है।
कृत्रिम गर्भाधान कार्य- पशुओं में नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाने हेतु कृत्रिम गर्भाधान कार्य महत्वपूर्ण है। जनपद में पशु चिकित्सलयों एवं पशुसेवा केन्द्रों पर कृत्रिम गर्भाधान सुविधा उपलब्ध है। जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालक कृत्रिम गर्भाधान सुविधा का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता की बछिया प्राप्त कर सकते हैं।
सैक्स्ड सोर्टेड सिमन SSS- इस योजनान्तर्गत किये गये कृत्रिम गर्भाधान से 90 प्रतिशत बछिया उत्पन्न होती हैं, जिससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है। साथ ही बछडों के लालन पालन में अनावश्यक व्यय की बचत होती है एवं निराश्रित पशुओं की कमी होती हैं।
पशुधन बीमा योजना- पशुपालको को पशुधन सुरक्षा हेतु पशुधन बीमा योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत पर्वतीय क्षेत्रों में ए0पी0एल0 (सामान्य) परिवारों हेतु 60 प्रतिशत व बी0पी0एल0 (एस.सी.पी. व टी.एस.पी.) परिवारों हेतु 80 प्रतिशत तक प्रीमियम में छूट विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है। पशुधन बीमा योजना अन्तर्गत पशुपालकों के सभी प्रकार के पशुधन जैसे गाय,घोडा,खच्चर, एवं भेड़-बकरी इत्यादि सभी प्रकार के पशुओं का बीमा पशुधिकित्सालयों के माध्यम से किया जा रहा है।
मुख्यमुन्त्री राज्य पशुधन मिशन- योजनाअन्तर्गत पशुपालको को डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन इत्यादि के लिये ऋण के ब्याज पर 90 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है।
बैक्यार्ड कुक्कुट पालन योजना- बैक्वार्ड कुक्कुट पालन योजना के तहत अनुसूचित जाति के पशुपालकों को चयन के आधार पर कुक्कुट पालन ईकाई स्थापित करने हेतु एक दिवसीय चूजे, दाना, जाली एवं औषधि का निःशुल्क वितरण किया जाता है।
गौपालन योजना- गौपालन योजना के तहत अनुसूचित जाति के एस0ई0सी0सी0 के परिवारों को चयन के आधार पर 90 प्रतिशत अनुदान पर गाय कय करने हेतु धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही गाय का बीमा तथा गाय हेतु पशु आहार भी उपलब्ध कराया जाता है।
बकरी पालन योजना- बकरी पालन योजना के अन्तर्गत सामान्य, अनुसूचित जाति के एस0ई0सी0सी0 के परिवारों को चयन के आधार पर 90 प्रतिशत अनुदान पर 10 बकरी एवं एक बकरा कय करने हेतु धनराशि उपलब्ध कराई जाती है।
ग्राम्य गोसेवक योजना- इस योजना के अन्तर्गत 05 निराश्रित नर गोवंशीय पशुओं के पालन-पोषण/प्रबन्धन हेतु प्रति पशु रू0 80.00 प्रतिदिन की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। जिसके चयन हेतु ग्राम सभा की खुली बैठक में जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया जायेगा।
21 वीं पशुधन संगणना (वर्ष 2024-25)- समस्त पशुपालकों को सहर्ष सूचित करना है कि पशुपालन विभाग द्वारा जनपद के समस्त विकासखण्डो में माह अक्टूबर 2024 से माह फरवरी 2025 तक 21 वीं पशुधन संगणना का कार्य प्रगति पर है। जिसमें समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के परिवारों/पारिवारिक उद्यमों/गैर पारिवारिक उद्यमों/संस्थानों में पालतू पशुओं एवं कुक्कुटों के साथ-साथ निराश्रित गोवंशीय एवं श्वान की गणना की जा रही है। अतः जनपद के समस्त पशुपालकों से अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में अपने पशुओं की संगणना करवाकर विभाग को अमूल्य सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

पशुपालकों से अपील है कि पशुपालन विभाग द्वारा संचालित उक्त योजनाओं का अधिक से अधिक मात्रा में लाभ उठायें, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

(आलोक कुमार पाण्डेय)
जिला अधिकारी,
अल्मोड़ा।

(दिवेश शाशनी)
मुख्य विकास अधिकारी,
अल्मोड़ा।

(डॉ0 योगेश अग्रवाल)
मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी,
अल्मोड़ा।

वन्य जीवों के हमलों को लेकर जल्द बनेगा कानून: सीएम

पौड़ी के दुगड्डा में शहीद मेले के उद्घाटन के अवसर पर बोले मुख्यमंत्री धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून/कोटद्वार। पौड़ी के दुगड्डा पार्क में तीन दिवसीय शहीद मेले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को शुभारंभ किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने दुगड्डा में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, स्व. बलदेव सिंह आर्य और स्व. भवानी सिंह रावत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष और विकास बनाम वन संरक्षण के संबंध में केंद्र सरकार के साथ चर्चा की जाएगी। इससे चुनौतियों का समाधान होगा और जो विकास कार्य नहीं हो पाते हैं उन पर काम हो सकेगा। साथ ही वन्यजीव हमलों के सबंध में संबंधित अधिकारियों को विधि सम्मत कार्यवाही को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सबकी जान बचाना हमारी प्राथमिकता है। वन्य जीवों के हमलों को लेकर भी जल्द कानून बनाया जाएगा।

शहीद मेले में रीप परियोजना, बाल विकास, वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान, सहकारिता, समाज कल्याण, डेयरी विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए स्टॉल लगाकर लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में विधायक महंत दिलीप रावत, विधायक यमकेश्वर रेनू बिष्ट,मेयर कोटद्वार शैलेंद्र सिंह रावत, अध्यक्ष नगर पालि. का परिषद दुगड्डा शांति बिष्ट, जिला अध्यक्ष भाजपा वीरेंद्र सिंह रावत, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधाममंत्री के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली गाथाओं का नई पीढ़ी को पुनः स्मरण कराने के लिए पूरे देश में स्मारकों और संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा ऐसे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सैनिकों व उनके परिवारों के कल्याण के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गयी है। इस कड़ी में उत्तराखंड का पांचवा धाम सैनिक धाम देहरादून के गुनियाल गांव में बनाया जा रहा है। सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को स्वास्थ्य सेवाओं और आवासीय योजना में भी प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री ने की घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं की गई। जिसमें नगर पालि. का दुगड्डा के क्षेत्रान्तर्गत एक आधुनिक बहुउद्देशीय भवन का निर्माण। नगर पालिका के लिए एक आधिकारिक वाहन की व्यवस्था।

भवानी सिंह रावत शहीद स्मृति स्थल का संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं पुनर्निर्माण नगर पालिका द्वारा किया जाएगा। नगर पालिका परिषद दुगड्डा क्षेत्रान्तर्गत निराश्रितों के लिए एक स्थायी रैन बसेरा का निर्माण किए जाएगा। दुगड्डा नगर में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का विकास एवं इसका नाम स्व. मोहनलाल बौंठियाल के नाम पर रखा जाएगा। दुगड्डा ब्लॉक में एक मिनी स्टेडियम की स्थापना की जाएगी। फतेहपुर में सिलगाड नदी पर पुल का निर्माण कराया जाएगा। मटियाली में सिद्धबाबा मंदिर का सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य कराए जाने की घोषणाएं की।

शहीदों का बलिदान देता है मार्गदर्शन: धामी

सीएम ने अमर शहीदों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और बलिदान हमें देश की सेवा में समर्पण और कर्तव्य का मार्गदर्शन देता है। इस प्रकार के आयोजन हमारे इतिहास और संस्कृति के प्रति युवाओं को जागरूक करते हैं,जिनसे हमें शहीदों के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है।

भू कानून जन हित और आम जन की मंशा के अनुरूप:चमोली

मुख्य संवाददाता

देहरादून । भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक विनोद चमोली ने राज्य के भू कानून को जरूरी और आम जन की मंशा के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि राज्य मे विकास योजनाओं के लिए एक लाख करोड़ से अधिक का बजट पारित किया गया है और यह विकास मे मील का पत्थर साबित होगा।

चमोली ने कहा कि कांग्रेस को जन हित के हर मुद्दे से समस्या है। राज्य की बदल रही डेमोग्राफी तथा संस्कृति के सरंक्षण के लिए धामी सरकार निर्णय ले रही है और कांग्रेस उस पर सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे भू कानून और बजट पर सर्वाधिक चर्चा की जरूरत है।पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुए चमोली ने पहाड़ और मैदान की राजनैतिक बयानबाजियों को उत्तराखंड के साथ अन्याय बताया।

उन्होंने इस मुद्दे पर विवाद समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि सदन के अंदर सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है और स्पीकर ने भी वही किया। लेकिन जिस तरह क्षेत्रवाद की आड़ में गैरजिम्मेदारी से उनके योगदान को नकारा जा रहा है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।सदन में कैबिनेट मंत्री की टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि किसी ने भी दोनों तरफ से हुई टिप्पणियां को उचित नहीं ठहराया है। पार्टी नेतृत्व ने भी उसका संज्ञान लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन मंत्री द्वारा उन्हें बुलाकर समझाया गया है। उन्हें सख्ती और संवेदनशीलता से सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वहीं स्वयं मंत्री ने भी अपने व्यक्तत्व पर खेद जताया है, लिहाजा इस पर की जारी चर्चा पर अब विराम लगना चाहिए।चमोली ने कहा कि आज हमारी प्राथमिकता सशक्त भू कानून पर चर्चा की होनी चाहिए। 1 लाख करोड़ से अधिक का बजट राज्य के विकास के लिए आया है चर्चा उसके पहलुओं पर होनी चाहिए।

गैरसैंण पहुंची विधानसभा अध्यक ऋतु खंडूड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैंण (भराड़ीसैंण) से उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण, भराड़ीसैण स्थित विधानसभा भवन में मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के मुख्यालय का विधिवत उद्घाटन किया।

इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य राज्य के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं को एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करना है, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की शोध एवं प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। यह संस्थान उत्तराखंड को ज्ञान-विज्ञान और नीति-निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उद्घाटन समारोह के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ष्यह संस्थान उत्तराखंड के विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगा। शोध और प्रशिक्षण के माध्यम से नीति-निर्माण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ होगी, जिससे राज्य के विकास को गति मिलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत, विधानसभा अध्यक्ष ने ई-विधान एप्लिकेशन के माध्यम से विधानसभा में हो रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की और इस डिजिटल प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि ई-विधान प्रणाली के तहत विधानसभा की कार्यवाही अब पूरी तरह से पेपरलेस, तेज और पारदर्शी होगी। इस प्रणाली से विधानसभा की सभी प्रक्रियाओं का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा, जिससे विधायकों को अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा, ष्उत्तराखंड विधानसभा को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। देहरादून विधानसभा भवन की तरह ही हम गैरसैंण विधानसभा भवन को भी डिजिटल बनाएंगे।

राज्य में प्राकृतिक आपदाओं से निपटना बड़ी चुनौती: राज्यपाल

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के डैशबोर्ड का लोकार्पण

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राजभवन में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बनाई गई कॉफी टेबल बुक 'श्री केदारनाथ जी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन पर एक और प्रयास' का विमोचन और यूएसडीएमए के डैशबोर्ड का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य प्राकृतिक आपदाओं के दृष्टिगत एक संवेदनशील राज्य है। भौगोलिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण यहां भूस्खलन, बाढ़, बादल फटना, भूकंप जैसी आपदाएं समय-समय पर आती रहती हैं। इन आपदाओं से निपटना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती रहती है।

उन्होंने कहा कि 31 जुलाई 2024 को श्री केदारनाथ क्षेत्र में आई आपदा एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई थी। इस कठिन परिस्थिति में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने सभी रेखीय विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किए।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने केंद्र से समन्वय बनाते हुए इस आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए, जो कि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त घटना का संज्ञान लेते हुए चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने एवं यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश दिए। उनकी निगरानी में युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किए गए।

इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग भरत चौधरी, उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रोहिला, मंडी परिषद् के अध्यक्ष अनिल डब्बू, सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव राज्यपाल स्वाति एस भदौरिया, एडीजी ए.पी. अंशुमान, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजकुमार नेगी, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग डॉ. सौरभ गहरवार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शीतकालीन यात्रा के भी अच्छे अनुभव: मुख्यमंत्री

सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में किसी भी आपदा की चुनौती से पार पाने के लिए पीएम मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) का सहयोग हमें निरंतर मिलता है। कहा कि इस बार कि चारधाम यात्रा को सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरी तैयारियां की जा रही है। प्रदेश में 08-12-24 से शुरू हुई शीतकालीन यात्रा के भी अच्छे अनुभव सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री का शीतकालीन यात्रा में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुखवा में उनके लिए भी एक अलग प्रकार का अनुभव था। शीतकाल में उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौन्दर्य और भी अद्भुत होता है।

मुख्यमंत्री धामी की मंत्री सौरभ ने की सराहना

कैबिनेट मंत्री और रूद्रप्रयाग जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 31 जुलाई 2024 का दिन केदारघाटी के लिए बहुत दुखद दिन था। लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा के दौरान सबसे आगे खड़े होकर लोगों के अंदर का डर दूर कर यात्रा फिर शुरु करवाने में सफलता हासिल की। केदारनाथ और सिलक्यारा आपदा प्रबंधन इसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर बार सरकार अपनी कार्यकुशलता से आपदा से निपटने में कामयाब रही। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मुख्यमंत्री आपदा के दौरान काम करते हैं, एक कॉफी टेबल बुक तो मुख्यमंत्री पर भी बनाई जा सकती है।

मानकों पर खरे विद्यालयों का होगा उच्चीकरण: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत मानकों को पूरा करने वाले विद्यालयों का उच्चीकरण किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को उच्चीकरण संबंधी प्रस्तावों पर कार्रवाई के निर्देश दे दिये गये हैं। मुख्य शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों से उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रस्ताव भी महानिदेशालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री घोषण के संबंधित उच्चीकरण के प्रस्तावों पर भी शीघ्र कार्रवाही के निर्देश अधिकारियों को दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को अपने शासकीय आवास पर विद्यालयी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने विद्यालयों के उच्चीकरण के संबंध में विभागीय अधिकारियों से जानकारी हासिल करते हुये उच्चीकरण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेशभर के ऐसे राजकीय विद्यालय जो उच्चीकरण के मानकों को पूरा करते हो, शीघ्र उच्चीकरण किया जाय। इस संबंध में उन्होंने जनपद स्तर से मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से जूनियर हाईस्कूल और हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों के उच्चीकरण प्रस्ताव शीघ्र मांगे जाने के निर्देश दिये। ताकि समय पर विद्यालयों का उच्चीकरण कर स्थानीय छात्र-छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने में और अधिक सुगमता हो सके।

विभागीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में हाईस्कूल से इंटर स्तर पर उच्चीकरण हेतु मानक पूर्ण करने वाले नौ विद्यालय हैं। जिनमें चम्पावत जनपद का राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फुंगर, सल्ली और पल्सों शामिल है। इसी प्रकार रूद्रप्रयाग जनपद में स्व0 शहीद फते सिंह राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाडव, टिहरी में रा0उ0मा0 वि0 मेड़, चामासारी, हरिद्वार में रा0उ0मा0 विद्यालय बेलड़ी, अल्मोड़ा में रा0उ0मा0 विद्यालय कांटली और नैनीताल में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैड़ागांव शामिल है जिनका शीघ्र ही उच्चीकरण कर आदेश जारी कर दिये जायेंगे। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल विभिन्न विद्यालयों के उच्चीकरण संबंधी प्रस्तावों पर तत्काल कार्रवाई की जाय तथा उच्चीकरण के मानक पूर्ण न करने की स्थिति में शिथिलीकरण हेतु प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री को भेजे जाय।

कहा, जनपदों से मांगे जाय विद्यालयों के उच्चीकरण के प्रस्ताव, मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश

बैठक में अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा रंजना राजगुरू, महानिदेशक बंशीधर तिवारी, अपर सचिव एमएम सेमवाल, प्रभारी निदेशक प्राथमिक शिक्षा अजय कुमार नौडियाल, प्रभारी निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल सती, अपर परियोजना निदेशक कुलदीप गैरोला, उप सचिव अनिल पाण्डेय, अनु सचिव विकास श्रीवास्तव, स्टॉफ ऑफिसर समग्र शिक्षा बी.पी.मंदोली सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने महाशिवरात्रि पर्व की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को महाशिव. रात्रि के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पावन पर्व शिव एवं शक्ति की आराधना का पर्व है। यह पर्व हमें प्रेम, एकता और आध्यात्मिक जागरण की प्रेरणा देता है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पावन पर्व पर कामना की है कि भगवान शिव की असीम कृपा सभी प्रदेशवासियों पर हमेशा बनी रहे और प्रदेश उन्नति एवं खुशहाली के पथ पर हमेशा आगे बढ़ता रहे।

भारत-नेपाल के बीच हवाई सेवाओं का विस्तार जरूरी: महाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नेपाली यात्रियों के लिए भारत में प्रवेश करने की प्रक्रिया को यदि सरल बना दिया जाये तो इससे दोनों देशों के बीच सदभाव बढ़ने के साथ-साथ पर्यटन में वृद्धि हो सकती है।

यह बात उत्तराखंड के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने नेपाल के महेंद्रनगर में ष16वें सुदूर पश्चिम प्रदेश स्तरीय औद्योगिक व्यापार मेला व कंचनपुर पर्यटन महोत्सवष में प्रतिभाग के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर और भारत के केदारनाथ धाम, वाराणसी, हरिद्वार, और देहरादून जैसे धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले धार्मिक पर्यटन सर्किट की स्थापना से दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन में भी वृद्धि हो सकती है। महाराज ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश में कृषि और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा हवाई सेवाओं की स्थापना से दोनों देशों के बीच यात्रा में काफी सुविधा हो सकती होगी।

भारत और नेपाल के बीच पर्यटन आर्थिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए जरूरी है कि नेपाली यात्रियों के लिए भारत में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। महेंद्रनगर में ष16वें सुदूर पश्चिम प्रदेश स्तरीय औद्योगिक व्यापार मेला तथा कंचनपुर पर्यटन महोत्सवष नेपाल की विभिन्न विभागों के स्टॉल के साथ-साथ उत्तराखंड पर्यटन का स्टाल भी विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस मौके पर नेपाल के उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्री दामोदर भंडारी, पूर्व मुख्यमंत्री राजेंद्र सिंह रावल, पूर्व उद्योग तथा वाणिज्य मंत्री अब्दुल खान, नेपाल प्रदेश सरकार के मंत्री बहादुर सिंह थापा, हीरा सार्की, कृषि एवं सहकारिता मंत्री वीर बहादुर थापा, पूर्व मंत्री ओम विक्रम, उद्योग वाणिज्य संघ नेपाल के अध्यक्ष पीतांबर जोशी, दुर्गा दत्त वोहरा आदि उपस्थित थे।

घास काट रही महिला को गुलदार ने उतारा मौत के घाट

रुद्रप्रयाग। विकासखण्ड जखोली के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवल की एक महिला को गुलदार ने अपना निवाला बना दिया। महिला घर से कुछ दूर अपने खेतों में घास काटने गई थी, जहां घात लगाए गुलदार ने अचानक से महिला पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद गुलदार महिला को चार से पांच खेतों तक घसीटकर ले गया। जब तक गांव के अन्य लोग वहां पहुंचते, तब तक महिला की जान जा चुकी थी। दो माह के अंतराल में गुलदार ग्राम पंचायत की ही तीन महिलाओं पर जानलेवा हमला कर गंभीर घायल कर चुका है। घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण लोग डर के साये में हैं। मंगलवार सांय पांच बजे के लगभग घर से कुछ दूर खेतों में घास लेने गई देवल गांव की सर्वेश्वरी देवी (77) पत्नी इन्द्र दत्त उनियाल पर घात लगाये गुलदार ने जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद गुलदार महिला को कई खेतों तक घसीटकर ले गया। आस-पास मौजूद महिलाओं ने यह दृश्य देखा तो वे जोर-जोर से चिल्लाने लगी। जब तक अन्य ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचते, तब तक महिला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

एक नजर

पशु प्रबंधन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा

पन्तनगर। विश्वविद्यालय में केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-फ्रिजवाल के अंतर्गत ग्राम खुरियाखत्ता में पशु स्वास्थ्य शिविर एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर का उद्‌घाटन डा. डी. कुमार, विभागाध्यक्ष पशु प्रजनन एवं कार्यवाहक अधिष्ठाता पशुचिकित्सा महाविद्यालय ने किया। उन्होंने गोपालकों एवं परियोजना टीम को उत्साहित करते हुए पशु प्रबंधन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। शिविर में 15 गोपशुओं का स्वास्थ्य निरीक्षण और उपचार डा. संजय चौधरी, सह-परियोजना अधिकारी ने किया। कार्यक्रम के दौरान, डा. चन्द्र भान सिंह ने परियोजना के उद्देश्यों और लाभों पर प्रकाश डाला, जबकि डा. बृजेश सिंह, डा. बीएन शाही, और डा. रिपुसुदन कुमार ने उन्नत पशुपालन के लिए तकनीकी जानकारी दी। शिविर में 70 पशुपालकों ने भाग लिया।

शारीरिक दक्षता के बाद 235 अभ्यर्थी सफल

बागेश्वर। पुलिस लाइन बागेश्वर में आयोजित पुलिस भर्ती के लिए शारीरिक मानक दक्षता परीक्षा चल रही है। सोमवार से चल रही भर्ती प्रक्रिया 28 फरवरी तक चलेगी। पहले दिन 500 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इसमें से 367 पहुंचे। 133 अनुपस्थित रहे। शारीरिक दक्षता के बाद 235 अभ्यर्थी सफल रहे। दूसरे दिन सुबह से परीक्षा चल रही है। यह प्रक्रिया 28 फरवरी तक जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष चल रही है। कोई भी अभ्यर्थी किसी के लालच में न फंसें। दूसरे दिन भर्ती चयन में लंबी कूद, बाल थ्रो, दस्तावेज की जांच सहित ने गतिविधियां चलती रही।

पीएनबी ने वित्तीय साक्षरता कैम्प लगाया

बागेश्वर। पंजाब नेशलन बैंक बागेश्वर शाखा ने खांकर में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित किया। ग्रामीणों को सरकार की स्वरोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी। राजकीय प्राथमिक विद्यालय खांकर में 25 बच्चों को गणवेश वितरित किए। उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। शाखा प्रबंधक हेम चंद्र पंत ने कहा कि पीएनबी उपभोक्ताओं के साथ ही ग्रामीणों को भी सरकार की योजनाओं का लाभ दे रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना सहित कन्या बचत योजना आदि की जानकाी दी। स्वरोजगारपरख योजनाओं का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने बैंक सीएसआर फंड के तहत विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र के 25 बच्चों को गणवेश वितरित किए। इस अवसर पर राकेश बिष्ट, भगवती प्रसाद पांडेय, दीवान सिंह रौतेला, कैलाश चंद्र, कविता देवी, जानकी देवी, प्रभा जोशी आदि उपस्थित थे।

डीडीए समाप्ति की मांग को लेकर धरना

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति के धरना प्रदर्शन को प्रशासन की ओर से निराधार बताने पर आक्रोश भड़क गया है। नाराज समिति के सदस्यों ने विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। नगर के मालरोड स्थित गांधी पार्क में सर्वदलीय संघर्ष समिति ने मंगलवार को साप्ताहिक प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यहां धरना प्रदर्शन में समिति के सयोजक व पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, प्रताप सिंह सत्याल, शहाबुद्दीन, रोबिन मनोज भंडारी, वैभव पांडे, गोविंद राम, ललित मोहन पंत, प्रत्येश कुमार पांडे, भारत पांडे समेत विभिन्न संगठनों से जुड़ों लोग मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष, सभासदों का स्वागत किया

नैनीताल। भीमताल ब्लाक के भवाली नगर पालिका के नव निर्वाचित पालिकाध्यक्ष पंकज आर्या समेत नव नियुक्त पालिका सभासदों क्रमशः किशन सिंह अधिकारी तथा मनोज तिवारी (प्रशासनिक अधिकारी) का भवाली नगर के समाजसेवियों की ओर से स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में भगवती सुयाल, आचार्य कैलाश चंद्र सुयाल तथा उपस्थिति अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में भवाली के विकास पर विस्तृत रूप में चर्चा भी की गयी। इस मौके पर महेश चंद्र जोशी, घनश्याम त्रिपाठी, अनुराग त्रिपाठी, तारा भट्ट आदि मौजूद रहे। इस मौके पर नव नियुक्त पालिकाध्यक्ष पंकज आर्या ने उनकी ओर से भवाली में होने वाले भावी विकास कार्यो के बारे में मौजुद गणमान्य लोगों को जानकारी दी गयी।

पेयजल समस्याओं के निराकरण की मांग

अल्मोड़ा। लमगड़ा बाजार में पेयजल समस्याओं को लेकर व्यापार मंडल मुखर हो गया है। मंगलवार को देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंप क्षेत्र में जल्द पानी की समस्या को दूर करने और अवैध कनेक्शनों की जांच की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि लंबे समय से लमगड़ा बाजार समेत पूरे क्षेत्र में पेयजल की समस्या बनी हुई है। गर्मी के दिनों में यहां पेयजल की समस्या और भी अधिक विकराल हो जाती है। कहा कि मामले को लेकर पूर्व में प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं, व्यापारियों ने आरोप लगाया कि पानी की लाइन में कई अवैध कनेक्शन लगे है। जिस कारण पानी की समस्या और अधिक बढ़ गई है। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में लमगड़ा व्यापार मंडल अध्यक्ष शुभम कपकोटी, महामंत्री संजय सिंह बिष्ट समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

यूसीसी के कई बिन्दुओं पर आक्रोश

प्रावधानों को बदलने व सरल बनाने की मांग, अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। यूसीसी के कुछ बिदुंओं के खिलाफ अधिवक्ताओं ने सवाल उठाते हुए मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को नाराज अधिवक्ताओं ने जिला बार एसोसिएशन के बैनर तले न्यायालय परिसर के कलक्ट्रेट तक विरोध जुलूस निकाला। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

यूसीसी में बदलाव करने और पेपरलैस रजिस्ट्री विधेयक को रद करने की मांग उठाई। अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की है। इसमें विवाह व लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण, तलाक, वसीयत आदि की प्रक्रिया को और जटिल बना दिया है। जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। कहा कि लिव इन रिलेशनशिप के पंजीकरण से सामाजिक दुष्प्रभाव पड़ने के साथ महिला अपराधों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। प्रदेश की सामाजिक संरचना को बनाए रखने के लिए इसे रद करना जरूरी है। कहा कि विवाह, तलाक व वसीयत आदि की प्रक्रिया को सरल व सुगम बनाने व ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा जरूरी हैं। वहीं, अधिवक्ताओं ने सरकार की पेपरलैस रजिस्ट्री की व्यवस्था की योजना के विरोध का फैसला किया है। उन्होंने यूसीसी के प्रावधानों को बदलने व सरल बनाने की मांग की है। मामले को लेकर प्रशासन के खिलाफ से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। विरोध प्रदर्शन में जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष महेश चंद्र सिंह परिहार, उपाध्यक्ष कवींद्र पंत, महिला उपाध्यक्ष भावना जोशी, संयुक्त सचिव प्रेमा आर्या, कोषाध्यक्ष रोहित बिष्ट, केवल सती, सह सचिव प्रेम आर्या, सह कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार, सुनील तिवारी, एचडी पांडे, वंदना कोहली, हिमांशु मेहता, इन्तेखाब कुरैशी, पल्लव गस्याल, विवेक तिवारी, पीसी तिवारी, जमन सिंह बिष्ट, निखिलेश पवार, मोहन देवली, अखिलेश टम्टा, मनोज पंत, केवल सती, निर्मल रावत, संजीव समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी ने ली बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। वनाग्नि रोकथाम को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे संवेदनशील वन क्षेत्र जहां पानी की पाइप लाइन बिछी हुई हैं वहां प्रत्येक 500 मीटर पर पानी का प्वाइंट बनाया जाए, जिससे वनाग्नि के दौरान उसका उपयोग करके आग पर काबू पाया जा सके। जिलाधिकारी ने पूर्व में दिए निर्देशों की समीक्षा करते हुए इस संबंध में अपेक्षित कार्य नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आगामी दो दिन में उपरोक्त के दृष्टिगत सर्वेक्षण पूर्ण करने तथा जहां जहां प्वाइंट बनाएं जाएंगे, उन प्वाइंट को जीआईएस पर भी मैप करने के निर्देश दिए।

विदित हो कि यह पहल जिलाधिकारी द्वारा वनाग्नि रोकथाम के लिए प्रयोगात्मक रूप से प्रारंभ की गई है। इसके तहत लगभग 100 किलोमीटर के क्षेत्र में जहां जहां वन क्षेत्र से पेयजल लाइन बिछाई हुई हैं, वहां प्रत्येक 500 मीटर पर पानी की लाइनों में प्वाइंट बनाए जाएंगे तथा पानी के अंडर ग्राउंड टैंक भी बनाए जाएंगे। यह टैंक रिसाव रोधी होंगे तथा लंबे समय तक इनमें पानी की उपलब्धता बनी रहेगी, जिससे जंगली जानवरों को भी पीने का पानी जंगल में ही मिल सकेगा। फॉरेस्ट फायर के दौरान उन टैंकों एवं प्वाइंट से पानी लेकर आग पर काबू पाया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यह कार्य प्रयोगात्मक रूप से किया जा रहा है, यदि यह कार्य सफल रहा तो अगले वर्ष से पूरे जनपद में इसे लागू किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि यह काम प्राथमिकता से किया जाना है। चूंकि शासन ने फॉरेस्ट फायर को आपदा घोषित कर दिया गया है। अतः आपदा जैसी परिस्थितियों से निपटने में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी।

अनर्सा गांव में विधिक जागरूकता शिविर

बागेश्वर। जिला विधिक प्राधिकरण के तत्वावधान में कपकोट के अनर्सा गांव में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्राधिकरण के सचिव जयेंद्र सिंह ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कानूनी सेवा योजना 2015 विषय पर जानकारी दी। इस दौरान विधिक सहायता, लोक अदालत के फायदे, डिजिटल अरेस्ट/साइबर क्राइम, सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं, सड़क सुरक्षा के नियम एवं नालसा हेल्प लाइन नम्बर 15100 एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवा योजना विषयों पर जानकारी दी गई। शिविर में श्रम पर्वतन अधिकारी ने श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं जानकारी दी। शिविर में मोहन राम, असिस्टेन्ट, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल भी उपस्थित रहे।

किन्नरों की बेतहाशा वसूली से ग्रामीण परेशान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। गरुड़ क्षेत्र के ग्रामीणों में किन्नरों की बेतहाशा वसूली के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने खुशी के मौके पर आने वाले किन्नरों को दी जाने वाली राशि तय करने की मांग तहसील प्रशासन से की। इस आशय का एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। मंगलवार को क्षेत्र के लोग तहसील मुख्यालय पहुंचे। एक ज्ञापन एसडीएम जितेंद्र वर्मा को सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि गरुड़ क्षेत्र में किन्नरों के अपने एजेंट भी हैं, जो उनको ग्रामीण क्षेत्र में शादी, जनेऊ, नामकरण कार्यक्रम होने की खबर देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अपनी खुशी से कोई परिवार किन्नरों को जितना नजराना दें, उसे किन्नरों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन किन्नर दस से बीस हजार तक की मांग करते हैं। गरीब परिवार के लिए इतनी रकम देना संभव नहीं हो पाता है। नहीं देने पर ये लोग अभद्रता पर उतर आते हैं। ग्रामीण चाहते हैं कि एक प्रस्ताव प्रशासन को भी सौंपा जाए और एक फिक्स रेट तय किया जाए। किन्नरों की मनमानी के खिलाफ बैठक में सरपंच कैलाश मेहरा, निवर्तमान प्रधान पुष्पा देवी, ठाकुर मेहरा, कमला देवी, भोपाल दोसाद, दयाल सिंह, महेंद्र मेहरा आदि शामिल रहे। इधर एसडीम जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि किन्नर यदि मनमानी करेंगे, हंगामा करेंगे तो प्रशासन उनके खिलाफ एक्शन लेगा। शुभ अवसरों पर वसूली का कोई लीगल प्रावधान नहीं हैं। इस तरह की किसी भी घटना की खबर ग्रामीण त्वरित रूप से नजदीकी पुलिस स्टेशन में या राजस्व केंद्र में दें।

छात्रों ने बनाई सुंदर फेस पेंटिंग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग द्वारा ड्राइंग और फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ड्राइंग प्रतियोगिता 'ब्लूमिंग इमेजिनेशन' थीम पर आधारित थी, जिसमें कक्षा 3 से 12 तक के 158 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 'माई ग्रीन प्लैनेट', 'इन्क्रेडिबल इंडिया' और 'नेशनल गेम्स' जैसे विषयों पर रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन पीएचडी शोधार्थियों ने किया। वहीं, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता 'नवरस' थीम पर आधारित थी, जिसमें 82 प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. नीतू डोभाल और डा. रीतिका भट्ट

शामिल थीं। दोनों प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे उनके सृजनात्मक विकास को बल मिला। यह आयोजन डा. अल्का गोयल और डा. अदिति वत्स के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रभारी टीए खस्तगीर, डा. दिव्या सिंह और डा. संध्या रानी रहे। कार्यक्रम का प्रबंधन और संचालन स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम (एसआरपी) के तहत अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा किया गया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन की सफलता के लिए विभाग और आयोजक टीम की सराहना की गई।

बीएसएनएल की लचर संचार व्यवस्था पर डीएम नाराज़

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले में बीएसएनएल की संचार सेवाओं में आ रही दिक्कतों को लेकर नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी, आशीष भटगांई ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

उन्होंने मंडल अभियंता, बीएसएनएल, आशीष निगम को कड़े निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम जनता को निर्बाध संचार सुविधा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संचार सेवाओं में व्यवधान से आमजन को हो रही परेशानी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह न केवल नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं, ऑनलाइन शिक्षा और व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

उन्होंने बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए और सभी बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। जिले में 48 मोबाइल टावर लगाए जाने थे, जिनमें से 33 में कार्य पूर्ण हो चुका है। हालांकि बैठक में सामने आया कि उनमें से भी कई सुचारू रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह स्थिति अस्वीकार्य है, क्योंकि सुचारू संचार व्यवस्था न केवल प्रशासनिक कार्यों बल्कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी ने बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित टावरों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए और चालू टावरों की कार्यप्रणाली को दुरुस्त कर नागरिकों को निर्बाध सेवा प्रदान की जाए। साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नेटवर्क की गुणवत्ता का नियमित निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि संचार सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता को बेहतर सेवाएं देने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

जंगलों को बचाने के लिए रैली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। ब्लॉक स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समिति के तहत विकास खण्ड कपकोट के अनतर्गत जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रशासक गोविन्द सिंह दानू एवं एसडीओ तनुजा परिहार द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विकास खण्ड कार्यालय से सरयू पुल बाजार तक जंगलों को आग से बचाने के लिए जन जागरुकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में अल्मोडा शीतलाखेत में वनाग्नि से सुरक्षा के सफल मॉडल को लागू करने हेतु आई टीम प्रशिक्षक ने बीपीटी वीडियो क्लीप से कार्यक्रम में पहुंचे महिला मंगल दल, वन सरपंचों को प्रशिक्षित किया। इस मौके पर प्रशासक ने कहा कि जंगलो में आग से बचाने के लिए जन जागरुकता एव जन सहभागिता जरूरी है। क्योंकि वन विभाग में फील्ड कर्मचारी व स्टाफ की कमी के कारण जंगलो में लगी आग नियंत्रित करना संभव नहीं है। इसलिए जन-तंत्र मिलकर ही जंगलो की आग को नियंत्रित किया जा सकता है। खासकर महिला मंगल दल, सरपंच सहित गांव में गठित ग्राम पंचायत स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समितियों को वन विभाग और एसडीआरएफ द्वारा समय समय पर प्रशिक्षित करना जरूरी है। साथ ही नुक्कड़ नाटक, स्लाइड शो, लोकनृत्यों, जंगलो में पैदल मार्च कर भी जन जागरुकता जरूरी है। एसडीओ तनुजा परिहार ने बताया कि ग्लेशियर रेंज में 12 ग्राम पंचायत स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समितियों का गठन किया गया। इस अवसर पर निर्वतमान ज्येष्ट उप प्रमुख हरीश मेहरा, वन क्षेत्राधिकारी कपकोट धमेन्द्र पाण्डे, ग्लेशियर वन क्षेत्राधिकारी पवन मेहरा, प्रताप ऐंठानी, प्रभा गड़िया, गोविन्द कोरेगा, दीपक आर्या, प्रकाश जोशी, किशन सिंह दानू आदि मौजूद थे।

डाक कांवर लाने रवाना हुए शिवभक्त

काशीपुर। डाक कांवर में हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाने हेतु पुराना आवास विकास से शिवभक्तों की टोली शिवशंकर के जयकारे लगाते हुए हरिद्वार रवाना हुई। पूर्व पार्षद राजकुमार सेठी के पुराना आवास विकास स्थित आवास से शिवभक्तों की टोली ने सोमवार देर सायं हरिद्वार के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान पूर्व पार्षद राजकुमार सेठी ने कहा कि क्षेत्र एवं प्रदेश की खुशहाली एवं सुख समृद्धि के लिए वे शिवभक्तों के साथ डाक कांवर लेने हरिद्वार जा रहे हैं तथा गंगाजल लेकर यहां पहुंचने के बाद महाशिवरात्रि की मध्य रात्रि श्री मोटेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। हरिद्वार प्रस्थान करने वालों में पूर्व पार्षद राजकुमार सेठी, पुलकित सेठी, पारस कपूर, रिषभ, पुलकित भल्ला आदि तमाम शिवभक्त थे।

एक मेडिकल स्टोर सील, दो कराए बंद

प्रतिबंधित दवा की बिक्री की शिकायत पर छापामारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। क्षेत्र में एविल वायल नामक औषधि का अधिकता में दुरुपयोग किये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए एसडीएम काशीपुर को कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

डीएम के निर्देश पर एसडीएम की अध्यक्षता में ड्रग इंस्पेक्टर ने पुलिस के साथ क्षेत्र के विभिन्न मेडिकल प्रतिष्ठानों में एविल वाइल के संबंध में छापेमारी की कार्रवाई की, जिसमें कुमाऊँ मेडिकल एजेंसी से निकट चामुंडा मंदिर से क्रय विक्रय के अभिलेख प्राप्त कर सबसे ज्यादा क्रय किए गए मेडिकल स्टोर मैसेज राज मेडिकल स्टोर टांडा काशीपुर पर छापेमारी कार्यवाही की गई। मौके पर

प्रतिष्ठान द्वारा 375 एविल वायल के सापेक्ष विक्रय का अभिलेखों का सत्यापन नहीं पाया, साथ ही फर्म के लाइसेंस निलंबित होने के फलस्वरूप फर्म द्वारा क्रय विक्रय का कार्य करते हुए पाए जाने पर फर्म को जनहित में सील करने की कार्रवाई की गई। साथ ही टीम द्वारा उत्तरांचल मेडिकल स्टोर व सुशील मेडिकल स्टोर चीमा चौराहे पर भी छापेमारी की कार्रवाई की गई जिसमें लाइसेंस व प्रोपराइटर का सत्यापन न होने की दशा में उत्तरांचल मेडिकल स्टोर को मौके पर बंद कराया गया व सुशील मेडिकल स्टोर की वैधता का सत्यापन न पाए जाने की स्थिति में मेडिकल स्टोर को बंद कराया गया। एसडीएम ने बताया कि कोई भी मेडिकल स्टोर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के ऐविल वायल अगर अनाधिकृत रूप से बेचता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नियमों में प्रावधानित व्यवस्था के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। टीम मे उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चन्दौला, ड्रग इंस्पेक्टर नीरज दिवाकर, पटवारी गौरव चौहान, दौलत सिंह, मनीष सिंह, चौकी इंचार्ज टांडा सुनील सुतेड़ी मौजूद रहे।

नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष संजय बिष्ट का स्वागत

अल्मोड़ा। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से नवनियुक्त हवालबाग मंडल अध्यक्ष संजय बिष्ट का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने कोसी बाजार में मिष्ठान वितरित कर आतिशबाजी की। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष बिष्ट ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व का आभार। कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। यहां मेयर अजय वर्मा, ललित लटवाल, बिट्टू कर्नाटक, धर्मेंद्र बिष्ट, गोकुल मेहता, आनंद डंगवाल, विनीत बिष्ट, प्रताप बिष्ट, पूरन मुसयूनी, लोकेश कालाकोटी, देवस्थल महाराज ब्रहस्पति गिरी, सुनील बिष्ट, कुंदन कुमार बिष्ट, सुंदर मटियानी, मनीष बिष्ट, प्रमोद जोशी, रवि चौहान, अमित बिष्ट, सुनील नेगी, कृष्ण बहादुर सिंह, अमित शाह मोनू, अर्जुन बिष्ट, किशन बिष्ट, अर्जुन बिष्ट, कुंवर बिष्ट आदि मौजूद रहे।

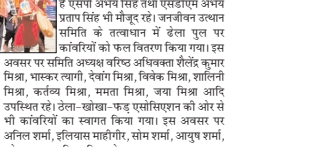

कांवरियों के स्वागत में शिवमय हुआ नगर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर अपने अराध्य शिव शंकर का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से कांवर में पवित्र गंगाजल लेकर आ रहे कांवरिये हर-हर महादेव, बोल

बम-बोल बम के जयकारों के साथ गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। उत्तराखण्ड की सबसे बड़ी कांवर भी आज काशीपुर पहुंच गयी। यहां पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। बताया गया कि इस कांवर का बजन ढाई कुंतल है। कांवरियों के स्वागत के लिए जगह-जगह पंडाल सजाए गए हैं। श्मशान घाट के समीप, गैंबिया के समीप चाचा की बगिया में, गंगे बाबा मंदिर में, मुंशीराम चौराहा पर, मुल्तानी मोड़ पर, श्री अग्रवाल सभा भवन में, रतन रोड पर शिव डेयरी के सामने, मेन चौराहा व रोडवेज बस स्टैंड आदि विभिन्न स्थानों पर कांवरियों के लिए फल, पेय पदार्थ और भोजन की व्यवस्था की गई है। उक्त स्थानों पर कांवरिया जलपान व भोजन कर विश्राम कर गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। महाराणा प्रताप चौक पर खालसा फाउंडेशन द्वारा कांवरियों को फल वितरित किये गये इस दौरान खालसा फाउंडेशन के पदाधिकारी व साथ हैं एसपी अभय सिंह तथा एसडीएम अभय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। जनजीवन उत्थान समिति के तत्वाधान में ढेला पुल पर कांवरियों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा, भास्कर त्यागी, देवांग मिश्रा, विवेक मिश्रा, शालिनी मिश्रा, कर्तव्य मिश्रा, ममता मिश्रा, जया मिश्रा आदि उपस्थित रहे। ठेला-खोखा-फड़ एसोसिएशन की ओर से भी कांवरियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनिल शर्मा, इलियास माहीगीर, सोम शर्मा, आयुष शर्मा, सुरेश कुमार आदि उपस्थित थे।

ट्राला अनियंत्रित होकर घर में घुसा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

शांतिपुरी। देर रात्रि शांतिपुरी गेट के पास सोमवार को एक ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घरों में जा घुसा। जिसमें मकान स्वामी और उनके बच्चे बाल बाल बच गए। इस दौरान चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सोमवार

रात लगभग एक बजे ट्राला संख्या यूपी 21/सीटी 1073 बगास भरकर लालकुआं की ओर जा रहा था। जैसे ही शांतिपुरी गेट के पास ट्राला पहुंच तो लालकुआं की ओर से आ रहा डंपर रॉन्ग साइड आ गया जिससे वाहन चालक ने ट्राले को दूसरी ओर अनियंत्रित होकर तारा सिंह पुत्र किशन सिंह के मकान में किचन की दीवार तोड़ता हुआ घुस गया। जिससे किचन का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। इतना ही नहीं प्रदीप सिंह पुत्र स्व. गोपाल सिंह के मकान में टक्कर लगने से उसमें भी दरारें आ गई। इसके अलावा चपेट में आने से सड़क किनारे 11 हजार लाइन का पोल भी क्षतिग्रस्त होकर तीन हिस्सों में टूट गया। जिसके चलते रात एक बजे से अभी तक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित है। गनीमत रही कि ट्राले की गति अधिक नहीं होने से वह रुक गया, अन्यथा घरों में सो रहे लोगों को जान माल का नुक़सान हो सकता था।

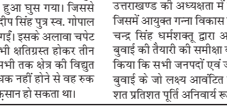

बसंतकालीन गन्ना बुवाई को लेकर बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। राज्य में बसंतकालीन गन्ना बुवाई एवं अन्य बिन्दुओं पर आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग

उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में जूम मीटिंग आहूत की गई, जिसमें आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग उत्तराखण्ड चन्द्र सिंह धर्मशक्तू द्वारा आगामी बसन्तकालीन गन्ना बुवाई की तैयारी की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्देशित किया कि सभी जनपदों एवं जोन को बसन्तकालीन गन्ना बुवाई के जो लक्ष्य आवंटित किये गये है, उस लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति अनिवार्य रूप से किया जाना सुनिश्चित किया जाये। बसन्तकलीन गन्ना बुवाई के आवंटित लक्ष्य की पूर्ति हेतु ज्येष्ठ गन्ना विकस निरीक्षकों तथा सहायक गन्ना आयुक्त द्वारा दैनिक रूप से बुवाई कार्य की प्रगति की समीक्षा की जाये। सहायक गन्ना आयुक्तों द्वारा अवगत कराया गया कि रेड रॉट से प्रभावित गन्ना प्रजाति को. 0238 का प्रतिस्थापन किया जा रहा है तथा आगामी बसन्तकालीन गन्ना बुवाई में इस प्रजाति की बुवाई को हतोत्साहित करते हुए नई उच्च शर्करायुक्त प्रजातियों की बुवाई कराई जायेगी। आयुक्त ने निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में गन्ना बुवाई नहीं की जा रहीं है, वहां सघन रूप से गन्ना कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया जाए। बैठक में अपर आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग चन्द्र सिंह इमलाल, संयुक्त गन्ना एवं चीनी आयुक्त हिमानी पाठक, अधिशासी निदेशक चीनी मिल किच्छा त्रिलोक सिंह मर्तोलिया, कार्यकारी प्रबन्धक हरवीर सिंह, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी नीलेश कुमार, सहायक गन्ना आयुक्त आशीष नेगी व ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक उत्तराखण्ड सहित निजि क्षेत्रों की चीनी मिलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिव मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय स्थित शिव मंदिर में शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार से अखंड रामायण पाठ, भजन कीर्तन के कार्यक्रम शुरू हो गए हैं।

जिनका पारायण बुधवार को शिवरात्रि के मौके पर होगा। मंगलवार को अखंड रामायण पाठ से पूर्व गणेश पूजा व अन्य धार्मिक अनुष्ठान कुमाऊं विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत की मौजूदगी में सम्पन्न हुए। इस मौके पर कुलपति प्रो.रावत सहित दीपक बिष्ट, पदम् सिंह बिष्ट, पुष्कर घनस्याल, नवीन उप्रेती, हयात सिंह मुख्य जजमान थे। जबकि पण्डित महेश जोशी, राजेश लोहनी, कमल जोशी ने विधि विधान से धार्मिक अनुष्ठान कराए। इन अनुष्ठानों के बाद अखंड रामायण पाठ शुरू हो गया। यहां अपरान्ह बाद प्रसाद वितरण भी हुआ। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कैलाश बिष्ट, कुंदन बिष्ट, नवल बिनवाल, दीपक जोशी, बलवंत बिष्ट, गोपाल नाथ गोस्वामी, महेंद्र पाल, राजेन्द्र जोशी, पीताम्बर मधुसूदन रतूड़ी, धीरज बिष्ट, दीपक मेलकानी, पवन सिंह, हिम्मत सिंह, सचिन बिष्ट, सुरेश चंद्र बिनवाल सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी व सदस्य सहित कुमाऊं विश्वविद्यालय का समस्त स्टाफ जुटा है।

चंद्रेक बिष्ट, सुखीजा व जगदीश की नियुक्ति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पत्रकार प्रेस परिषद ने कुमाऊं के वरिष्ठ पत्रकार चंद्रेक बिष्ट को कुमाऊं मंडल अध्यक्ष और प्रभारी नियुक्त किया है। साथ ही, परम पाल सुखीजा को उत्तराखंड का वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जगदीश चंद्र को महामंत्री नियुक्त किया गया है। पत्रकार प्रेस परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अली और उत्तराखंड के अध्यक्ष अशोक गुलाटी ने इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि परिषद पत्रकारों के हित में काम कर रही है, जिसमें हेल्थ बीमा योजना और एंबुलेंस सेवा जैसी सुविधाएं शामिल हैं। 9 मार्च को रुद्रपुर में होने वाला होली मिलन समारोह ऐतिहासिक होगा, जिसमें कई प्रमुख नेता और अधिकारी भाग लेंगे।

चाय की चुस्की, लूडो पर बाजी

एसओजी, पुलिस ने छापा मारकर 9 जुआरियों को दबोचा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते सोमवार को कालाढूंगी रोड स्थित तंदूरी चाय की दुकान में चाय की चुस्की के साथ लूडों में हारजीत का जुआ खेल रहे नौ जुआ. रियों को एसओजी व कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने लूडो व 22 हजार 250 रूपये की नगदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार नशे के साथ ही जुआरियों व सटोरियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चलाए हुए है।

बीते सोमवार की रात्रि कोतवाल राज. ेश यादव व एसओजी प्रभारी संजीत राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस की संयुक्त टीम ने कालाढूंगी रोड स्थित तंदूरी चाय की दुकान में छापेमारी की तो चाय की चुस्कियों के साथ लूडो के दाने (डाईश) के माध्यम से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते नौ लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लोगों ने अपना नाम पंकज बिष्ट, निवासी मल्ला गोरखपुर तिकोनिया हल्द्वानी, योगेश गोस्वामी निवासी ग्राम कुंवरपुर गौलापार काठगोदाम, रितेश कुमार निवासी राजेन्द्र नगर राजपुरा, चेतन अरोरा निवासी विष्णुपुरी गली नंबर-10 हल्द्वानी, योगेश सिंह निवासी भोटिया पड़ाव हल्द्वानी, प्रियांशु निवासी राजेन्द्र नगर राजपुरा, अजय फर्त्याल निवासी मल्ला फतेहपुर मुखानी, अभिषेक आर्या निवासी कुंवरपुर गौलापार, रवि गुप्ता निवासी मंडी गेट बरेली रोड हल्द्वानी बताया है। जुआरियों के पास से 22 हजार 250 रूपये की नगदी भी बरामद की है। बताया जा रहा कि जिस तंदूरी चाय की दुकान में जुआ चल रहा था उससे शुभम शर्मा नाम का व्यक्ति चलाता है जिसकी जांच की जा रही है। टीम में एसएसआई रोहताश सिंह, एसओजी प्रभारी संजीत राठौड़, हेड कांस्टेबल ललित श्रीवास्तव, कांस्टेबल संतोष बिष्ट, कांस्टेबल जगदीश भंडारी शामिल थे।

11 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रेवले स्टेशन के पास स्मैक की तस्करी कर रहे एक स्मैक तस्कर को पुलिस ने बीते सोमवार को 11 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बता दें कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाल राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में भोटिया पड़ाव चौकी प्रभारी अनिल कुमार मय टीम के साथ बीते सोमवार की रात्रि क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी जवाहर नगर रेलवे क्रासिंग से आगे रेलवे स्टेशन के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था जो पुलिस टीम को देख भागने लगा। शक होने पर टीम ने उसे घेराबंदी करते हुए दबोच लिया जिसकी तलाशी के दौरान 11ग्राम स्मैक बरामद हुई। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम सावेज पुत्र महबूब निवासी देवलातल्ला पजाया गौलापार कुंवरपुर बताया। पूछताछ में तस्कर ने बताया कि वह स्मैक को सब्जी मंडी से किसी मोनू नामक युवक से खरीदकर लाया है। तस्कर के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

ई-रिक्शा चालकों का हुआ सत्यापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर में चल रहे ई-रिक्शा संचालकों के सत्यापन का कार्य मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। जैसे ही दिन की शुरुआत हुई, ई-रिक्शा चालक और मालिक आरटीओ कार्यालय पहुंचने लगे, ताकि वे अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा सकें। दोपहर तक करीब 35 से अधिक रिक्शा मालिक और चालक अपने दस्तावेजों के पूरे होने पर टोकन प्राप्त कर चुके थे। परिवहन विभाग ने एक दिन में अधि. कतम 250 ई-रिक्शा मालिक और चालकों का सत्यापन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस प्रक्रिया में सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है ताकि केवल सही और पंजीकृत रिक्शा ही सड़कों पर चल सकें। बता दें कि बीते सोमवार को सत्यापन के पहले दिन 75 ई-रिक्शा मालिक और चालकों का सत्यापन सफलतापूर्वक किया गया था, जो इस अभियान की गति और प्रभावशीलता को दर्शाता है। इस सत्यापन प्रक्रिया से जहां एक ओर शहर में ई-रिक्शा संचालन के नियमों का पालन सुनिश्चित हो सकेगा, वहीं दूसरी ओर यात्रियों की सुरक्षा भी बढ़ेगी।

कुमाऊं प्रीमियर लीग 16 मार्च से

युवाओं को नशे से दूर रखने की पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 38वें नेशनल गेम्स में फुटबॉल की लोकप्रियता और दर्शकों में इसके प्रति जुनून को देखते हुए और खिलाड़ियों को नशे से दूर रखने

हल्द्वानी स्टेडियम में एक और दो मार्च को होगा ट्रायल

तथा खेल के प्रति लगाव बढ़ाने के उद्देश्य से बिठौरिया यूनाइटेड फुटबॉल क्लब द्वारा कुमाऊं प्रीमियर लीग का आयोजन 16 मार्च से किया जा रहा है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता करते हुए फुटबॉल लीग के आयोजक वीरू कालाकोटी ने बताया कि कुमाऊं प्रीमियर लीग में कुमाऊं मंडल के छह टीम भाग ले रही है। जिसमें नैनीताल, उधम सिंह नगर, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर और अल्मोड़ा की टीमें है। इन सभी छह टीमों के खिलाड़ियों को फुटबॉल प्रेमी, उद्योगपति और समाजसेवी नीलामी के माध्यम से खरीदेंगे। प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों का चैन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। जिसका पहला ट्रायल 1 मार्च को सुबह 9 बजे से नैनीताल जिले के खिलाड़ियों के लिए होगा। वहीं दूसरा ट्रायल 2 मार्च को हल्द्वानी स्टेडियम में उत्तराखंड के सभी जिलों के खिलाड़ियों के लिए होगा। इन ट्रायल्स के बाद 6 टीमों का चयन किया जाएगा। टीम की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए 8 मार्च को की जाएगी। 15 मार्च को जर्सी लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन हल्द्वानी के वॉकवे मॉल, फॉर्चून होटल में 3 बजे किया जाएगा। प्रतियोगिता का ओपनिंग मैच 16 मार्च को खेला जाएगा, और इसके बाद प्रतिदिन तीन मैच खेले जाएंगे। लीग का समापन 23 मार्च रविवार को फाइनल मैच के साथ होगा। विजेता टीम को 2 लाख की राशि और उपविजेता को 1 लाख की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। इस लीग में 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड की फुटबॉल टीम से सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। चयनित खिलाड़ियों को बिठौरिया यूनाइटेड फुटबॉल क्लब द्वारा निशुल्क आवास, भोजन और जर्सी किट प्रदान की जाएगी। पत्रकार वार्ता में क्लब के अध्यक्ष आनंद देव, सचिव वीरू कालाकोटी, कोषाध्यक्ष त्रिभुवन नितवाल, उपसचिव कौशिक नेगी, उपाध्यक्ष मोहित नौटियाल, संरक्षक किशोर पाल और संजय रौतेला, कोच चंदन दानू, क्लब मैनेजर योगेश कुमार, शैलेंद्र सिंह दानू, ललित पवार, राजेंद्र सिंह मालरा, शंकर लाल आर्य, दिनेश बिष्ट, दिनेश यादव, मनोज पाठक और नवीन पांडे सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर्व पर आज रूट डायवर्जन

हल्द्वानी। महाशिवरात्रि पर शहर और गौलापार क्षेत्र में वाहनों के आने-जाने पर पाबंदी होगी। न तो शहर से पहाड़ की ओर कोई भारी वाहन जा पाएगा और न आ पाएगा। इस दौरान परिवहन करने वाले भारी वाहनों को विभिन्न स्थानों पर पार्क कराया जाएगा। डायवर्जन प्लान सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक लागू रहेगा। रूट प्लान जारी करते हुए कहा कि सभी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक प्रति. बंधित रहेगा। आवश्यक सेवाओं के वाहन जैसे सब्जी, फल, ईंधन, गैस, दूध आदि भी 7 बजे से रात्रि आठ बजे तक यात्रा रूट में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही कालाढूंगी से पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाले भारी वाहन मंगोली होते हुए जाएंगे, जबकि अन्य वाहनों को थाना मुखानी क्षेत्र में रोका जाएगा। गौलापार तीनपानी से पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाले इन वाहनों को गौलापुल के पास डिवाइडर के पास रोका जाएगा। चोरगलिया रोड से पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाले इन वाहनों को कुँवरपुर तिराहा से खेडा चौराहा के बीच रोका जाएगा। पर्वतीय क्षेत्र से हल्द्वानी आने वाले भारी वाहन को 6 बजे से आठ बजे तक जनपद सीमा पर रोका जाएगा, और भवाली व भीमताल से आने वाले भारी वाहनों को नंबर 1 बैंड, सलड़ी क्षेत्र में पार्क किया जाएगा। जिन भारी वाहन चालकों का पर्वतीय क्षेत्र में जाना आवश्यक है, उन्हें अपनी यात्रा समय से पहले पूर्ण करनी होगी या वे कालाढूंगी, रामनगर के रास्ते से यात्रा कर सकते हैं।

सपनों की उड़ान में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सपनों की दौड़, सपनों के चित्र, फैंसी ड्रेस, कविता पाठ प्रतियोगिताएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। समग्र शिक्षा अभियान के तत्वावधान में सीआरसी नगर क्षेत्र हल्द्वानी में मंगलवार को सपनों की उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का इस कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों ने अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सपनों की दौड़, सपनों के चित्र, फैंसी ड्रेस, और कविता पाठ जैसे विभिन्न आयोजनों में भाग लिया।

सपनों की उड़ान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद खंड शिक्षा अधिकारी तारा सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। सपनों की उड़ान कार्यक्रम ने

विद्यार्थियों को न केवल अपनी क्षमताओं को दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित भी किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी तारा सिंह ने कहा कि सपनों की उड़ान कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की कि वें बच्चों को अपने सपनों को देखने और उन्हें साकार करने के लिए सहयोग दें। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षण के साथ-साथ पाठ्य सहगामी गतिविधियों और खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। नगर क्षेत्र संकुल प्रभारी हरीश बिष्ट ने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजेता ब्लॉक स्तर की सपनों की उड़ान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में नगर निगम क्षेत्र के 36 राजकीय विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिताओं में सपनों के चित्र, सपनों की दौड़, कविता पाठ, आदर्श एसएमसी का चयन, और सभी विद्यालयों द्वारा लर्निंग टीचिंग मटेरियल स्टॉल लगाए गए थे। इस मौके पर भावना कांडपाल, मीतू मटेला, विनीता मेहता, भारती रावत, मुकुल जोशी, कुसुम लता जलाल, मीना लोहनी, रीता सूरी, गीता आर्य, राजीव लॉरेंस, हेमा पंत, मंजू लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

मूर्छित अवस्था में मिला जलसंस्थान का कर्मी, अस्पताल में मृत घोषित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के मल्लीताल क्षेत्र में जल संस्थान का एक कर्मचारी संदिग्ध अवस्था में बाजार में मूर्छित अवस्था में मिला। जिला अस्पताल में पहुंचने के बाद मौजूद डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गैरखेत निवासी दिलीप राम पुत्र आनंद राम गैरीखेत जल संस्थान में कार्यरत है। मंगलवार को वह बड़ा बाजार में बेहोश गिरा पड़ा मिला। लोगों की सूचना के बाद पुलिस व स्थानीय लोगों ने उसको राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल

पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मामले में कोतवाली के एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि परिजनों को सूचित कर शव को कब्जे में ले लिया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद मौत के स्पष्ट कारणों का पता लग पायेगा।

राज्य प्राथमिक शिक्षक के चुनाव 7-8 मार्च को

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय चुनाव

ब्लॉक रामनगर करेगा मेज़बानी

आगामी 7 और 8 मार्च को विकासखंड रामनगर में आयोजित किए जाएंगे। इन चुनावों में जनपद के 225 डेलिगेट्स मतदान प्रक्रिया में भाग लेंगे। यह निर्णय मंगलवार को छोई स्थित एक रिसोर्ट में आयोजित जनपद एवं क्षेत्रीय इकाइयों की संयुक्त बैठक में लिया गया। जिसमें आगामी चुनाव प्रक्रिया को लेकर सर्वसम्मति से कई

महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में विकासखंड ओखलकांडा के पांच अतिरिक्त डेलिगेट्स के काम करने के लिए लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से समाधान किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला तदर्थ समिति के अध्यक्ष नंदराम द्वारा की गई, जबकि संचालन जिलामंत्री डिकर सिंह पडियार ने किया। इस बैठक में जनपद की 10 निर्वाचित इकाइयों के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष और अन्य प्रांतीय एवं ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय तदर्थ समिति के सदस्य मनोज तिवारी ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद और उप निबंधक सोसाइटी देहरादून के निर्देशन में प्रदेश के अधिकांश जनपदों में क्षेत्रीय इकाइयों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। इसी क्रम में मार्च के पहले सप्ताह में जनपद नैनीताल का जिला स्तरीय अधिवेशन भी होगा। बैठक में जनपद के सभी वक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि चुनाव रामनगर में आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, विकासखंडों में उप शिक्षा अधिकारियों की कमी को लेकर शिक्षकों की कार्य समय पर न होने की समस्या पर भी काफी आक्रोश व्यक्त किया गया। इस मुद्दे को शीघ्र हल करने के लिए जनपद में जिला इकाई का गठन करने पर भी विचार किया गया। बैठक में प्रेम कांडपाल, मदन मोहन सिंह बिष्ट, दिनेश मनराल, सुरेश चंद जोशी, हरीश पाठक, हीरा बल्लभ बसानी, हेमच. ंद भट्ट, धर्मेंद्र कुमार पाल, हेमंत पांडे, मदनगरतवाल, सतीश नैनवाल, मनीता कटारिया, नवीन चंद, पूरन चंद्र पंत, जगमोहन पडियार, अनिल कुमार शर्मा, अनुपम बमेठा, बंशीधर कांडपाल, सुमन बिष्ट, प्रमोद कवि दयाल, संजय कुमार, कैलाश चंद पंथ, शिवराज सिंह, सतीश कफलटिया, सतीश, राजकुमार मौजूद रहे।

परिवहन विभाग की फर्जी मुहर बनाकर ठगे हजारों रुपए

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक जालसाज ने संभागीय परिवहन विभाग की फर्जी मुहर बनाकर हजारों रुपए की ठगी कर

एआरटीओ से शिकायत, तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दी। ठगी का शिकार हुए युवक ने मामले की शिकायत एआरटीओ से की। जिसके बाद इस धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ।

एआरटीओ ने मुखानी थाने में तहरीर सौंपी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इंद्रा कालोनी फेस-टू कुसुमखेड़ा निवासी कुनाल पुत्र प्रकाश चन्द्र जोशी ने 10 फरवरी को आरटीओ कार्यालय पहुंचकर मौखिक शिकायत दर्ज कराई थी। मौखिक शिकायत पर कुनाल ने आरोप लगाया कि उन्होंने वाहन फिटनेस और लाइसेंस के लिए उमेश सूर्यवंशी नामक व्यक्ति को 15 हजार रुपए दिए थे। इसके बाद उमेश ने फार्म 38 पर विभागीय की फर्जी मुहर लगाकर उन्हें दस्तावेज दे दिए। संभागीय परिवहन विभाग में जब मामले की जांच की गई तो यह खुलासा हुआ कि उमेश सूर्यवंशी ने कूटरचित दस्तावेजों पर फर्जी मुहर लगाकर दस्तावेज तैयार किए थे। इस मामले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ने मुखानी पुलिस को तहरीर सौंपी। इधर मुखानी थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि एआरटीओ की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले में जल्द ही जांच कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

सरेराह महिला से छेड़छाड़, युवक पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर भर में ऑपरेशन रोमियो अभियान चलाकर शोहदों को सबक सिखाने के पुलिसिया दंभ की उस समय हवा निकल जब एक शोहदे ने पुलिस चौकी के सामने ही महिला से छेड़छाड़ कर दी। इतना ही नहीं युवक ने महिला को साथ चलने की बात भी कह डाली। महिला ने भी शोहदे को करार जवाब दिया और पत्थर पकड़ कर उसे सड़क पर ही दौड़ा दिया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदम दर्ज कर लिया है। टीपीनगर चौकी क्षेत्र में रहने वाली एक महिला बीती देर शाम अपने पति को तलाशने के लिए निकली थी। पुलिस के अनुसार रात करीब 8 बजे महिला जब टीपीनगर चौकी के बगल में स्थित पालम सिटी पहुंची तो एक स्कूटी सवार शोहदे ने उसका रास्ता रोक लिया और महिला के हाथ में एक हजार रूपए थमा कर साथ चलने की पेशकश कर डाली। जब महिला ने इसका विरोध तो वह जोर जबरदस्ती पर उतर गाया। महिला ने शोर भी मचाया लेकिन उसकी मदद के लिए कोई भी आगे नहीं आया। शोहदे को सबक सिखाने के लिए महिला ने हिम्मत से काम लिया और उसने सड़क से पत्थर उठा कर उसे ही सड़क पर दौड़ा दिया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

संकाय सदस्यों की नियुक्ति के साक्षात्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मंगलवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों में संकाय सदस्यों की नियुक्ति के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में साक्षात्कार संपन्न

हुआ। विदित हो कि विगत दिनों विभिन्न विभागों में संकाय सदस्यों के रिक्त पदों को भरने हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इसी क्रम में मंगलवार को विभिन्न शहरों से आए कुल 7 संकाय सदस्यों ने साक्षात्कार में प्रतिभाग किया। इनके द्वारा विभिन्न विभागों में संकाय सदस्य पद हेतु साक्षात्कार दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों में विभिन्न विभागों जैसे जनरल मेडिसिन विभाग में 2, मानसिक रोग विभाग में 1, बाल रोग विभाग में 1 व सुपर स्पेशिलिटी प्लास्टिक सर्जरी में 1 ने साक्षात्कार दिया। वहीं एसोसिएट प्रोफेसर के पदों में फार्माकोलॉजी विभाग में 01 व जनरल मेडिसिन विभाग में 01 अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया। चयन समिति में डा. ओंकार सिंह कुलपति उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी देहरादून व वर्तमान में प्रभारी कुलपति हेमवती नंदन बहुगुंणा चिकित्सा शिक्षा विश्व. विद्यालय देहरादून और डा. महेन्द्र कुमार पंत संयुक्त सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग वर्चुअल उपस्थित थे तथा डा. अरुण जोशी प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी, डा. उमेश विभागाध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डा. साधना अवस्थी विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, डा. हरिशंकर पांडे विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी विभाग आदि शामिल थे। प्राचार्य डा. अरूण जोशी ने बताया कि विभिन्न विभागों में संकाय सदस्यों के रिक्त पदों को भरने के लिए विभिन्न शहरों से संकाय सदस्यों ने साक्षात्कार में प्रतिभाग किया।

डीएसए मैदान को खेल विभाग को सौंपने पर आपत्ति

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिमखाना एवं डीएसए नैनीताल की कार्यकारिणी ने नगर पालिक. ाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल से मिलकर डीएसए खेल मैदान को क्रीड़ा विभाग को स्थानान्तरित करने का कड़ा विरोध किया है। कार्यकारिणी ने कहा कि सन् 1883 से डीएसए ने नैनीताल में स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की एवं स्थानीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर नैनीताल का नाम रोशन किया। स्थानीय ऐतिहासिक श्री मां नंदा देवी मेला एवं सांस्कृतिक गतिविधियां भी इसी खेल मैदान में आयोजित हो रही है। डीएसए एवं कार्यकारिणी ने कहा कि हल्द्वानी गौलापार के अन्तराष्ट्रीय खेल स्टेडियम जो कि करोड़ो की लागत से बना है। अभी तक खेल विभाग नहीं ले पाया है। डीएसए कार्यकारिणी ने इस बात पर कड़ा विरोध किया है कि स्थानीय खिलाड़ियों जनप्रतिनिधियों व जनता को विश्वास में लिए बिना नगर पालिका प्रशासक व जिला प्रशासन द्वारा एक सुनियोजित तरीके से एक तरफा कार्यवाही कर ऐतिहासिक खेल मैदान को क्रीडा विभाग को हस्तान्तरित किया जा रहा है। डीएसए कार्यकारिणी द्वारा जनता द्वारा चुने गए सभासदों, नगर पालिकाध्यक्ष डा. सस्वती खेतवाल से उक्त हस्तानान्तरण को निरस्त करने की मांग की। साथ ही स्थानीय खेल प्रेमी जनता एंव जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि नैनीताल के ऐतिहासिक खेल मैदान पर नगर पालिका नैनीताल व स्थानीय जनता के नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित करें।

फंदे पर लटका मिला युवक

हल्द्वानी। शहर के बनभूलपुरा क्षेत्र में एक युवक ने संदिग्ध हालत में फंदे से लटक कर जान दे दी। युवक की मौत से परिजन सदमे में हैं। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इंदिरानगर बनभूलपुरा निवासी 21 वर्षीय नदीम पुत्र मो. अनीस पेशे से पेंटर का काम करता था। सोमवार की रात खाना खाने के बाद वह टीनसेड के अंदर सोने चला गया। जब सुबह परिजन उसे उठाने के लिए पहुंचे तो वह लोहे की राड से फंदे से लटका मिला। उसे फंदे पर लटका देख परि. जनों में कोहराम मच गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परि. जनों के सुपुर्द कर दिया।

सिंथिया स्कूल में बच्चों के अभिभावकों ने दिखाई प्रतिभा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल हरकपुर क्वीरा लामाचौड़ हल्द्वानी में मंगलवार को वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

प्रतियोगिता में छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिनमें हर्ष कठायत ने पिकअप-द-बाल रेस, रो. मित, आराध्या सिंह और यश ने बाधा दौड़, आराध्या और यश ने स्टेशन दौड़, आध्या राणा ने गेंद दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि कैच

एंड कलेक्ट दौड़ में अधृत के अभिभावक पुष्पेन्द्र, और हैंडलाक दौड़ में स्वरा के अभिभावक मदन बिष्ट ने पहला स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी में अभिभावकों की टीम ने सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल की टीम को और महिला अभिभावकों की टीम ने पुरुष अभिभावकों की टीम को रोमांचक मुकाबले में हराया। दूसरे स्थान पर पिकअप द बाल रेस में भूमिका कठायत, बाधा दौड़ में रणविजय और आराध्या पन्त, स्टेशन दौड़ में लक्ष्य मेहता, गेंद दौड़ में उत्कर्ष फर्त्याल और शौर्या, कैच एंड कलेक्ट दौड़ में आराध्या के अभिभावक योगेश, और हैंड लाक दौड़ में रोमित के अभिभावक राहुल आनंद ने सफलता प्राप्त की। तीसरे स्थान पर उत्कर्ष पन्त, हर्ष नौगाई, शौर्य, अधृत सिंह, उर्वशी पन्त, मानवी, अधृत, देवांश पन्त की अभिभावक सीमा, हर्ष कठायत की अभिभावक किरन ने स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व उप निदेशक खेल और अंतरराष्ट्रीय धावक सुरेश पाण्डेय ने विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र करते हुए कहा कि किसी भी बच्चे की क्षमता का केवल अकादमिक प्रदर्शन से मूल्यांकन नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ नियमित रूप से खेलों में भाग लेना एक उत्तम व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है और खेलों को करियर के रूप में अपनाना चाहिए। प्रधानाचार्या तूलिका रस्तोगी ने खेलों और पढ़ाई के संतुलन पर जोर देते हुए स्कूल में व्यक्तित्व विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। इस मौके पर निदेशक सुरेश पाल सिंह, रश्मि रौतेला, प्रधानाचार्य डा. प्रवीन्द्र कुमार रौतेला, प्रबंध निद. ेशक कात्यायन रौतेला, खेल प्रशिक्षक एसएस कपकोटी, पूनम बिष्ट, दीपक जोशी, लीला रावत और अन्य शिक्षकगण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विक्रेता का धरना छठे दिन भी रहा जारी

- मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को भेजा ज्ञापन
- वसीयत व विवाह पंजीकरण के कार्य सीएसी सेन्टरों को देने का किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता नियमावली, 2025 लागू करने के बाद से विवाह व वसीयत पंजीकरण के कार्य से अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों को हटाये जाने के विरोध में आज मंगलवार को अधिवक्ताओं व लेखकों ने कलक्ट्रेट पहुंच कर विरोध जताया व एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को भेजा।

इससे पूर्व अधिवक्ता व दस्तावेज लेखक एआईजी स्टाम्प कार्यालय अधिवक्ता चैम्बर परिसर में भारी संख्या में एकत्र हुए। अपना विरोध जताते हुए वकीलों ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार प्रदेश में नया कानून यूसीसी लाई है, जिसे लाने के बाद सरकार ने यूसीसी की बैबसाईड बनाकर उसमें सीएसी सेन्टर वालों को विवाह व वसीयत संबंधित कार्य दे दिया है, जबकि उक्त कार्यों को आजादी से भी पूर्व से पीड़ी दर पीड़ी कातिब व वकील करते चले आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तो सरकार द्वारा वसीयत व विवाह पंजीकरण के कार्य से सरकार द्वारा उन्हें बाहर किया गया है, अब पेपर लैस ऑनलाईन बैनामा से भी कहीं बाहर न कर दिया जाए। यदि ऐसा किया जाता है तो प्रदेश के हजारों अधिवक्ता व दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेता बेरोजगार हो जाएंगे तथा उनके समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न जो जाएगा। अधिवक्ताओं ने बताया कि पूरे जिले की तहसीलों व उप निबंधक दफ्तरों में वकील व लेखक संबंधित कार्य करने वाले दस्तावेज लेखक लगातार छठे दिन से धरने पर बैठै हुए हैं, लेकिन अभी तक सरकार व प्रशासन द्वारा उनकी सुध नहीं ली गई है। अधिवक्ताओं ने बताया कि वसीयत एक कानूनी दस्तावेज है जिसे विधिक भाषा में व्यक्ति अपने जीवन काल में इच्छा पत्र के तौर पर तैयार कराता है और उसके पश्चात उसका पंजीकरण कराता है, ताकि भविष्य में परिवारों में उसकी संपत्ति को लेकर विवाद न उत्पन हो। अब उक्त कार्यों को सीएसी सेन्टरों को दे दिया गया है। न तो वह अधिवक्ता हैं और न ही कानून के जानकार हैं, जबकि यह कार्य वकीलों का है तो ऐसे में गलती होने की संभावना अधिक है, जिससे परिवारों के मध्य विवाद उत्पन्न होंगे तथा न्यायालय पर मुकदमों का भार बढ़ेगा।

अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को सौंपा, जिसमें मांग की है कि यूसीसी की बैबसाईड से सीएसी सेन्टर की आईडी को हटाकर उनके स्थान पर प्रदेश के अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखक की आईडी बनाई जाए व विवाह और वसीयत पंजीकरण के कार्य पूर्व की तरह वकीलों व लेखकों के माध्यम से ही किए जाएं एवं भविष्य में पेपर लैस ऑनलाईन बैनामा के कार्य से उन्हें बाहर न किया जाए नहीं तो उनके समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन रुद्रपुर के अध्यक्ष दिवाकर पांडे, सचिव सर्वेश सिंह, संजीव फोगाट, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह, बार एसोसिएशन बाजपुर के अध्यक्ष एडवोकेट सूरज प्रकाश शर्मा, सचिव मनीष कुमार सिंघल, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, वसीम, फिरोज आलम, सौरभ सक्सेना, कौशल सक्सेना, जयमल सिंह कल्सी, दस्वावेज लेखक मोहन चन्द्र शर्मा, पूरन सिंह फर्त्याल, अजय यादव, उमा गक्खर, राजीव सक्सेना, लक्ष्मी नारायण सक्सेना, दिनेश कुमार, रविशरण श्रीवास्तव, चंचल सिंह धापोला, अशोक कुमार सागर, प्रमोद मित्तल, मनीष मित्तल, एहसान दानिश, विरेन्द्र कुशवाहा, विपेन्द्र कुमार गुप्ता, दलजीत सिंह, सुनील कुमार, जगदीश सागर, गुरदीप सिंह, दिवाकर पाण्डेय, डींपल भण्डारी, भजन बत्रा, रोहन कुमार मिश्रा, अबरार अली, जसपाल सिंह, राजेश विश्वास, जीवन चन्द्र जोशी, अशोक चन्द्र, नरेन्द्र सिंह, दीपक कुमार, उदय राठौर, शावेस (सोनू), सरस गुप्ता, रोहित राठौर, गणेश चन्द्र, महीपाल सिंह, चन्द्र शेखर शर्मा, मुनीष गिरी, कपिल छाबड़ा, कीर्तिबल्लभ पनेरू, सगीर अहमद, प्रवीण सिंह, भुवन चन्द्र अवस्थी, स्टाम्प वैण्डर सुनील बजाज, मो. आजम, रविन्द्र नाथ, सुरेश राणा, गौरव सक्सेना, मझर रिजवी आदि मौजूद रहे।

बिजली कॉलोनी में हुई चोरी का आरोपी नकदी व जेवरात के साथ गिरफ्तार

- एसएसपी ने की खुलासा करने वाली टीम को पांच हजार व एसओजी के कांस्टेबल पंकज बिनवाल को 1500 रुपये का नगद इनाम की घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। सितारगंज के बिजली कॉलोनी वार्ड 10 में सात फरवरी की रात में ईश्वरी दत्त बुधानी के घर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। सोमवार को चोरी में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चार लाख की नगदी व लाखों के जेवरात बरामद किए हैं। चोरी में प्रयुक्त की गयी कार भी बरामद कर ली गई है। चोरी में शामिल दूसरा मुख्य आरोपी फरार है। दोनों आरोपी मिलकर पूर्व में भी मिलकर कई चोरियों को अंजाम दे चुके हैं। चोरी में प्रयुक्त की गयी कार भी बरामद कर ली गयी है।

एसएसपी ने मामले का खुलासा किया हैं। नगर के वार्ड दस बिजली कॉलोनी निवासी संदीप बुधानी सात फरवरी को पत्नी का इलाज करने के लिए हल्द्वानी गए थे। रात को शक्तिफार्म ससुराल में रुक गए। चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर आठ लाख कैश, जेवरात चुरा लिए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। लाखों की नगदी व जेवरात चोरी होने की सूचना मिलने पर पुलिस की कई टीमें जांच में जुट गयी। पुलिस ने करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के अवलोकन के बाद चोरी में प्रयुक्त कार के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। सोमवार की रात्रि में मुखबिर की सूचना पर नकटपुरा चौराहा सरकड़ा से एक आरोपी अंकित मिश्रा उर्फ सोनू पुत्र राकेश निवासी भोजपुर, शाहपुर खितौआ, कटरा जिला शाहजहांपुर यूपी को स्विफ्ट डिजायर के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के वाहन के डैशबोर्ड में रखे हैण्ड बैग से चोरी का माल सोने के गहने व नकदी तथा चादी के जेवरात व चार लाख की नगदी बरामद की। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि चार लाख की नकदी, दो मंगलसूत्र, दो चैन, एक अंगूठी, एक सिक्का बरामद किया है। मंगलवार को आरोपी को अदालत में पेश किया। चोरी में शामिल अंकित का साथी शुभम उर्फ आदित्य फरार है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने खुलासा करने वाली टीम को पांच हजार का नगद इनाम व एसओजी के कांस्टेबल पंकज बिनवाल को 1500 रुपये का नगद इनाम की घोषणा की है। टीम में कोतवाल नरेश चौहान, एसएसआई विक्रम सिंह धामी, एसआई कैलाश देव, एसआई दीपक कौशिक, सुरेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट, इन्दर सिंह ढैला, प्रकाश चन्द्र भट्ट, एएसआई राकेश रौकली, एएसआई सुरेन्द्र सिंह दानू, किरन कुमार मेहता, चन्द्र प्रकाश, अशोक बोरा, अमित जोशी, एसओजी के महेश बिनवाल शामिल रहे।

वाहन ने कांवरिये को मारी टक्कर कांवरियों का हंगामा, हाईवे जाम

- पुलिस अधिकारियों ने बातचीत कर जाम खुलवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। काशीपुर मार्ग पर हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे एक कांवड़िये को किसी वाहन द्वारा टक्कर मार देने के बाद कांवरियों ने जमकर हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर आ गये। बाद में कांवरियों से बातचीत करने के बाद मार्ग को वन वे कर जाम तो खुलवाया गया। लेकिन वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बताया जाता है कि प्रात: हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे एक कांवरिये को किसी वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई। जिससे कांवरिया को चोट आ गई। इससे रोषित होकर सैकड़ों कांवरियों ने मुख्य मार्ग पर जयघोषों के साथ जाम लगा दिया। उनका कहना था कि पुलिस प्रशासन से पूर्व में ही किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए महाशिवरात्रि पर काशीपुर मार्ग की यातायात व्यवस्था को वन वे करने की मांग की थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जिसके परिणामस्वरूप कांवरियों के साथ सड़क हादसे हो रहे है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों से बातचीत करने के बाद यातायात को वन वे तो कर दिया गया। लेकिन जाम खुलवाने और वनवे पर यातायात व्यवस्था सुचारू करने में पुलिस को काफी मशक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं काफी लम्बा जाम लगने के कारण वाहन चालकों को भी परेशानियों से जूझना पड़ा।

इंटर-हाईस्कूल के 6754 छात्रों ने दी परीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मंगलवार को जिले के कुल 100 परीक्षा केन्द्रों पर इंटरमीडिएट व हाईस्कूल के भूगोल, उर्दू और लेखा शास्त्र विषय की परीक्षा हुई। इंटरमीडियट के 64 परीक्षा केन्द्रों पर भूगोल विषय के पंजीकृत 5449 में से 5183 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 266 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इंटरमीडियट के 29 परीक्षा केन्द्रों पर लेखा शास्त्र विषय के पंजीकृत 1346 में से 1304 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। 42 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। हाईस्कूल के 7 परीक्षा केन्द्रों पर उर्दू विषय की परीक्षा में पंजीकृत 281 में से 267 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। यहां 14 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में इंटरमीडिएट व हाईस्कूल के भूगोल, उर्दू और लेखा शास्त्र में 322 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत और जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्रा ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बीस फरवरी से लापता सोमवीर का नहीं लगा सुराग

- पूर्व विधायक ठुकराल के नेतृत्व में परिजनों ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बीस फरवरी से लापता सोमवीर सिंह की बरामदगी नहीं होने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में परिजनों सहित अन्य लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और लापता सोमवीर सिंह को शीघ्र बरामद करने की मांग की। मामले में एसएसपी ने तत्काल अधीनस्थ अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए।

शांति विहार कॉलोनी निवासी लापता सोमवीर की पत्नी की ओर से एसएसपी को सौंपी गई तहरीर में बताया गया कि सोमवीर सिडकुल पंतनगर स्थित कंपनी में स्टोर हेड के पद पर कार्यरत है। 20 फरवरी को वह प्रतिदिन की तरह सुबह टहलने के लिए गया था। लेकिन वापस नहीं लौटा। हर संभावित जगह पर उसकी खोजबीन की गयी लेकिन अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। मामले में आदर्श कॉलोनी चौकी में तहरीर दी गयी थी लेकिन पुलिस ने मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। जिससे परिवार सदमे में है। पूर्व विधायक ठुकराल ने एसएसपी से मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की जिस पर एसएसपी ने तुरंत फोन पर अधीनस्थ अधिकारियों को लापता की बरामदगी के लिए दिशा निर्देश दिये। एसएसपी से मिलने वालों में श्वेता शर्मा, पुष्पा चौहान, ललिता चौधरी, सुमित्रा यादव, पिंकी रावत, दीपक, सुनील कोली, राजदीप, विपिन, सुनीता, प्रेमलता गुलाटी, मन्नू चौधरी, नेहा राजदेव आदि लोग शामिल थे।

उचक्के ने अधिवक्ता की जेब से उड़ाए 16 हजार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बगवाड़ा स्थित सब्जी मण्डी में खरीददारी करने गये अधिवक्ता की जेब से जेब कतरे पर्स उड़ा लिया। पर्स में 16 हजार की नगदी सहित एटीएम कार्ड और अन्य जरूरी कागजात थे। अधिवक्ता ने मामले की तहरीर पुलिस को सौंपी है।

जानकारी के अनुसार आदर्श कालोनी घास मण्डी निवासी अधिवक्ता गोपाल शर्मा पुत्र स्व. मदन पाल शर्मा मंगलवार सुबह बगवाड़ा स्थित सब्जी मण्डी में खरीददारी के लिए गये थे, इसी दौरान अज्ञात जेबकतरे ने जेब में रखा पर्स उड़ा लिया। पर्स में 16 हजार की नगदी के अलावा पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम कार्ड के अलावा अन्य जरूरी कागजात थे। अधिवक्ता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

एक नजर

भगवान गिरि महाराज बने प्राचीन शिव मंदिर के महंत

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। प्राचीन बोंडा शिव मंदिर बाजपुर के महंत देवगिरि महाराज के समाधि लेने के उपरांत बाजपुर में जुटे तमाम अखाड़ों के महंतों, संतों और क्षेत्र वासियों ने सर्वसम्मति से विधिवत पूजा अर्चना उपरांत चादर विधि के द्वारा भगवान गिरि महाराज को प्राचीन बोंडा शिव मंदिर बाजपुर का महंत बनाया। इस मौके पर महंत शंकर गिरि महाराज बागेश्वर अखाड़ा, महंत पुष्कर राजगिरि महाराज बागेश्वर अखाड़ा, महंत कैलाश गिरि महाराज, महंत सुन्दर गिरि महाराज, महंत सूरज गिरि महाराज काठगोदाम, महंत राजेन्द्र गिरि महाराज बिन्दुखत्ता, महंत कैलाश गिरि महाराज अल्मोड़ा, महंत भगवान गिरि महाराज रामनगर, सचिव महंत मंसा पुरी हरिद्वार, महंत विमल गिरि हिमाचल प्रदेश, महंत उमेश पुरी महाराज रामपुर, महंत कोठारी महाकाल गिरि महाराज हरिद्वार, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग, निरंजन दास गोयल, प्रेम यादव, दिनेश शर्मा, राजकुमार गोयल, संजीव बंसल 'टिन्ना, अरूण कालिया 'विक्की', हरीश भट्ट, सुनील पाण्डेय, मदन शर्मा, रमेशनाथ एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका की पहली बोर्ड बैठक में शहर के विकास को लेकर लिए गए कई निर्णय

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। नगर पालिका बोर्ड की पहली बैठक में शहर के बहुमुखी विकास के लिए रूपरेखा तैयार की गई । बोर्ड में चर्चा के बाद पांच प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किए गए। नवनियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद ने कहा कि जसपुर को उत्तराखंड का नंबर वन नगर पालिका बनाने के लिए मिलजुल कर अभूतपूर्व प्रयास किए जाएंगे। पालिका सभागार में मोहम्मद नौशाद की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक शुरू हुई। इस दौरान आवासीय एवं व्यवसायिक भवन के बैनामे पर लगने वाले 1 प्रतिशत शुल्क को समाप्त कर नई योजना को सर्वसम्मति से पास किया गया। आवासीय पर 10 लाख और कमर्शियल भवन पर 15 लाख तक कोई बैनामा शुल्क नहीं लगेगा। तय धनराशि से अधिक पर दो प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। पांच पार्कों के निर्माण और उनके सुधारीकरण समेत IHSDP योजना के तहत 84 भवनों के धन आवंटन को डीपीआर शासन को भेजी जाएगी। लकड़ी मंडी और तहसील परिसर में आधुनिक शौचालय बनाए जाएंगे। पालिकाध्यक्ष के कार्यालय कक्ष का निर्माण एवं उसके ऊपर स्टोर बनाया जाएगा। बोर्ड बैठक के बाद वार्ड-13 के सभासद शहजाद ने बताया कि बोर्ड बैठक से पहले ही पालिका प्रशासन ने बिना अनुमोदन के ठेकेदारों को निर्माण कार्य का 1.5 करोड रुपये का भुगतान कर दिया। इस पर अन्य सभासदों ने भी अपनी नाराजगी जताई। सभासदों के विरोध के बाद अगली बोर्ड बैठक से पहले भुगतान संबंधी अभिलेख सभासदों को उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। बैठक में ईओ शाहिद अली, मोइनुद्दीन, शहजाद, मेहनाज, रूपा देवी, नीरज, सुधीर बिश्नोई, अलाउद्दीन आदि मौजूद थे।

एसडीएम ने किया गौशाला का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। ग्राम लखनपुर में श्री राधेकृष्ण गौ सेवा सदन ट्रस्ट (रजि.) बाजपुर द्वारा संचालित गौशाला का एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में शरणागत गौवंश को मानकों के अनुसार रखने के निर्देश दिए। यहां बता दें कि लखनपुर गौशाला में 1141 गौवंश शरणागत हैं।

हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे कांवड़ियों से मिलने पहुंचे एसएसपी

- पंडालों में पहुंच जाना कुशलक्षेम, परेशानियों का मौके पर किया निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने काशीपुर से खटीमा तक कांवड़ यात्रियों के पंडालों में स्वयं पहुंचकर उनका कुशल क्षेम जाना तथा कावड़ियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया।

कांवड़ यात्रा के शुरुआत से ही एसएसपी द्वारा कावड़ियों की हर संभव मदद की जा रही है। एसएसपी द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों हेतु यातायात व्यवस्था, सुरक्षा तथा हर संभव सहायता किए जाने हेतु भी निर्देश दिए गए थे। एसएसपी ने स्वयं कांवड़ियों के बीच पहुंचकर शिव भक्तों को फल एवं जूस वितरित किए।

ऊधम सिंह नगर पुलिस की मददगार छवि देख शिव भक्तों ने लगाए जयकारे तथा अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया। वर्तमान में गतिमान कांवड़ मेला 2025 के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को कावड़ यात्रियों के लिए सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था के समुचित प्रबंध एंव श्रद्धालुओं की हर सम्भव सहायता की जा रही है।

ऊधम सिंह नगर पुलिस की मददगार छवि तथा यात्रा व्यवस्था की कावड़ियों के द्वारा बहुत प्रशंसा की गई एवं आभार व्यक्त किया गया।

बाजपुर नगर के बाहर से निकाला जाए बाइपास: गुरजीत सिंह 'गित्ते'

- लाल निशानों के विरोध में मुंडिया के वाशिंदों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बाईपास निर्माण को लोक निर्माण विभाग द्वारा ईदगाह चौराहे से मुंडिया होते हुए नन्दपुर नरका टोपा तक लगाए गए लाल निशानों के विरोध में मुंडिया के वाशिंदों ने चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' की अगुवाई में एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। वहीं चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' ने बाईपास को बाजपुर नगर के बाहर से निकालने की बात कही।

उन्होंने कहा कि ईदगाह चौराहे से मुंडिया होते हुए नन्दपुर नरका टोपा तक 40 फुट पर लाल निशान लगाए गए हैं। जिससे तमाम आवास और व्यवसायिक भवन प्रभावित होंगे और आम जन को तमाम असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रोड की चौड़ाई पूर्व की भांति रखे जाने की मांग की है। इस मौके पर सभासद मो. इमरान, शमशेर अली, सादक हुसैन, निसार अहमद, मुन्ने खां, हामिद खां, अतीक, वसीम, वाजिद अली, विवेक पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

एसडीएम और तहसीलदार ने किसानों से की अपील

- बिना अनुमति के नहीं करेगें ग्रीष्मकालीन धान की बुआई
- भूमि सर्वे की जांच करने के लिए दी जाएगी अनुमति
- ग्रीष्मकालीन धान से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में किया किसानों को जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। क्षेत्र में गिरते भूजल स्तर से चिंतित एसडीएम डा. अमृता शर्मा व तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट ने कहा कि ग्रीष्मकालीन धान बिना अनुमति के नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने कृषि विभाग, ग्राम्य विकास और लेखपालों के साथ ग्राम महोली जंगल, केशोवाला, लखनपुर, खमरिया इत्यादि क्षेत्रों का भ्रमण कर ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में अन्य फसल लगाने के लिए किसानों को जागरूक व प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कोई किसान बंधु बिना अनुमति के ग्रीष्मकालीन धान की बुआई नही करेंगे। बिना अनुमति के ग्रीष्मकालीन धान की बुआई करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। जिन किसानों के ग्रीष्मकालीन धान की बुआई करने के लिए आवेदन आए हैं उनकी भूमि सर्वे की जांच करने के लिए अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन धान की खेती करने से भू-जल स्तर गिर रहा है और पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। उन्होंने ग्रीष्मकालीन धान से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में किसानों को जागरूक किया। और बिना अनुमति के लगाई गई ग्रीष्मकालीन धान की फसल को नष्ट भी कराया गया।

सहकारी समितियां में जीते हुए प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारी ने नहीं दिए प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने को लेकर चुनाव जीते प्रत्याशियों ने किया जमकर हंगामा

- जीतने वाले सभी प्रत्याशियों में आक्रोश क्यों नहीं मिला प्रमाण पत्र
- हाईकोर्ट के आदेश आने का जीते हुए प्रत्याशियों को बेसब्री से इंतजार

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बहुउद्देशी किसान सेवा सहकारी समितियों में हुए चुनाव में जीतने वाले प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारियों द्वारा प्रत्याशियों को जीत के प्रमाण पत्र नहीं दिए गए। जिसको लेकर सभी प्रत्याशियों ने जमकर हंगामा किया। उनसे कहा गया था कि कल तुम्हें प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

आज मंगलवार सुबह चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी जब अपना प्रमाण पत्र लेने के लिए गए तो निर्वाचन अधिकारी शेर सिंह ने कहा हाईकोर्ट नैनीताल के आदेश ने रोक लगा दी गई है। अग्रिम आदेश आने पर ही कार्रवाई की जाएगी। जिसको लेकर जीतने वाले सभी प्रत्याशियों ने आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब प्रत्याशियों को जीतने के बाद भी प्रमाण पत्र नहीं देने थे तो चुनाव क्यों कराए गए। कोर्ट को चुनाव रोकने के लिए पहले ही आदेश दे देना चाहिए था। बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समितियां में चुनाव जीतने वाले प्रत्याशियों को डर सता रहा है कि हाईकोर्ट द्वारा चुनाव दोबारा कराने के आदेश दे सकता है। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह यादव ने कहा जब हाईकोर्ट में मामला विचार दिन था तो सरकार को सहकारी समितियां में चुनाव नहीं कराने चाहिए थे, यह उन प्रत्याशियों के साथ धोखा किया गया है। जब सरकारी समितियां में सभी प्रत्याशी चुनाव जीते हैं, प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र देने चाहिए। हाईकोर्ट के आने वाले आदेश का जीते हुए सभी प्रत्याशियों को बेसब्री से इंतजार है।

दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन व समाचार के लिए संपर्क करें।
9759273715
rudrapurst2020@gmail.com

चांदनी जोन के विरोध में ग्रामीणों ने की महापंचायत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। तराई पश्चिम वन प्रभाग बेलपड़ाव रेंज में प्रस्तावित चांदनी जोन के विरोध में ग्रामीणों ने एक बार फिर महापंचायत कर जोन को किसी भी दशा में नहीं खोलने देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि तराई पश्चिम वन प्रभाग को चाहिए कि ग्राामीणों की मांग मानते हुए जोन का प्रस्ताव का रद्द कर दे नहीं तो ग्रामीण आंदोलन के जरिए इस प्रस्ताव को रद्द करवाकर ही मानेंगे। उन्होंने चांदनी जोन को रद्द करने के लिए एक ज्ञापन मुख्य वन संरक्षक कुमाऊं को भेजा है।

मंगलवार को ग्राम पंचायत टेढ़ा में चांदनी जोन के विरोध में हुई महापंचायत में कई गांव की महिलाएं, पुरुष व युवा शामिल रहे। महापंचायत की अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक व कृषक रघुवर दत्त बलोदी की अध्यक्षता में हुई। इस महापंचायत को प्रेम चंद्र जोशी,जयपाल सिंह रावत, निवर्तमान उप प्रधान आनंद सिंह, संजय सती, नवीन उपाध्याय, वरिष्ठ नागरिक ईश्वरी दत्त, डॉक्टर त्रिशांत, नवीन चंद भट्ट, ललिता रावत, नरेंद्र शर्मा आदि ने संबोधित किया। कहा कि ग्रामीण लगातार जोन का विरोध कर रहे हैं। जब तक ग्रामीण की सुरक्षा व ग्रामीणों के वन अधिकार के क्रम में चांदनी सफारी जोन का प्रस्ताव रद्द नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पूर्व प्रधान नवीन चंद भट्ट ने बताया कि पर्यावरण रक्षा जीवन सुरक्षा के लिए रामनगर क्षेत्र में नई सफारी जोनों को नहीं खुलने दिया जाएगा और पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित किए जाने के इन प्रयासों को सफल नहीं होने दिया जाएगा। लोगों ने कहा कि चांदनी जोन के लिए लगातार आंदोलन होगा। डीएफओ तराई पश्चिमी वनप्रभाग के घेराव कार्यक्रम में भी ग्रामीण भारी संख्या में शामिल होंगे। ग्रामीणों की सुरक्षा व वनाधिकार से जुड़े आंदोलन में स्थानीय विधायक व सांसद पर अनदेखी का आरोप भी लगाया।

कहा कि किसी भी दशा में गांव के लोग चांदनी जोन को खोलने नहीं देंगे। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह व अनिल कुमार ने किया। इस दौरान श्यामा देवी, आशा देवी, सुनीता, कमला, चंद्रा देवी, सरस्वती देवी, प्रभा देवी, रजनी भट्ट,मंजू देवी, संतोषी देवी, शाखा देवी, जसराम, प्रेम सिंह, देवेंद्र आर्य, जगत सिंह, कृपाल सिंह, आनंद सिंह नेगी, देवेंद्र सिंह, भगत सिंह आदि मौजूद रहे।

पोस्टर तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। राजकीय महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में विभागीय परिषद् के तत्वाधान में डा. मीनाक्षी जोशी द्वारा पोस्टर तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा बढ़ चढ़कर कर प्रतिभाग किया गया। मंगलवार को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अनुपमा तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में मेधा पन्त, आकाक्षा फर्तयाल , मुस्कान कोहली ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा भाषाण प्रतियोगिता में इरम खान, निकिता जोशी, विक्रम सिंह ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में डा. अब्दुल शाहीद, डा.सुषमा मक्कड़, डा. ब्रहमानद, डा. विजय डालाकोटी,डा. होशियार सिंह एवं डा. चेतन जोशी निर्णायक भूमिका में रहे। विशेष स्थान लाने वाले बच्चों को महाविद्यालय की प्राचार्य अनुपमा तिवारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बच्चों को दीनी व दुनियावी इल्म की दौलत देना जरूरी: नईमी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। इल्म इंसान के किरदार की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए हमें खुद व अपनी औलादों को दीनी व दुनियावी इल्म की दौलत जरूर देनी चाहिए, मगर ख्याल रखे कि इल्म का इस्तेमाल गलत नहीं होना चाहिए। इस्लामिक नॉलेज कम्पटीशन में बतौर चीफ गेस्ट यह विचार शहर काजी व पेश इमाम गुलाम मुस्तफा नईमी ने व्यक्त किए।

मौहल्ला बम्बाघेर-पुरानी आबकारी मे ख्वाजा मिनी पार्क मे संपन्न हुए बच्चों के इस्लामिक नॉलेज कम्पीटशन में मदरसा दारुल मदीना के संचालक सैय्यद हाफिज फरीद के मदरसों छात्रों के द्वारा इस्लामिक इतिहास के संदर्भ मे सवाल-जबाब व नात शरीफ एवं ड्राईंग कम्पीशन कराया गया। जिसमे सीनियर वर्ग में अयान हुसैन फर्स्ट, अर्श सेकेंड, अल्फेज व रुहान थर्ड, सुभान व फाइज फोर्थ स्थान पर रहे व प्रोग्राम को सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मो.फाइज सैफी, अयान, हुसैन, अल्फेज, सुब्हान को विशेष सम्मान से नवाजा गया। इस मौके पर नारी शक्ति व बाल विकास सोसायटी की अध्यक्षा शबाना सैफी व सचिव फैजुल हक की तरफ से प्रोग्राम के आयोजक सैय्यद फरीद व डा. जफर सैफी सहित मेहमान उलेमाओ व विजेताओं को शील्ड व मैडल देकर उनकी होंसला अफजाई की गई। इस दौरान शहर काजी गुलाम मुस्तफा नईमी, बिलाली मस्जिद के इमाम कारी अफजाल, छप्पर वाली मस्जिद के इमाम कारी आरिफ, जामा मस्जिद के मौज्जिम हाफिज मुजफ्फर सैफी, हाफिज सुलेमान, जामा मस्जिद सदर शकील खान, डा. जफर सैफी, एडवोकेट फैजुल हक, डॉ. अतीक वारसी, शहजाद हुसैन, उर्बेदुर्रहमान अंसारी, दूल्हाजान, जुबैर बाबा, सद्दीम अंसारी, नावेद सैफी, तहसीन रजा, तौकीर अंसारी, सबूर अंसारी, गौरी सैफी, नसीम फरीदी, आमिर अंसारी, नासिर खान, आकिल अंसारी, अनीस टेलर, आकिब अंसारी, नौशाद हुसैन आदि मौजूद रहे।

एक नजर

विधायक ने शिव चालीसा व प्रसाद भेंट कर किया कावरियों का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विधायक शिव अरोरा ने हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे शिवभक्त कावरियों का जगह-जगह स्वागत कर शिव चालीसा के कैलेंडर व प्रसाद भेंट किया।

विधायक शिव अरोरा ने जाफरपुर प्रेम आश्रम, रम्पुरा, महतोष मोड़, सामिया गेट, ग्रीन पार्क मोड़ पर कावरियों से भेंट कर उनका हाल जाना व उनकी सकुशल यात्रा हेतु महादेव से कामना की। विधायक शिव अरोरा बोले महाशिवरात्रि के पर्व पर चारों ओर भोले की फौज नजर आ रही है। हरिद्वार गंगाजल लेने हेतु प्रतिवर्ष लाखों लोग आस पास के क्षेत्रों से जाते हैं। महाशिवरात्रि का यह पवित्र पर्व जिसमे आस्था में डूबे हर भक्त कावड़ लेकर आते हैं। विधायक ने क्षेत्रवासियो को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इस दौरान जगदीश तनेजा, सुरेश कोली, सुनील यादव, धीरेश गुप्ता, मयंक कक्कड़, बिट्टू मिश्रा, श्यामचरण व अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष पद के उम्मीदवार/ दावेदार सूची जारी होने की प्रतीक्षा में

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। भाजपा संगठन के राज्य में चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सबसे पहले मंडल अध्यक्षों का चुनाव होना है। यह प्रक्रिया लगभग दो माह से चल रही है, जिसमें उधम सिंह नगर जिले के जसपुर मंडल के मंडल अध्यक्षों की सूची जारी नहीं हुई है। महुआडाबरा भरतपुर - मेघावाला व नगर मंडल पर अध्यक्ष चुने जाने हैं। दावेदारों की कसौटीयों को परखने के लिए पर्यवेक्षकों ने वार्ड अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रभारी, मंडल अध्यक्षों के साथ रायशुमारी भी कर ली थी। जसपुर में महुवाडाबरा, मेघा वाला-भरतपुर और जसपुर नगर मंडल आते हैं। वर्तमान में गौतम गिरी महुआडाबरा , राजकुमार गुंबर भरतपुर -मेघा वाला तथा राजकुमार सिंह नगर मंडल के अध्यक्ष हैं। महुआडाबरा से मनप्रीत सिंह लाडी, शुभम चौहान, पंकज कुमार भरतपुर -मेघा वाला मंडल से राजकुमार गुंबर, सतपाल, रेखा तिवारी, हरप्रीत सिंह तथा सबसे अधिक नगर मंडल से राजकुमार सिंह, विशाल कश्यप, अभिषेक, दीपक राणा, अंकुर सक्सेना, कमल कुमार, विमल अग्रवाल व अनीता पवार ने मंडल अध्यक्ष के लिए दावेदारी की है। सूत्रों के मुताबिक इन सभी दावेदारों की किस्मत का फैसला मंगलवार या बुधवार को हो सकता है। मंडल अध्यक्ष चुने जाने के बाद 28 फरवरी को भाजपा जिला अध्यक्ष का चुनाव होना है, इसके लिए मंडल अध्यक्ष वोटिंग करेंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्षों का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्ष लोहाघाट नगर गिरीश कुंवर और बाराकोट मण्डल के नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्ष राकेश बोहरा को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनका भव्य स्वागत किया और मिठाइयां बांटी। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन जोशी, जिला अध्यक्ष निर्मल महरा, महेश बोहरा, दीपक जोशी, सूरज कुमार, सुभाष बगौली, बलवंत गिरी, राजेंद्र प्रसाद, नवीन बोहरा, भुवन बहादुर, अर्जुन मेहरा, लोहित खोलिया, मोहन पाटनी, मोहन फर्त्याल, गोविंद वर्मा, चंद्रशेखर बगौली, मयंक पुनेठा, योगेश मेहता, विनोद बगौली, पंकज ढेक, आनन्द राय, नीरज बोहरा, दीपकमल गहतोड़ी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने तीन जुआरियों को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ सार्वजनिक स्थानों पर छापामार कार्यवाही करते हुए तीन जुआरियों को पकड़कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कार्यवाही के दौरान कुछ जुआरी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि पुलिस को खबर मिली की रेलवे मैदान में बड़े पैमाने पर जुए के कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर छापामार कार्यवाही करते हुए जहीर अहमद पुत्र अमीर अहमद निवासी वाहिदनगर बिजनौर, नौशाद पुत्र मो. सत्तार निवासी गैस गोदाम ऊटपंड़ाव,भूरा पुत्र शौकत अली निवासी मोती मस्जिद,रेलवे मैदान से दबाचकर उनके कब्जे से 10,100 रुपये की नगदी के साथ पकड़ने में सफलता प्राप्त की। जबकि इस दौरान कुछ जुआरी झाड़ियां का फायदा उठाकर पुलिस को देखकर मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस टीम में कोतवाली के एसएसआई द्वितीय मनोज नयाल, एसआई जोगा सिंह, नसीम अहमद, महबूब आलम, ललित नेगी, बृजपाल सिंह शामिल रहे।

विकासखंड की विभिन्न केंद्र पोषित योजनाओं का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार की सीआरएम टीम द्वारा केंद्र पोषित योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा की। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न केंद्र पोषित योजनाओं व कार्यक्रम की समीक्षा हेतु सातवें कामन रिव्यू मिशन सीआरएम टीम सदस्य महिपाल सिंह (इंडियन इकोनॉमिक सर्विस सेनी), उमां स्वामी नाथन सेवा संस्थान द्वारा विकास खंड के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर योजनाओं की समीक्षा की। टीम के पहुंचने पर खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र सिंह कन्याल ने स्वागत किया। सीआरएम टीम द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रूबन मिशन योजना में हैंडलूम यूनिट तथा मूंज घास उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यरत महिलाओं से वस्तुओं के उत्पादन तथा विपणन के संबंध में जानकारियां ली और उन्हें आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान बीडीओ रुद्रपुर असित आनंद, कमल किशोर पांडे प्राचार्य ईटीसी देहरादून, संदीप कुमार वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, डीटीई सौरभ सक्सेना, सौरभ यादव , सुंदर सिंह बसेड़ा, कृष्णपाल सैनी, ब्लॉक मिशन प्रबंधक तौफिक,गिरीश जोशी, वासुदेव सिंह, तनुज धामी आदि मौजूद थे।

सहकारी समितियों के संचालक पद चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। सहकारी समितियां संचालकों के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गए हैं। क्षेत्र में तीन सहकारी समिति हैं, जिनमें उत्तरी सेवा सहकारी समिति, दक्षिण किसान सेवा सहकारी समिति, फीकापार सहकारी समितियों में चुनाव प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्वक संपन्न हुए। इसके बाद शाम 8:00 बजे चुने गए संचालकों को जीत के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

विदित हो कि फीकापार सहकारी समिति में 11 वार्ड संचालकों में से 7 वार्ड निर्विरोध चुने गए थे, जिसमें से चार संचालक पदों पर ग्राम धर्मपुर, पूरनपुर, गूलरगोजी, उमरपुर में संचालक पद के लिए चुनाव हुए चुनाव परिणाम में धर्मपुर में संचालक पद पर खेम सिंह, पूरनपुर में लोकेश कुमार, गुलरगोजी में मनीषा देवी एवं उमरपुर में ऋषि पाल सिंह संचालक चुने गए। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी मुरलीधर उपाध्याय और समिति एमडी अरुण चौधरी द्वारा चुने गए सभी 11 संचालकों को जीत का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। चुनाव प्रक्रिया में जसपुर फीका पर सहकारी समिति के डा. अरुण चौधरी, सुरेंद्र पाल सिंह, सुमित कुमार, विनय कुमार, कपिल कुमार, यजेन्द्र कुमार, आसिम शाह, मुस्तफा अली, चुनाव अधिकारी एके उपाध्याय, गोपीचंद वाजिद अली, अतीक अहमद, राजवीर चौधरी, दिलीप कुमार, संजीव कुमार, प्रमोद पांडे मौजूद रहे।

विधानसभा सत्र में पालिका कर्मियों के नियमतिकरण की मांग उठाने पर विधायक का कर्मचारियों ने किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। विधानसभा सत्र के दौरान नगर पालिका के कर्मचारी के नियमितीकरण का मुद्दा उठाने पर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार की अगुवाई में तमाम कर्मचारियों ने विधायक तिलकराज बेहड़ को पगड़ी पहना कर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया।

विधायक तिलकराज बेहड़ द्वारा विधानसभा सदन में निकायों में तैनात कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा उठाते हुए शसमस्त निकायों से ठेका प्रथा को समाप्त किया जाने पर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार की अगुवाई में तमाम कर्मचारियों ने विधायक कार्यालय पर पहुंचकर विधायक बेहड़ को पगड़ी पहना कर तथा शाल ओढ़ाकर का स्वागत एवं अभिनंदन किया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि विधायक बेहड़ ने देहरादून में बजट सत्र में नियम 300 की सूचना के अंतर्गत निकायों में तैनात कर्मचारियों के विषय में अपनी बात रखते हुए कहा कि उत्तराखंड के अंदर निकायों में तैनात संविदा / आउटसोर्स / मोवस्ववसमिति/ दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारी बीते 15-20 वर्षो से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं इनको नियमित नहीं किया जा रहा है। पूर्व में कर्मचारी लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर मुखर है तथा आंदोलित भी रहे है। निदेशक शहरी विकास निदेशालय उत्तराखंड के पत्रांक-4382 दिनांक 30 नवम्बर 2024 के द्वारा प्रदेश की समस्त निकायों में शासन की बिना अनुमति के कार्यरत संविदा/ आउटसोर्स/ समिति/ दैनिक वेतन पर तैनात कर्मचारियों को चिन्हित कर हटाए जाने हेतु समस्त निकायों को आदेशित किया गया है, जबकि निकायों ने उक्त कर्मचारियों को शहर की सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, तथा कार्यालय की आवश्यकता को देखते हुए सम्मानित पालिका बोर्ड की सहमति से रखा गया था। निकायों के पुनगठित ढांचा दिनांक 12-06-2015 में स्वीकृत पद के इतर किसी भी पद पर की गई नियुक्ति को शासन द्वारा अवैध माना जा रहा है, जबकि उक्त कर्मचारी 15-20 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। इस प्रकार के शासनादेशों से कर्मचारियों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है और कर्मचारियों व उनके परिवारों को नौकरी जाने का भय सता रहा है। समस्त निकायों में जिन कर्मचारियों को निरन्त कार्य करते 10 वर्ष हो गए हैं, वे कर्मचारी नियमितीकरण के श्रेणी में आते हैं, ऐसे कर्मचारियों का विनयमितीकरण किया जाए तथा समस्त निकायों से ठेका प्रथा को समाप्त किया जाए। विनोद कुमार ने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार ही समस्त निकायों में कर्मचारी नियुक्त हैं, जबकि वर्तमान में जनसंख्या अत्यधिक बढ गई है,निकायों में कर्मचारियों की संख्या वर्तमान की जनसंख्या को देखते हुए बढ़ाई जाए और नई भर्तियां की जाय। विधायक बेहड़ द्वारा उठाई गई कर्मचारियों की मांग पर इसी कड़ी में कर्मचारियों ने विधायक बेहड़ का स्वागत अभिनंदन किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मंगलवार को पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में इतिहास विभाग के द्वारा इतिहास परिषद में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर बीएम पांडे, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग ने 'इतिहास सबका और सभी के लिए' विषय पर छात्र-छात्राओं को ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एमसी पांडे ने इतिहास विभाग को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई दी। छात्र-छात्राओं को एक विषय के रूप में इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। विभाग प्रभारी डा. शरद भट्ट ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डा. शरद भट्ट ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर एसएस मौर्य, डा. सुरेश चन्द्रा, डा. जेपी त्यागी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

महेन्द्र ठकुराठी एवं डा. पवनेश ठकुराठी उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा होंगे सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। उत्तराखंड भाषा संस्थान देहरादून द्वारा कुमाउनी साहित्यकार महेन्द्र ठकुराठी और इनके सुपुत्र डॉ. पवनेश ठकुराठी को वर्ष 2024 के उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान के लिए चयनित किया गया है।

संस्थान की निदेशक स्वाति एस. भदौरिया द्वारा भेजे गए पत्रों के माध्यम से इस बात की पुष्टि की गई है कि महेन्द्र ठकुराठी को वर्ष 2022 में प्रकाशित उनके कुमाउंनी कहानी संग्रह 'हिमुलि परफाम' के लिए उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान के तहत बहादुर बोरा पुरस्कार और डा. पवनेश ठकुराठी को नवोदित साहित्य उदयमान सम्मान के तहत गिरीश तिवारी 'गिर्दा' पुरस्कार से नवाजा जाएगा। बहादुर बोरा पुरस्कार के अंतर्गत एक लाख तथा गिरीश तिवारी शगिर्दाश पुरस्कार के अंतर्गत पचास हजार रुपयों की धनराशि के साथ सम्मान चिन्ह, सम्मान पत्र और अंगवस्त्र का अंतर्भाव है।

उपरोक्त पुरस्कार आगामी तीन मार्च 2025 को आईआरडीटी सभागार, सर्वे चौक देहरादून में आयोजित एक अलंकरण समारोह में दिए जाएंगे। इस कार्यक्रम में सुभाष पंत को उत्तराखंड साहित्य भूषण पुरस्कार, गोपाल दत्त भट्ट को गुमानी पंत पुरस्कार, शशिभूषण बडोनी को महादेवी सम्मान और मोहन जोशी को शेर सिंह बिष्ट अनपढ़ पुरस्कार समेत कई अन्य पुरस्कार दिए जाने हैं। ज्ञातव्य है कि महेन्द्र ठकुराठी और डॉ. पवनेश ठकुराठी विगत कई वर्षों से हिंदी व विशेष रूप से कुमाउंनी भाषा साहित्य के क्षेत्र में अनवरत रूप से काम कर रहे हैं। इनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। अनेक पत्र-पत्रिकाओं में इनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती हैं। कुमाउनी कहानी, कविता, व्यंग्य, नाटक, संस्मरण, समालोचना, जीवनी और बाल साहित्य विधाओं में नियमित रूप से ये कलम चला रहे हैं। अनेक संस्थाओं द्वारा इन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है।

कोर्ट से फरार चल रहे आरोपी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। चेक बाउंस के मामले में कोर्ट से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहल्ला इंदिरा कॉलोनी निवासी पंकज तिवारी पुत्र भुवन चंद तिवारी काफी लंबे समय से चेक बाउंस के मामले में कोर्ट से फरार चल रहा था। आरोपी के वारंटी आदेश जारी होने के उपरांत पुलिस ने 138 एनआई एक्ट के आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्यवाही की है।इस दौरान पुलिस टीम में महिला एसआई राजकुमारी, कांस्टेबल मो राशिद शामिल रहे।

दस्तावेज लेखक और स्टाम्प विक्रेताओं ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। दस्तावेज लेखक स्टाम्प विक्रेता अराजयनवीस एसोसिएशन रामनगर ने विभिन्न मामलों को लेकर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए उप जिला अधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा है।

मंगलवार को भेजे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पेपरलैस रजिस्ट्रीकरण के नीति पर रोक लगाये जाने एवं यूसीसी अंतर्गत कार्य को सीएससी सेंटर से हटाकर अधिवक्ता, दस्तावेज लेखको, अराजयनवीस एवं स्टाम्प विक्रेता के आईडी बनाए जाने की मांग की। कहा कि सरकार द्वारा पेपरलैस रजिस्ट्रीकरण की नीति एवं समान नागारिक संहिता 2025 लागू होने के बाद अधिवक्तागण, दस्तावेज लेखक, अराजयनवीस एवं स्टाम्प विक्रेता के व्यवसायिक कार्य पर इसका प्रभाव पड़ेगा, जिससे इस कार्य से जुडे हम लोगों के कार्य पर आर्थिक संकट पड़ेगा और हम लोग बेरोजगार हो जाएंगे। वसीयत व विवाह पंजीकरण के कार्य से हमें बाहर कर दिया गया है। कहा कि भारत सरकार और उत्तराखण्ड सरकार पेपरलैस वर्चुवल रजिस्ट्री करने जा रही है, जिससे इस कार्य से भी प्रदेश के हजारों अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, अराजयनवीस एवं स्टाम्प विक्रेताओं को सरकार बाहर ना कर दे। इसलिए हम सरकार से मांग करते है कि यूसीसी वैब साईड से सीएससी सेन्टर की आईडी को हटाकर उनके स्थान पर प्रदेश के अधिवक्ता, दस्तावेज लेखको, अराजयनवीस एवं स्टाम्प विक्रेताओं की आईडी बनाई जाए। विवाह पंजीकरण व वसीयत पंजीकरण के कार्य पूर्व की भांति अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों के माध्यम से की जाए। इस दौरान ललित तिवारी, अजय गोयल, एडवोकेट फईम चौधरी, रईस आलम, पंकज कुमार, राशिद, मोहम्मद यूनुस, विनोद अनजान, हिम्मत राम, संजय कनोजिया, राजेश गर्ग, हिमांशु टम्टा, रणजीत कुमार, वीरेंद्र सिंह, अब्दुल कद्दूस, वीरेंद्र शर्मा, प्रीतम मेहरा आदि मौजूद रहे।

कार्यस्थल को सुरक्षित और समावेशी बनाने को लेकर किया जागरुक

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व कालागढ़ वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र कालागढ़ के सभागार में कार्यस्थल को सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम को लेकर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। यह सत्र कॉर्बेट वन्यजीव प्रशिक्षण केंद्र कालागढ़ में आयोजित किया गया। इसे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला के नेतृत्व और सहयोग से संपन्न किया गया।

इस सत्र में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।जहां पोश अधिनियम, नेतृत्व की भूमिका, पेशेवर व्यवहार और अनुचित आचरण के बीच की महीन रेखा और सुरक्षित कार्य संस्कृति के महत्व पर चर्चा की गई। सत्र में इंटरएक्टिव चर्चाएं, भूमिका निभाने के अभ्यास वास्तविक जीवन के केस स्टडीज, और वीडियो-आधारित लर्निंग को शामिल किया गया, जिससे यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक गहन और व्यावहारिक अनुभव बन गया। पार्क वार्डन अमित कुमार ग्वासिकोटी ने कार्यस्थल की सुरक्षा को उत्पादकता और मनोबल से जोड़ते हुए कहा कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व न केवल वन्यजीवों के लिए एक अभयारण्य है, बल्कि सैकड़ों समर्पित कर्मियों का कार्यस्थल भी है। एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। उप प्रभागीय वनाधिकारी, कालागढ़ बिन्दर पाल द्वारा अवगत कराया कि इस पहल के माध्यम से हम कार्यस्थल नैतिकता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को पुन: स्थापित कर रहे हैं।

अनामिका बुक्करवाल उप प्रभागीय वनाधिकारी सोनानदी कालागढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा पोश जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पोश की जागरूकता और समझ केवल अनुपालन के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास पर आधारित कार्य संस्कृति को विकसित करने के लिए भी आवश्यक है। शिप्रा वर्मा उप प्रभागीय वनाधिकारी अदनाला, कालागढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा अवगत कराया गया कि सुरक्षित कार्यस्थल न केवल उत्पादकता को बढ़ाता है, बल्कि टीम के मनोबल को भी ऊंचा करता है। कार्बेट टाइगर रिजर्व के उप प्रभागीय वनाधिकारी अमित कुमार ग्यासीकोटी, बिन्दर पाल, अनामिका बुक्करवाल एवं शिप्रा वर्मा द्वारा इसका अनावरण किया गया। यह गाइड कर्मचारियों और नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनेगा, जिससे वे कार्यस्थल सुरक्षा और अनुपालन को बेहतर ढंग से समझ सके। विशाल मसीन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पोश केवल एक कानूनी अनुपालन नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और जवाबदेही की संस्कृति को विकसित करने का विषय है।

इस दौरान अमित कुमार, बिन्दर पाल, अनामिका बुक्करवाल, शिप्रा वर्मा, हरेन्द्र बर्गली, भानु प्रकाश हर्बोला, उमेश चन्द्र आर्या, नवीन चन्द्र पाण्डे, नन्द किशोर रूवाली, मनीष कुमार, संजय पाण्डे, इन्द्र सिंह बिष्ट, प्रमोद त्रिपाठी, नवीन जोशी, विकास रावत, आशीष मोहन तिवारी, हरेन्द्र रावत, अजय रावत, अमोल ईष्टवाल आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत महुआडाबरा की समस्त नगर वासियों और शिव भक्तों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

महाशिवरात्रि

मास्टर प्रीतम सिंह
(नगर पंचायत चेयरमैन पति)

विस्थापन का प्लान पेश करे सरकार

काठगोदाम से मलिन बस्तियों को बिना नोटिस हटाए जाने पर हाईकोर्ट में सुनवाई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी से काठगोदाम तक हो रहे रोड चौड़ीकरण की जद में आए मलिन बस्तियों को बिना नोटिस दिए हटाए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ती आशीष नैथानी की खंडपीठ ने इन्हें विस्थापित करने के लिए राज्य सरकार से अगली तिथि तक अपना प्लान पेश करने को कहा है।

अब मामले की अगली सुनवाई मार्च माह में होगी। मामले के अनुसार हल्द्वानी निवासी अफताब आलम ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि हल्द्वानी से काठगोदाम तक राज्य सरकार की ओर से रोड का चौड़ीकरण करने के साथ साथ सुंद. रीकरण किया है जो कि अति उत्तम है लेकिन इसमें पड़ने वाले कुछ मलिन बस्तियों को निगम ने बिना नोटिस दिए हटा दिया गया जबकि यह कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध है। उनको हटाने से पहले उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए था, उसके बाद ही हटाना था। वर्तमान में उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया और उनके वर्षों पुराने मकानों को रोड चौड़ीकरण के नाम पर ढहा दिया गया। जनहित याचिका में हाईकोर्ट प्रार्थना की गयी है कि उन्हें अन्य जगह पर विस्थापित किया जाए।

पूर्व के आदेश पर कार्रवाई का जवाब दे सरकार

नैनीताल। हाईकोर्ट ने उत्तराखंड उपनल संविदा कर्मचारी संघ की अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए सरकार को पूर्व के आदेश पर की गई कार्यवाही के सम्बंध में जवाब देने के लिये 4 हफ्ते का समय दिया है। बता दे मंगलवार को हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में उत्तराखंड उपनल संविदा कर्मचारी संघ बनाम राधा रतूड़ी, मुख्य सचिव उत्तराखंड सरकार सम्बन्धी अवमानना वाद संख्या क्लोन 402/2024 की सुनवाई हुई। इस अवमानना याचिका में कहा गया है कि उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 2018 में संविदा कर्मियों को नियमित किये जाने के निर्देश दिए थे। जिसके खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर 2024 को सरकार की एसएलपी खारिज कर दी लेकिन सरकार द्वारा नियमितीकरण की कार्यवाही नहीं की गई। इस मामले उपनल संविदा कर्मचारी संघ की ओर से मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता जेएम शर्मा द्वारा पैरवी की गई जबकि मुख्य सचिव की ओर से शपथ पत्र दायर कर कहा गया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के सम्बन्ध में रिव्यू पिटीशन दायर की है। उनकी ओर से रिव्यू पिटीशन में फैसला आने तक अवमानना को स्थगित रखने की प्रार्थना की है। उपनल संविदा कर्मचारी संघ के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि रिव्यू दाखिल कर देने से आदेश की पालना नहीं रुक जाती। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद पूर्व के आदेश पर हुई कार्यवाही पर जबाव देने के लिए 4 सप्ताह का समय राज्य सरकार को दिया है। सुनवाई के दौरान उपनल कर्मचारी संघ के हाईकोर्ट के अधिवक्ता एमसी पंत द्वारा कोर्ट को यह अवगत कराया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी उपनल कर्मचारियों को हटाया जा रहा है।

दीपक मेहरा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष नियुक्त

नैनीताल। उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विकास नेगी ने नैनीताल निवासी दीपक मेहरा को सोशल मीडिया विभाग का नैनीताल जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। दीपक मेहरा की नियुक्ति पर पूर्व विधायक संजीव आर्य, पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल, पूर्व सांसद डक्त महेंद्र सिंह पाल, जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, पीसीसी सदस्य सतीश नैनवाल, गोपाल सिंह बिष्ट, प्रदेश सचिव गिरीश पपनै, नगर कांग्रेस कमेटी नैनीताल के अध्यक्ष अनुपम कबडवाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी, नगर महिला अध्यक्ष डा. भावना भट्ट, जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ कमलेश तिवारी, जिलाध्यक्ष यूथ सेवा दल कमल जोशी, जिला महामंत्री विरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रशासक ज्येष्ठ प्रमुख हिमांशु पांडेय, धीरज सिंह बिष्ट, कैलाश अधिकारी, बंटू आर्या, दीपक रूबाली, विनोद परिहार खुशी जताई है।

जच्चा-बच्चा को नहीं मिली 'खुशियों की सवारी'

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेहाल हैं। नैनीताल जिले में 13 खुशियों की सवारी होने के बाद भी जच्चा-बच्चा को सुविधा नहीं मिल पा रही। मंगलवार को भी राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद जच्चा बच्चा को सुविधा नहीं मिल पाई जिसके चलते जच्चा बच्चा समेत उनके परि. जनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बता दें कि नैनीताल जिले में 13 खुशियों की सवारी (102) एम्बुलेंस हैं, जो अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद जच्चा बच्चा को घर पहुंचाने का कार्य करती हैं लेकिन सरकार की ओर से यह सुविधा देने के बाद भी जच्चा बच्चा को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे लोगों को पैसा खर्च करने के साथ ही दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इधर बीडी पांडे अस्पताल में रविवार को एक गर्भवती महिला ने सामान्य प्रसव से बेटी को जन्म दिया। मंगलवार को बीडी पांडे अस्पताल से जच्चा बच्चा को छुट्टी दी गई। छुट्टी होने से पूर्व परिजनों ने 102 को कॉल कर खुशियों की सवारी बुलाई। जहां से उनका पूरा पता लिया गया साथ ही छुट्टी हो जाने के बाद दोबारा फोन करने की बात कही। जिस पर परि. जनों ने छुट्टी होने के बाद पांच बजे 102 के लिए दोबारा कॉल की लेकिन तब उन्होंने वाहन उपलब्ध न होने की बात कहकर सेवा देने से मना कर दिया, जिसके बाद परिजनों को शाम पांच बजे धारी क्षेत्र में जाने के लिए टैक्सी वाहन बुक करना पड़ा। मामले में सीएमओ डा. हरीश चंद्र पंत ने बताया कि जिले में 13 खुशियों की सवारी हैं। उस समय खुशियों की सवारी वहां मौजूद नहीं होगी शायद इसलिए उनको मना किया होगा।

पीटी टीचर ने बच्चे को जड़ा थप्पड़, मुंह सूज गया

चिकित्सकों ने हड्डी में चोट की आशंका जताई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम थाना क्षेत्र में स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा एक के एक छात्र को पीटी टीचर द्वारा थप्पड़ मारे जाने से उसका गाल सूज गया। चिकित्सकों ने बच्चे के मुंह की हड्डी में चोट की आशंका जताई है। घटना के बाद बच्चे के पिता ने काठगोदाम पुलिस को तहरीर सौंप दी है। बच्चे के पिता ने बताया कि उनका बेटा क्षेत्र के एक प्रसिद्ध स्कूल में कक्षा एक का छात्र है। किसी बात को लेकर स्कूल की दो महिला अध्यापिकाओं ने उनके बेटे को बुरी तरह से पीटा। इनमें एक कक्षाध्यापिका और दूसरी शारीरिक शिक्षा (पीटी) की अध्यापिका थी। पीटी टीचर ने बच्चे के गाल पर इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उसका गाल बुरी तरह सूज गया। घटना के बाद बच्चे के परिजन उसे तुरंत सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका मेडिकल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में गाल पर सूजन की पुष्टि हुई है, जबकि चिकित्सकों ने हढी में चोट की संभावना भी जताई है। काठगोदाम थानाध्यक्ष दीपक बिष्ट ने कहा कि मामले की शिकायत मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

6 विद्यार्थियों ने पास की नेट परीक्षा

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल के समाजशास्त्र विभाग के 6 विद्यार्थियों ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने में कामयाबी हासिल की है। बता दें इन मेधावी छात्रों में क्रमशरूकमलेश पांडे, मृणाल पांडे, रिया पांडे तथा यशपाल आर्य, विशाल पांडे तथा जागृति पंत शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस विशेष कामयाबी पर समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति जोशी समेत प्रो. अर्चना श्रीवास्तव, डा. प्रियंका नीरज रुबाली तथा डा. सरोज पाल. ीवाल सहित परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, डीएसडब्लू प्रो. संजय पंत, कुमाऊं विवि शिक्षक संघ (कूटा) के अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी समेत महासचिव डा.विजय कुमार समेत प्रो.नीलू लोधियाल, डा. दीपक, डा. संतोष कुमार तथा डा. दीपाक्षी जोशी ने बधाई दी है।

शिक्षा को सिर्फ डिग्री तक सीमित न रखें: प्रो. रावत

कुमाऊं विश्वविद्यालय में 'टॉपर्स कॉनक्लेव-2025'

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल द्वारा मंगलवार को टॉपर्स कॉनक्लेव-2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुविवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में एसएसजे विवि अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, एरीज के निदेशक डा. मनीष कुमार नाजा, और कुविवि आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. संतोष कुमार शामिल हुए। अपने संबोधन में कुविवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि यह उत्तराखंड में किसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पहला टॉपर्स कॉनक्लेव है। उन्होंने कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को प्रेरित करना, उनके विचारों को सुनना और शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मानित करना बताया। उन्होंने कहा यह टॉपर्स कॉनक्लेव केवल एक सम्मान समारोह नहीं है, बल्कि यह छात्रों की मेहनत, लगन और संकल्प का उत्सव है। प्रो. रावत ने छात्रों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को सिर्फ डिग्री हासिल करने तक सीमित न रखें, बल्कि समाज और राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए योगदान देने का संकल्प लें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा यूजी और पीजी छात्रों के लिए शोध पत्र प्रकाशित करने पर 25,000 रुपये की पुरस्कार राशि देने का निर्णय लिया गया है। अल्मोड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने छात्रों को समय प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण समय के महत्व पर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्म-प्रबंधन और समय का सही उपयोग आवश्यक है। साथ ही उन्होंने छात्रों को पुस्तकें पढ़ने की प्रेरणा दी और कहा कि यह उन्हें जीवन में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद करती हैं। एरीज के निदेशक डा. मनीष कुमार नाजा ने छात्रों को मेहनत, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने हिस्से का पर्यावरण संरक्षित करना चाहिए। इस अवसर पर, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. संतोष कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया और अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान, टॉपर्स छात्रों जैसे प्रतीक गोस्वामी, दीपक चंद्र, युक्ता अधिकारी, भानुप्रिया पाठक, गुलीका शेख और अन्य ने अतिथियों से संवाद किया और कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी के सदस्य डा. रीतेश साह ने किया। इस अवसर पर कुविवि के कुल सचिव डा. एमएस मन्द्रवाल, डीएसबी परिसर की निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, अधिष्ठाता विज्ञान प्रो. चित्रा पांडे समेत अन्य प्रमुख शख्सियतें उपस्थित थीं।

सरस्वती विहार में प्रवेश के लिए होड़

प्रवेश परीक्षा में 14 राज्यों, 3 अन्य देशों के छात्रों ने भाग लिया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार दुर्गापुर में सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा के लिए देश के 14 राज्यों और 3 अन्य देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयनित छात्रों को साक्षात्कार के लिए विद्यालय में आमंत्रित किया गया। बता दें इस चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों की साक्षात्कार प्रक्रिया निरंतर जारी है। विद्यालय प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रवार कक्षाश: साक्षात्कार के लिए आमंत्रित छात्र नियत तिथि पर अपना साक्षात्कार दे रहे हैं। अभी साक्षात्कार का तीसरा चरण चल रहा है अभी सात और चरण अभी शेष हैं। इस सेलेक्शन कमेटी में अतुल पाठक (मैथ), संजय (अग्रेंजी) तथा (समान्य ज्ञान), मनीष (विज्ञान) तथा अमित (फिजिकल) और विद्यालय के चिकित्सक और मनोवैज्ञानिक डा. पंकज शुक्ला सम्मिलित हैं। प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. ओम प्रकाश सिंह नेगी, प्रबन्धक अरूण कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष विपिन ने सभी चयनित छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके शैक्षणिक यात्रा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानाचार्य डा. सूर्य प्रकश ने चयनित छात्रों का विद्यालय में स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा हमें प्रतिभाशाली छात्रों को हमारे विद्यालय परिवार का हिस्सा बनते देखकर अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही हैं। हमें विश्वास है कि ये सभी छात्र यहां उत्कृष्ट शिक्षा और नैतिक मूल्यों के साथ अपने भविष्य संवारेंगे तथा देश के योग्य नागरिक बनेगें। मीडिया प्रभारी डा. माधव सनातनी तथा विपिन ने सभी चयनित छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके शैक्षणिक यात्रा के लिए मंगल. कामनाएं व्यक्त की हैं।

अधिवक्ता बसंत जोशी का लाईसेंस निलंबित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड बार कौंसिल ने हल्द्वानी के अधिवक्ता बसन्त जोशी के खिलाफ प्राप्त शिकायतों के आधार पर उनका अधिवक्ता लाइसेंस तीन माह के लिये निलम्बित किया है। निलम्बन की यह अवधि 21 नवम्बर 2024 से 6 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। उत्तराखंड बार कौंसिल के सदस्य सचिव की ओर जारी आदेश में कहा गया है कि हल्द्वानी निवासी एक वादी ने अधिवक्ता बसन्त जोशी के खिलाफ अधिवक्ता पेशे के विपरीत आचरण करने की शिकायत की थी। इस मामले में बार कौंसिल की अनुशासन समिति की रिपोर्ट जे आधार पर बसन्त जोशी का अधिवक्ता लाइसेंस 3 माह के लिये निलम्बित किया गया है। यह आदेश 21 फरवरी को जारी हुआ है।

'नशा नहीं रोज़गार दो'

उपपा का धरना, ज्ञापन सौंपा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। गुरूड़ाबांज में नशा नहीं रोजगार दो अभियान शुरू हो गया हैं। मंगलवार को अभियान के तहत उपपा समेत तमाम संगठनों ने धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नशे के खिलाफ लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। वहीं, एसडीएम के माध्यम से प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजा।

तहसील मुख्यालय में धरना प्रदर्शन में शाम करीब 04 बजे उपपा केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी ने कहा कि सरकार रोजगार देने के बजाय शराब की दुकानें खोल रही हैं। कहा कि बढ़ती बेरोजगारी के कारण लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही है। कहा कि सरकार प्रदेश में घर-घर शराब पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने बढ़ते हुए नशे के कारोबार, भ्रष्टाचार, मुनाफाखोरी और बेरोजगारी सहित तमाम बुराइयों के खिलाफ पूरे प्रदेश में जनांदोलन चलाने की चेतावनी दी है। वहीं, सरकार से काम के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करने की भी मांग उठाई। यहां शिवदत्त पांडे, पूरन लाल, सुरेश लाल, किशन, मनीषा, कौस्तुभानंद, बसंत खनी, बसंत राम, शंकर दत्त पांडे, शेर सिंह, नारायण राम, आनंद सिंह, मनोज कुमार, हेम सिंह, चंदन लाल समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

एक नजर

शारीरिक व्यायाम, स्वच्छता अभियान चलाया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सीएमबीएडीपी योजना के तहत जिला प्रशासन द्वारा प्रायोजित कुमाऊं मंडल विकास निगम द्वारा संचालित विकासखंड कनालीछीना के छात्रों के सात दिवसीय रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण के दूसरे दिन यानी मंगलवार को प्रात: कनालीछीना विकासखंड के 20 छात्रों ने शारीरिक व्यायाम और स्वच्छता अभियान चलाया। कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंधक (साहसिक पर्यटन) दिनेश गुरुरानी ने छात्रों को हिमालय बचाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई साथ ही कहा कि रीवर राफ्टिंग प्रशिक्षण के प्रत्येक दिन छात्र प्रशिक्षण के साथ-साथ पौधा रोपण भी करेंगे। उन्होंने कहा कि मंगलवार को छात्रों ने गुरना मंदिर परिसर में लगाए गए पौधों में पानी डालने के बाद पिथौरागढ़ के घाट बोतडी स्थित सरयू नदी में पेडलिंग व तैराकी सीखी व आपदा प्रबंधन की जानकारी ली। प्रशिक्षण देने वालों में पदम सिंह, राजेंद्र सिंह तथा वेद प्रकाश भट्ट शामिल रहे।

समस्याओं का निदान न होने से ग्रामीणों में रोष

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। विकास खंड ओखलकांडा के कई गांवों की ज्वलंत समस्याओं का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में खासा रोष बना हुआ है। पूर्व ग्राम प्रधान मदन सिंह नौलिया ने बताया कि विकासखंड ओखलकांडा के ग्राम सभा कूकना में विगत कई वर्षों से आपदा के कारण हो रहे नुकसान से कई काश्तकारों की भूमि एवं मकानों को खतरा बना हुआ था। नौलिया के मुता. बिक इस संबंध में क्षेत्रवासियों द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी थी जो आज सिंचाई विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा मौका किया गया और अभी तक हाई स्कूल कैड़ा गांव का उच्चारण और शिक्षकों की मांग और प्राथमिक उपचार हेतु स्वास्थ्य की मांग सुनकोट न्याय पंचायत के ग्राम कूकना में हार्टिकल्चर तथा वीडियो की नियुक्ति तथा देवली पहुंच मोटर मार्ग का लगभग 20 वर्षों से बजवालगांव सिंचाई योजना बंद पड़ी हुई है। इतना ही नहीं सोलर स्ट्रीट लाइट अभी तक विभागों के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है जबकि मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा समस्त ग्राम वासियों के साथ विकास भवन कार्यालय सभागार में शपथ ली गई थी यदि यथाशीघ्र उपरोक्त विषयों पर कार्यवाही नहीं की गई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

वाहनों की फिटनेस फीस वृद्धि की निंदा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौला खनन मजदूर संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने प्रेस को जारी बयान में राज्य सरकार द्वारा 15 साल पुरानी वाहनों की फिटनेस फीस बढ़ाए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि 15 साल पुराने वाहनों की फिटनेस फीस को 14 हजार रुपये से अधिक बढ़ाए जाने का निर्णय गौला से जुड़े वाहनों पर खासा असर डालेगा। बिष्ट ने बताया कि गौला खनन से जुड़े वाहन मालिक पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। इस फीस वृद्धि से उनका संघर्ष और भी बढ़ जाएगा और रोजगार छिन जाने से उनकी आर्थिक स्थिति और खराब होगी। श्री बिष्ट ने सरकार से मांग की कि फिटनेस फीस को घटाया जाए या फिर गौला से जुड़े लोगों के लिए कोई वैकल्पिक रोजगार प्रदान किया जाए।

स्वदेशी AI का निर्माण ज़रूरी

देश की गोपनीयता, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक: पाण्डेय

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। आईटी एक्सपर्ट तथा कंटेंट राइटर केके पाण्डेय ने कहा है कि भारत वर्तमान में तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रहा है। कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का विकास वैश्विक स्तर पर हो रहा है लेकिन इसका भारतीय परिप्रेक्ष्य में विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए जाने वाले कदम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पाण्डेय ने कहा कि भारत की सामा. जिक तथा भौगोलिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि को देखते हुए स्वदेशी एआई का निर्माण न केवल हमारी तकनीकी स्वतंत्रता को सशक्त करेगा बल्कि यह हमारी गोपनीयता, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा शिक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा।

कहा कि भारत एक विशाल डिजिटल आबादी वाला देश है, जहां हर दिन करोड़ों लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं। हाल के वर्षों में डेटा प्राइवेसी एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। विदेशी एआई मॉडल हमारी संवे. दनशील जानकारी को नियंत्रित करते हैं जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत गोपनीयता को खतरा उत्पन्न हो सकता है। कहा कि स्वदेशी एआई मॉडल इस समस्या का समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि भारत में विकसित एआई प्लेटफॉर्म्स को प्राथमिकता दी जाए तो डेटा की सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है और इसे भारतीय नियमों के अंतर्गत संरक्षित रखा जा सकता है। सरकार की डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं के तहत स्वदेशी एआई की दिशा में निवेश करना आवश्यक हो गया है। कहा कि भारत की जनसंख्या लगभग 140 करोड़ के पार है, लेकिन पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाओं की कमी अभी भी एक चुनौती बनी हुई है। एआई आधारित समाधान ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच की खाई को पाट सकते हैं। उदाहरण स्वरूप एआई से संचालित टेलीमेडिसिन सेवाएं दूर-दराज के इलाकों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। मशीन लर्निंग का उपयोग करके बीमारियों की शीघ्र पहचान और सटीक निदान किया जा सकता है। ड्रग डिस्कवरी में एआई की मदद से नई और सस्ती दवाओं का विकास तेज किया जा सकता है।

एनईपी में साबित होगा मददगार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत भारत में शिक्षा को अधिक समावेशी और प्रौद्योगिकी संचालित बनाने पर बल दिया जा रहा है। एआई इस दिशा में मददगार साबित हो सकता है। व्यक्तिगत शिक्षण एआई आधारित टूल छात्रों की सीखने की गति और समझ के अनुसार पाठ्यक्रम को ढाल सकते हैं। भाषाई विविधता भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों क्षेत्रीय बोलियां हैं। स्वदेशी एआई के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है तथा स्किल डेवलपमेंट मशीन लर्निंग और बिग डेटा का उपयोग करके रोजगारपरक कौशल को विकसित करने वाले ऑनलाइन कोर्स तैयार किए जा सकते हैं।

फायरवॉल प्रोटेक्शन भी ज़रूरी

भारत के संदर्भ में विकसित एआई मॉडल को इन विशेषताओं को अपनानी होगा जिसमें भाषा अनुक. ूलन यह एआई भारतीय भाषाओं और बोलियों में संवाद करने में सक्षम होना चाहिए। कम लागत अधिक प्रभाव तथा सस्ते हार्डवेयर पर भी कार्य करने वाला ऊर्जा कुशल और लो. स्पेसिफिकेशन डिवाइसेज के लिए उपयुक्त होना चाहिए, सांस्कृतिक समझ भारतीय समाज की विविधता को ध्यान में रखते हुए यह मॉडल नैतिक और सांस्कृतिक रूप से संवे. दनशील होना चाहिए। साइबर सुरक्षा पर बल डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए एआई का एंड टू एंड एन्क्रिप्शन और फायरवॉल प्रोटेक्शन आवश्यक है।

भारत आत्मनिर्भर बनेगा

स्वदेशी एआई विकास से भारत केवल तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बनेगा बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा तथा स्वास्थ्य और आर्थिक वृद्धि को भी एक नया आयाम देगा। भारत को अब वैश्विक तकनीकी दौड़ में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक अग्रणी निर्माता बनना होगा। अभी स्वदेशी एआई विकास का सुनहरा समय है। अगर हम सही दिशा में कदम उठाते हैं तो भविष्य में भारत दुनिया के अग्रणी एआई हब में से एक बन सकता है। आत्मनिर्भर भारत केवल एक सपना नहीं बल्कि एक वास्तविकता बन सकता है।

चार मेधावियों का सहायक अध्यापक के लिए चयन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिला मुख्यालय नैनीताल के चार मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी मेहनत का फल मिला है। बता दें कुमाऊँ विश्वविद्याल के डीएसबी परिसर नैनीताल के इतिहास विभाग के दो शोधार्थियों का उत्तराखण्ड सबऑर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन कमीशन द्वारा सहायक अध्यापक पद के लिए चयन किया गया है। विभाग ने इन सभी शोधार्थियों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय घिल्डियाल ने बताया कि इतिहास विभाग की शोधार्थी कंचन आर्य और पीयूष प्रीतम आर्य ने अपना शोधकार्य प्रो. सावित्री कैड़ा जंतवाल के निर्देशन में कर रहे हैं वही विभाग की छात्रा सीमा नयाल ने इतिहास विषय में यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय घिल्डियाल, प्रो. सावित्री कैडा जंतवाल, प्रो. संजय टम्टा, डा. रीतेश साह, डा. शिवानी रावत, डा. मनोज बफिला, डा. पूरन सिंह अधिकारी, डा. भुवन शर्मा, डा. हरदयाल जलाल सहित इतिहास विभाग के शोधार्थियो और विद्यार्थियों ने चयनित शोधार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके अतिरिक्त कुमाऊँ विश्व. विद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) और अन्य विभागों के शिक्षकों ने भी चयनित सहायक प्रोफेसरों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं है।

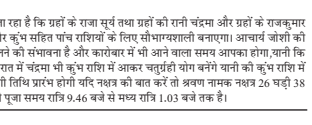

दूसरी ओर भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा में विलायत कॉटेज मल्लीताल नैनीताल निवासी कृतिका साह ने कंपनी सेक्रेटरी की परीक्षा उत्तीर्ण की है। बता दें कि कृतिका साह के पिताजी संजय साह कूर्मांचल बैंक में कार्यरत है जबकि मां लता साह गृहणी हैं। कृतिका की इस कामयाबी पर साह-चौधरी समाज नैनीताल के अध्यक्ष सुरेश लाल साह, सचिव सुरेश चौधरी समेत हितेश साह, शैलेन्द्र चौधरी, मोहित लाल साह, मयंक साह, शैलेन्द्र साह, मनोज साह, मोहित साह, बिमल साह, भारती साह, हर्षित साह, प्रगति साह, राजेश साह तथा पालिका के सभासद मनोज साह जगाती समेत उनके शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके बेहतर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

महाशिवरात्रि में आज कुम्भ राशि में ग्रहों का विचित्र संयोग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। गेठिया गांव निवासी आचार्य पंडित प्रकाश चंद्र जोशी ने बताया अबकी बार महाशिवरात्रि (आज) पर कुंभ राशि में ग्रहों का ऐसा विचित्र संयोग बनने जा रहा है कि ग्रहों के राजा सूर्य तथा ग्रहों की रानी चंद्रमा और ग्रहों के राजकुमार बुध के साथ कर्मों का फल देने वाले न्यायाधीश शनि सभी 4 ग्रह एक ही राशि में गोचर करेंगे। ग्रहों का ऐसा अनोखा संयोग महाशिवरात्रि के महापर्व को कर्क और कुंभ सहित पांच राशियों के लिए सौभाग्यशाली बनाएगा। आचार्य जोशी की मानें तो इन राशियों के लोगों की चांदी हो जाएगी और आने वाले समय में हर कार्य में सफलता हाथ लगेगी। नौकरी में कोई बड़ा ऑफर इन राशियों के लोगों को मिलने की संभावना है और कारोबार में भी आने वाला समय आपका होगा,यानी कि आप इस वक्त जो भी नया करेंगे उसमें आपको सफ लता प्राप्त होगी। कहा कि कुंभ राशि में पहले से ही तीन ग्रहों का त्रिग्रही योग बना हुआ है। महाशिवरात्रि पर देर रात में चंद्रमा भी कुंभ राशि में आकर चतुर्ग्रही योग बनेंगे यानी की कुंभ राशि में सूर्य बुध शनि और चंद्रमा जैसे चार बड़े ग्रहों का महासंयोग बनेगा। इस दिन यदि चतुर्दशी तिथि की बात करें तो 11 घड़ी दो पल अर्थात प्रात: 11.08 बजे से चतुर्दशी तिथि प्रारंभ होगी यदि नक्षत्र की बात करें तो श्रवण नामक नक्षत्र 26 घड़ी 38 पल अर्थात शाम 5.23 बजे तक है। यदि पूजा के मुहूर्त के बारे में जानें तो इस दिन रात्रि प्रथम पहर पूजा शाम 6.30 बजे से रात्रि 9.46 बजे तक है और द्वितीय पहर की पूजा समय रात्रि 9.46 बजे से मध्य रात्रि 1.03 बजे तक है।

सहकारी समितियों में चुनाव प्रकरण में खामियों का मामला

हाई कोर्ट ने चुनाव पर लगाई रोक

जिन समितियों में रविवार को चुनाव हुए उनके परिणाम भी रोके गए

❖हाई कोर्ट की डबल बैंच ने माना चुनाव घोषणा के बाद नियम बदलाव करना गलत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सहकारी समितियों को हो रहे चुनाव पर उच्च न्यायालय की बैंच ने रोक लगा दी है। जिन समितियों में चुनाव हुए हैं वहां के परिणाम पर भी रोक लगा दी है। अब उक्त मामले में 27 फरवरी को बहस होगी जिसके बाद चुनाव संपन्न हुई समितियों में परिणाम पर निर्णय होगा ओर जिन समितियों के चुनाव नहीं हुए उनमें नया कार्यक्रम जारी होगा या नहीं यह भी न्यायालय के आदेश पर ही निर्भर होगा। फिलहाल न्यायालय ने समितियों में चुनाव के दौरान पाये जाने वाली खामियों को सही पाये जाने के बाद चुनाव पर रोक लगा दी है। लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कुछ जगह चुनाव करायें हैं अब उन समितियों के चुनाव परिणाम पर रोक लगा दी है।

गौरतलब है कि सहकारी समितियों में चुनाव स्थगित करने के आदेश उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए हैं। मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी तय की गई है। वहीं आदेश आने से पहले निदेशकों के चुनाव समितियों में संपन्न हो गए लेकिन जीते हुए निदेशकों को प्रमाण पत्र न्यायालय के अग्रिम आदेश के बाद देने की बात अधिकारियों द्वारा उन्हें बताई गई है। सहकारी समितियों के चुनाव इस बार लगातार हिचकोले खाता दिख रहा है। हरिद्वार जिले की सहकारी समितियों में 24 फरवरी को निदेशकों और 25 फरवरी को अध्यक्षों के चुनाव होने की तिथि निर्वाचन द्वारा जारी की गई थी लेकिन उससे पूर्व पनियाला निवासी अखलाक की रिट के बाद जहां 22 फरवरी को न्यायालय ने जिले की छह समितियों में चुनाव स्थगित करने के आदेश दिए थे। वहीं बाकी समितियों में आज निदेशकों के चुनाव हुए लेकिन आज न्यायालय ने मांगेराम सिरोही बनाम सरकार व अन्य में सुनवाई करते हुए समितियों के स्थगन के आदेश पारित किए हैं मामले में अग्रिम सुनवाई 27 फरवरी को होगी। वहीं यह आदेश आने के तक सहकारी समितियों में निदेशक पद पर मतदान प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी ऐसे में चुनाव के बाद मतगणना की गई लेकिन फिलहाल विजई निदेशकों को प्रमाण पत्र नहीं दिए गए हैं और 25 फरवरी को होने वाले चुनाव भी नहीं होंगे। मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी को है उसके बाद न्यायालय के आदेश के बाद ही चुनाव में अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जानिए क्यों हुए चुनाव स्थगित...उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य में आज सोमवार 24 फरवरी को हो रहे सहकारी समितियों के चुनाव के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ती मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ती आशीष नैथानी की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार से कहा है कि चुनाव एकलपीठ के आदेश के अनुसार ही हों। बता दें कि इस मामले में आज एकलपीठ के आदेश के खिलाफ सोसाइटी की तरफ विशेष अपील के माध्यम से चुनौती दी गयी, जिसमें कहा गया कि सहकारी समितियों का चुनाव कराने हेतु राज्य सरकार ने इसमे कुछ संसोधन किए है, उसको भी लागू किया जाय और उसी के अनुसार चुनाव कराएं।

आपत्ति व्यक्त करते हुए आरटीआई एक्टिविस्ट भुवन पोखरिया व कई अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि कॉपरेटिव के चुनाव पूर्व के नियमों के तहत ही कराए जाय। राज्य सरकार ने चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के बाद नियमावली को संशोधित किया है। वह अपने आप मे गलत है, जबकि चुनाव कराने की प्रक्रिया दिसंबर माह से प्रारम्भ हो चुकी है, अब इस मामले में राज्य सरकार संशोधन करा रही है, जो नियम विरुद्ध है। राज्य सरकार ने इसमे संशोधन करके उन लोगों को वोट का अधिकार दे दिया है, जो सेवानिवृत्त है या इस कमेटी के सदस्य नहीं है। नियम ये कहता है कि वही समिति के सदस्यों के का चुनाव में प्रतिभाग कर पाएंगे जो तीन साल से इसके सदस्य रहते आए।

लंढौरा सहकारी समिति के चुनाव पर रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। लंढौरा सहकारी समिति के डायरेक्टर चुनाव में निर्वचित होने सभी डायरेक्टर का चुनाव परिणाम सोमवार की देर रात घोषित कर दिया है। हांलाकि अभी निर्वाचित डायरेक्टरों को प्रमाण पत्र जारी नही किया गया है। शासन आदेश के बाद ही निर्वाचित डायरेक्टरों को प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार सोमवार को लंढौरा किसान सेवा सहकारी समिति में डायरेक्टरों का चुनाव हुआ है। लंढौरा से निर्वाचित होने वाले डायरेक्टर कुलदीप सिंह ने 250 नूराआलम ने 210 और गुफरान ने 204 मत हासिल कर जीत दर्ज की है। गोपालपुर घोसीपुरा से गुड्डी ने 155 मत प्राप्त कर अपनी प्रतिद्वंदी जैबुन्निशा को 50 मतों से हराकर अपना परचम लहराया वही सिख्खर आमखेड़ी से उमा ने 59 मत हासिल मंजू को 15 वोट से हराया। हज्जरपुर से अक्षित ने 100 वोट प्राप्त प्रतिदंदी दिनेश शर्मा को 27 मतों से मात दी। बुक्कनपुर में रेशमा ने 61 वोट हासिल कर अपनी प्रतिदंदी शहनाज को 18 मतों से शिकस्त दी। शिकारपुर में सतीश चौधरी ने 164 वोट हासिल कर सुरेश कुमार को 14 वोट से हरा दिया। थिथौला खेमपुर में गगन ने 138 मत प्राप्त कर अपने प्रतिदंदी कश्मीरी को 70 वोट से करारी मात दी।

जैनपुर झंझेड़ी से जहिमा ने 211 मत हासिल कर अपनी प्रतिदंदी समरजहां को 15 वोट से हरा दिया। चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार मालिक का कहना है कि अभी शासन आदेश जारी नहीं हुआ है। शासन आदेश के बाद ही निर्वाचित डायरेक्टरों को प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। बताते चले कि गाधारोणा से पहले करिश्मा को निर्विरोध निर्वाचित किया जा चुका है।

सबरी उस्मानिया वेलफेयर सो. ने हज हाउस में लगाया रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। साबरी उस्मानिया वेलफेयर सोसायटी की ओर से साबिर पाक की याद में कलियर हज हाउस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलियर और आसपास के युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। सोसायटी के अध्यक्ष सभासद राशिद अली ने बताया कि साबिर पाक की याद में यह 56 वां रक्तदान शिविर लगाया गया हैं। शिविर में करीब सौ से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया हैं। उन्होंने बताया कि सिटी चेरिटेबल ब्लड बैंक की टीम ने शिविर में सहयोग किया।इसके अलावा रुड़की ब्लडबैंक ,हिमालयन ब्लड बैंक जौलीग्रांट,एम्स ऋषिकेश समेत अन्य ब्लड बैंकों के सहयोग से यह कार्य किया जाता हैं। सिटी चौरिटेबल बैंक के निदेशक राहुल अरोड़ा ने बताया कि जीवन रक्षा के लिए रक्त अति

आवश्यक है।कोरोना काल में पूरे देश ने जो परेशानी झेली हैं।उसको देखते हुए रक्तदान करना महादान है। हमें समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए इससे एक और जहां शरीर में नया रक्त बनता है शरीर की प्रतिरोध क क्षमता बढ़ती हैं। वहीं दूसरी ओर हम जाने अनजाने में किसी दूसरे को जीवनदान भी दे रहे हैं। समय समय पर रक्तदान करना चाहिए। इस मौके पर सभासद नाजिम त्यागी,अमजद मलिक, जावेद साबरी, मुंतहिद राणा, परवेज मलिक, फारूक अली, इस्तिकार अली, मुराद साबरी, मोईन साबरी, परवेज आलम, मोईन साबरी अनस गाजी, आमिर कुरैशी,अलीम साबरी, मुकर्रम मलिक, मेहरबान साबरी, सद्दाम, लियाकत, शावेज आदि मौजूद रहें।

शहजाद विधायक ने विधानसभा सत्र में उठाया लादपुर पुल का मुद्दा

निरीक्षण को पहुंचे अधिकारी, जल्द होगा निर्माण

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर विधायक हाजी शहजाद ने विधानसभा सत्र में लाडपुर कल के छत्तीसगढ़मार्ग पुल का मुद्दा उठाया तो अब संबंधित अधिकारी मुख्य पर पहुंचे और निरीक्षण कर जल्द निर्माण का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार विधायक हाजी शहजाद के द्वारा विधानसभा बजट सत्र के दौरान अतिवृष्टि आपदा से हुए लादपुर कला पुल के क्षतिग्रस्त पहुंच मार्ग के पुनर निर्माण का मुद्दा सदन में उठाया गया। लक्सर विधायक हाजी मोहम्मद शहजाद के द्वारा बताया गया कि लादपुर कला में पूल के दोनों और जो पहुंच मार्ग बने हुए थे वह ज्यादा बरसात होने की वजह से बह गए थे वहां पर लोगों का निकलना व वहांन ले जाना बंद हो गया था। उन्होंने बताया आम जनता करीब 10 किलोमीटर घूम कर लंढौरा तक पहुंच पाती थी हमने पहले भी कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को लिखा उस पर कोई तवजह नहीं दी गई मजबूर होकर मेरे द्वारा लादपुर पुल के क्षतिग्रस्त पहुंच मार्ग के पुनर्निर्माण का मुद्दा बजट सत्र सदन में उठाया गया जिसके परिपेक्ष में मान्य सिंचाई मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा सदन में पहुंच मार्ग के शीघ्र पुनर्निर्माण का आश्वासन दिया गया है जिसके परिणाम स्वरूप आज संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण भी किया गया है।

लक्सर विधायक के द्वारा बजट सत्र में उठाए गए मुद्दे से ग्रामीणों ने लक्सर विधायक तारीफों के पुल बांध दिए निरीक्षण के दौरान वहां पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग लक्सर एवं सिंचाई विभाग के संबंधित अधिकारी एवं दर्जनों लादपुर सहित अन्य गांव के मुख्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नगर पंचायत भगवानपुर की बोर्ड बैठक में पांच करोड़ के प्रस्ताव पास

जन समस्याओं का निस्तारण पहली प्राथमिकता: गुलबहार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। भगवानपुर नगर पंचायत की आजमें बोर्ड बैठक संपन्न हुई जिसमेंबोर्ड के सदस्यों यानी सभासदोंव अध्यक्ष द्वारा करीब 24345 प्रस्ताव रखे गए जिनमें से 243 प्रस्ताव पास किए गएवही 5 करोड रुपए के विकास कार्यों की भी स्वीकृति मिली है जल्द ही आपकस्बे का बुनियादी विकास किया जाएगा

बोर्ड बैठक में शिरकत करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष गुलबहार अली ने बताया किनगर पंचायत बोर्ड के सदस्यों व उन्होंने करीब 245 प्रस्ताव रखे थे जिनमें से 243 पास हो गए हैं विकास कार्य संबंधी प्रस्ताव को प्राथमिकता के साथ पास किए गए हैं और भी जो जरूरत की चीज हैं उन पर भी गंभीरता से विचार कर पास किया गया है उन्होंने कहा कि कस्बे के बुनियादी विकास के लिए बोर्ड के सहयोग से काम करेंगे सबको साथ लेकर कस्बे का चहुमुखी विकास किया जाएगा जो भी कस्बे की जन समस्याएं हैं उन्हें भी प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाएगा और बोर्ड के सदस्यों की भावनाओं का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा। भगवानपुर नगर पंचायत बोर्ड की पहली मीटिंग आज नगर पंचायत भगवानपुर के कार्यालय में हुई जिसमें नवनिर्वाचित सभासद और चेयरमैन गुलबहार अहमद तथा स्थानीय विधायक ममता राकेश ने शिरकत की। बोर्ड बैठक में सफाई और खराब पड़ी लाइट्स का मुद्दा हावी रहा और सभासदों समेत चेयरमैन के कुल मिलाकर 245 प्रस्ताव रखे गए जिनमें से 243 प्रस्ताव पास हुए और दो प्रस्ताव निरस्त किए गए। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि लगभग 5 करोड़ के प्रस्ताव पास किए गए है जिनमें कुछ रुके हुए विकास कार्यों को भी पूरा किया जाएगा इस मौके पर भगवानपुर विधायक ममता राकेश सहित बोर्ड के सभी सदस्य मौजूद रहे।

चमन लाल महाविद्यालय के दो छात्रों ने नेट की परीक्षा में की सफलता हासिल

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। चमनलाल स्नातकोत्तर (ऑटोनॉमस) महाविद्यालय, लंढौरा के दो छात्रों ने यूजीसी-नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है, जिनमें से एक छात्रा को जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई है। यूजीसी-नेट परीक्षा में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस बार भी अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखा है।

प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (छज।) द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, महाविद्यालय के इतिहास विभाग के शिवांक शर्मा ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त की है, जबकि योग विभाग के मनीष शर्मा ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर पीएच.डी. की पात्रता प्राप्त की है। शिवांक शर्मा इससे पहले भी दो बार नेट उत्तीर्ण कर चुके हैं। यूजीसी-नेट की पिछली परीक्षा में भी महाविद्यालय के तीन

छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की थी। प्राचार्य सुशील कुमार उपाध्याय ने बताया कि महाविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा च्ळ उपाधियों के छात्राओं को यूजीसी नेट परीक्षा के लिए विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामकुमार शर्मा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में महाविद्यालय के 20 से अधिक छात्र-छात्राओं ने यूजीसी-नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जो महाविद्यालय में प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी दिनों में महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में इन सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव अरुण हरित ने इस बात पर जोर दिया कि स्नातकोत्तर उपाधि में अध्ययन कर रहे सभी छात्र-छात्राओं को यूजीसी-नेट और सीएसआईआर-नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए।

किशोरी लापता, महिला की तहरीर पर गुमशुदी दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। थाना क्षेत्र की एक महिला की तहरीर पर पुलिस ने उसकी किशोरी के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी हैं।

पिरान कलियर थाना क्षेत्र एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 फरवरी की रात को उसकी किशोरी परिवार के साथ घर पर सोई थी।जब वह सुबह उठे तो किशोरी को घर ना पाकर वह परेशान हो गए। उन्होंने उसे आसपास और रिश्तेदारियों में तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया।उन्हें अंदेशा है कि कोई अज्ञात युवक उसकी किशोरीको घर से बहला फुसलाकर अपने साथ लेकर गया हैं।महिला ने पुलिस को तहरीर देकर अपनी किशोरी को तलाश करने की मांग की हैं।एसओ दिलवर सिंह नेगी ने बताया कि महिला की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी हैं।

रामनगर व सिविल लाइन भाजपा मंडल अध्यक्षों का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारतीय जनता पार्टी रुड़की के बूथ संख्या 11 गौरव त्यागी के कार्यालय पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत कार्यक्रम किया गया सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सिविल लाइन बृजमोहन सैनी वी मंडल अध्यक्ष रामनगर सुमित अग्रवाल को शुभकामनाएं प्रेषित की वह पार्टी संगठन के कार्यकर्ताओं ने अनौपचारिक रूप से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा की, स्वागत कार्यक्रम में मोहित राष्ट्रवादी प्रदेश प्रवक्ता, गौरव त्यागी कार्यक्रम संयोजक , अनुभव त्यागी, विकास प्रजापति, जिला सोशल मीडिया प्रभारी,कविश मित्तल आदि उपस्थित रहे ! सभी ने प्रदेश व जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया रुड़की जिले में सभी मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय व अनुभवी बनाए गए हैं जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। वहीं उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन (उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ)शाखा हरिद्वार ने उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा दिये गए निर्देश के क्रम में तथा उप निबन्धक फर्म्स एंड चिट्स सोसायटी देहरादून के निर्देशानुसार रुड़की कार्यकारिणी को रुड़की में निर्वाचन हेतु निर्देशित किया था परंतु रुड़की ब्लॉक इकाई द्वारा बार बार व्यवधान उत्तपन्न किये जा रहे थे।

आईआईटी रुड़की में मल्टी बाजरा डीहस्किंग मशीन पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी रुड़की ने बहु बाजरा डीहस्किंग मशीन पर प्रशिक्षण. सह. कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जिसका उद्देश्य कुशल बाजरा प्रसंस्करण तकनीकों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में कई गैर सरकारी संगठनों जैसे कि पर्वतीय जन शिक्षा एवं विकास संगठन एनजीओए सिरमौरए हिमाचल प्रदेशए उत्तरांचल युवा एवं ग्रामीण विकास केंद्र एनजीओए चमोलीए उत्तराखंडए भिलंगना वैली प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ;एफपीओद्धए उत्तराखंडए बालाजी सेवा संस्थान एनजीओए देहरादून के किसानए शोधकर्ताए उद्यमी और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यशाला में उन्नत मल्टी.बाजरा डीहस्किंग मशीन के कार्य सिद्धांतों परिचालन प्रक्रियाओं और रखरखाव पहलुओं को प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसे विभिन्न बाजरा अनाज जैसे कि फिंगर बाजरा ;रागीद्धए फॉक्सटेल बाजरा ;कागनीद्धए बार्नयार्ड बाजरा ;सांवाद्ध और कोदो बाजरा की डीहस्किंग की दक्षता बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है। मशीन को अनाज के टूटने को कम करने और प्रसंस्करण गुणवत्ता में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया हैए जिससे यह छोटे पैमाने के बाजरा प्रोसेसर और ग्रामीण उद्यमियों के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बन गई है। रुटैग आईआईटी रुड़की के प्रधान अन्वेषक प्रोण् सुनील कुमार सिंघल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और खाद्य सुरक्षा एवं पोषण सुनिश्चित करने में बाजरा प्रसंस्करण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने टिकाऊ कृषि पद्धतियों का समर्थन करने के लिए बाजरा आधारित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। प्रोण् सोनल केण् थेंगने ने रुटैग द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के लाभों पर चर्चा की।

राज्य आंदोलनकारी समिति नेसोफा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को ज्ञापन

मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल को बर्खास्त करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड के मूल निवासियों का अपमान करने वाले ऋषिकेश के विधायक उत्तराखंड सरकार के केबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल अब सत्ता सुग से पूर्ण रुप से सठिया गए हैं जिनका पतन शीध्र होने वाला है और वह भी ऐसा पतन होगा कि उनकी कई पीढ़ियां याद करेंगी । उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति ने ज्वाइन मजिस्ट्रेट रुड़की के जरिए ज्ञापन सौंपते हुए अविलम्ब प्रेम चंद अग्रवाल को बर्खास्त नहीं किया गया और उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त नहीं की गई तो उत्तराखंड में 1994की तरह आन्दोलन किया जायेगा।

समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष आंदोलनकारी हर्ष प्रकाश काला ने कहा कि देवभूमि के देवतुल्य निवासियों का जिसने भी अपमान किया उसको देवभूमि के देवता अवश्य ही सजा देते हैं।यह सजा केदारनाथ के भोले बाबा अवश्य और जल्दी देंगे। केन्द्रीय महासचिव एडवोकेट प्रेम दत्त शर्मा गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड उत्तराखंड के 42शहीदों के बलिदान के संघर्ष का परिणाम है प्रेम चंद अग्रवाल जहां से आया है वहीं चला जाय इसे उत्तराखंड में और ऋषिकेश जैसे तीर्थ स्थल पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। आंदोलनकारी देवेश्वरी खंडूरी,अमृता खनशाली, सरोज बड़थ्वाल ने कहा कि प्रेम चंद अग्रवाल को देव भूमि में रहने का कोई अधिकार नहीं है अगर सरकार ने 15दिन के अन्दर उसे सरकार से नहीं हटाया तो हमें उत्तराखंड से भाजपा सरकार को हटाने हेतु लड़ाई लड़नी पड़ेगी। आन्दोलनकारी प्रदीप बुडाकोटी,चक्रधर देवरानी, रमेश ध्यानी, सुरेंद्र सिंह बिष्ट,नन्दन सिंह रावत,योगम्बर सिंह रौथाण ने कहा जिन्होंने हमारा मूल निवास छीना, गैरसैंण राजधानी छीनी, भू कानून छीना, मूल निवासियों का अपमान किया, बेरोजगारों का रोजगार छीना, अंकिता भण्डारी के दोषियों को बचाने का कार्य किया।

आशा वर्करों ने सीडीओ को सुनाई समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। आज आशा वर्कर दर्जनों की तादाद में सरकारी सीएससी सेंटर पहुंचे और उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी लक्सर के सामने अपनी पीड़ा रखी।

चिकित्सा अधिकारी लक्सर डॉक्टर सैयद रफी अहमद ने कहा कि यह जो आशा वर्कर आज आई हुई है इनको पहले रजिस्टर चेक करने होते थे अब सरकार के द्वारा नियम में कुछ फेर बदल कर दिया गया है अब इनको एक फोटो स्टेट रजिस्टर की भी विभाग को देनी होती है क्योंकि सरकार के द्वारा दिए गए आदेश को हमें भी मानना पड़ता है उन्होंने यह भी कहा कि आशा वर्करो के सामने भी परेशानी है क्योंकि उनको फोटो स्टेट करने के पैसे नहीं मिलते और बड़ी मशीन पर उन्हें फोटो स्टेट करनी होती है पहले केवल रजिस्टर चेक किए जाते थे अब विभाग को फोटो स्टेट भी देनी पड़ती है उन्होंने कहा देखते हैं आगे किस तरह से सरकार के द्वारा आदेश दिया जाता है अभी तो सरकारी आदेश पर ही काम किया जा रहा है उनकी परेशानी को भी ध्यान में रखा जाएगा।

सम्पादकीय

बुधवार, 26 फरवरी 2025

हादसों पर भारी आस्था

धर्म प्रेमियों ही नहीं, सभी देशवासियों के लिए यह तथ्य सुखद है कि महाकुंभ में देश विदेश के 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पहुंच कर रिकॉर्ड बना डाला, पर यह भी कटु सत्य है कि इसमें बहुत से ऐसे लोग रहे, जो घर नहीं लौट पाए, इस सब के बावजूद भी कहा जा सकता है कि हादसों पर आस्था भारी पड़ रही है। महाकुंभ के 43 दिन में 100 से ज्यादा रोड एक्सीडेंट में 150 लोगों की मौत हो गई। हादसों में 385 लोग घायल हुए हैं। इनमें से कई लोगों को अब अपंग जैसी जिंदगी जीनी पड़ेगी। सबसे ज्यादा एक्सीडेंट राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर हुए। दिल्ली से वाया आगरा-कानपुर-प्रयागराज-वाराणसी होते हुए कोलकाता को जोड़ने वाले इस नेशनल हाईवे पर 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। सबसे बड़ा एक्सीडेंट प्रयागराज-मिर्जापुर रोड पर हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 19 लोग घायल हो गए। प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ था, जो महाशिवरात्रि (कल) तक चलेगा। अभी इस आयोजन के समापन में दो दिन बाकी हैं। 43 दिनों में ही 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार हो गया। यानी औसतन रोज करीब डेढ़ करोड़ लोग त्रिवेणी में स्नान करने पहुंचे। इसमें ज्यादातर लोग सड़क मार्ग से पहुंच रहे हैं। प्रयागराज को जोड़ने वाले 6 प्रमुख मार्गों पर हो रहे हादसे प्रयागराज को 6 प्रमुख मार्ग, देश के दूसरे शहरों और राज्यों से जोड़ते हैं। प्रयागराज-वाराणसी हाईवे आगे बिहार, झारखंड होते हुए कोलकाता तक जाता है। वहीं, प्रयागराज से कौशांबी, फतेहपुर, कानपुर होते हुए यही हाईवे वाया आगरा-मथुरा होकर दिल्ली को जोड़ता है। 43 दिनों में अकेले इस हाईवे पर 40 लोगों की मौत हुई। इनमें प्रयागराज से कानपुर हाईवे पर 14, तो प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर 15 लोगों की मौत शामिल है। अन्य मौतें इसी हाईवे पर आगे के जिलों और प्रदेशों में हुई हैं। प्रयागराज-मिर्जापुर स्टेट हाईवे पर 15 फरवरी को छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं की बोलेरो और मध्यप्रदेश के राजगढ़ जा रही श्रद्धालुओं की बस टकरा गई। इस हादसे में बोलेरो में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, बस में सवार 19 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद 4 घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। बोलेरो में कोरबा जिले के लोग सवार थे। वे महाकुंभ स्नान करने आ रहे थे। प्रयागराज मेला क्षेत्र में हुए इस हादसे में बोलेरो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। बोलेरो को काटकर शवों को किसी तरह से निकाला जा सका था। इस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर पोस्ट में करते हुए लिखा था-उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मिर्जापुर हाईवे पर हुए सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। श्रद्धालुओं में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की रही, जो सड़क मार्ग से संगम स्नान करने पहुंचे। इसका नतीजा ये निकला कि प्रयागराज को जाने वाले ज्यादातर मार्गों पर श्रद्धालुओं को लंबे जाम में 7 से 9 घंटे तक फंसना पड़ा। इसे बाद जब वे जाम से निकलते, तो थक कर चूर हो चुके होते थे। इसीलिए ज्यादातर हादसे लंबी दूरी तय करने वाले वाहनों के हुए। ड्राइवरों की अत्यधिक थकान, घंटों तक ट्रैफिक जाम में फंसने से मानसिक तनाव और रात में सफर के दौरान वे झपकी आने से नियंत्रण खो दे रहे हैं। प्रयागराज को जोड़ने वाले सभी प्रमुख हाईवे फोर-लेन या सिक्स-लेन के हैं। अच्छी सड़क के चलते ड्राइवर तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं। इस दौरान एक छोटी-सी भी नींद की झपकी या चूक हादसे की वजह बन जाती है। 22 फरवरी को इस तरह का हादसा प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर दिखा। फतेहपुर में भारतपुर मोड़ पर राजस्थान के धौलपुर जिले के श्रद्धालुओं को लेकर जा रही पिकअप कुछ देर के लिए रुकी।

लाभार्थियों के सभी वजीफों में भारी कटौती हुई

प्रधानमंत्री मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी तथा अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है, ये शर्मनाक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि सरकार ने लाभार्थियों के सभी वजीफों मे भारी कटौती, तो की है साथ ही औसतम साल-दर- साल 25 प्रतिशत फंड भी कम खर्च किया है, जब तक देश के कमजोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे, आपका सबका साथ, सबका विकास का नारा, रोजाना कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है।

मल्लिकार्जुन खड़गे
अध्यक्ष, कांग्रेस

आंदोलनों से जुड़े हैं प्रदर्शन, कलाएं और रंगमंच

डा. सत्यवान सौरभ

मजदूर वर्ग को आजाद कराने और स्थापित सत्ता के खिलाफ क्रांति को मज़बूत करने के लिए 20वीं सदी की शुरुआत में नुक्कड़ नाटक का विकास हुआ। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से उपनिवेशवाद विरोधी युग के दौरान भारत में वामपंथी रंगमंच कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी। यद्यपि नुक्कड़ नाटक और लोक नाटक में कई समानताएं हैं, लेकिन नुक्कड़ नाटक एक सीधा-सादा कलात्मक माध्यम होने के बजाय एक सहभागी सामाजिक संचार प्रक्रिया है। इस निबंध में सामुदायिक विकास के एक उपकरण के रूप में नुक्कड़ नाटक के कार्य और क्षमता की जांच की गई है, जो सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देना चाहता है। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद, थिएटर उद्योग में महत्त्वपूर्ण उथल-पुथल हुई। अधिक लोकप्रिय फ़िल्म शैलियों से प्रतिस्पर्धा ने मनोरंजन थिएटर उद्योग को नुक़सान पहुंचाया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बंगलौर जैसे प्रमुख शहरों में शौकिया रंगमंच का विकास हुआ। जैसे-जैसे क्षेत्रीय नाटय परम्पराएं विकसित हुई हैं, भारत का रंगमंच और प्रदर्शन कलाएं सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक रही हैं। न्याय को बढ़ावा देने, सत्ता का विरोध करने और सामाजिक अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए रंगमंच एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है।

बढ़ते क्षेत्रीय राष्ट्रवाद, राष्ट्र का प्रश्न और उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की जटिल कथाओं ने क्षेत्रीय नाटय परम्पराओं के विकास को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, बंगाली नाटक नील दर्पण (1860) में बताया गया कि ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों का किस प्रकार शोषण किया जाता था। आधुनिक रंगमंच सांस्कृतिक उत्पादन के औपनिवेशिक मॉडलों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रतिच्छेदन ने आधुनिक रंगमंच को आकार दिया है। रंगमंच सहित प्रदर्शन कलाएं सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त साधन तथा चर्चा के लिए एक जीवंत मंच बनी हुई हैं। रंगमंच लंबे समय से भारत में जागरूकता बढ़ाने, सुधार और प्रतिरोध के लिए एक सशक्त साधन रहा है, जिसका प्रभाव राजनीतिक आंदोलनों के साथ-साथ सामाजिक संरचनाओं पर भी पड़ा है। शास्त्रीय रीति-रिवाजों से लेकर समकालीन नुक्कड़ नाटकों तक, इसने सामाजिक बदलावों को प्रतिबिंबित करने और प्रभावित करने के लिए कभी भी बदलाव करना बंद नहीं किया है। सामाजिक अन्याय को लंबे समय से रंगमंच के माध्यम से प्रकाश में लाया जाता रहा है। ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण को 1860 में बंगाली थियेटर के नील दर्पण द्वारा सार्वजनिक किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर नाटकों और लोक प्रदर्शनों के माध्यम से संगठित किया गया था। रंगमंच के माध्यम से, भारतीय जन रंगमंच संघ (इप्टा) ने 1943 में उपनिवेशवाद विरोधी भावना को बढ़ावा दिया। निम्न वर्ग के समुदाय रंगमंच के माध्यम से अपनी पहचान व्यक्त करने में सक्षम रहे हैं। दलित सशक्तिकरण और अम्बेडकरवादी दर्शन को भीम नाटय (महाराष्ट्र) द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। रंगमंच का उपयोग भ्रष्टाचार को उजागर करने और नीतियों की आलोचना करने के लिए किया गया है। 1980 के दशक में, सफ़दर हाशमी के जन नाटय मंच ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जिनमें सरकारी नीतियों की आलोचना की गई, इसके कारण 1989 में उनकी हत्या कर दी गई। कानून और सामाजिक सुधार रंगमंच से प्रभावित हुए हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 में प्रकाशित पुस्तक सखाराम बाइंडर में महिलाओं के अधिकारों और घरेलू दुर्व्यवहार के खुलासे पर चर्चा के परिणामस्वरूप सख्त सेंसरशिप कानून बनाए गए। धार्मिक और सामाजिक परंपराएं: प्राचीन रंगमंच की मज़बूत धार्मिक और सामाजिक जड़ें थीं। कुटियाट्टम (केरल), जिसे 2001 में यूनेस्को द्वारा मान्यता दी गई थी, अभी भी संस्कृत रंगमंच की परंपराओं को क़ायम रखे हुए है। लोक रंगमंच के माध्यम से सामाजिक टिप्पणी: वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को लोक परंपराओं में प्रतिबिंबित किया गया है। नक्सलवादी आंदोलन के दौरान वर्ग संघर्ष को जत्रा (बंगाल) में दर्शाया गया। आधुनिक रंगमंच में मानवाधिकार, लोकतंत्र और भ्रष्टाचार नए विषय बन गए। 1950 के दशक में हबीब तनवीर के नया थिएटर ने लोक और आधुनिक विषयों को मिलाकर सामाजिक मुद्दों को चित्रित किया। राज्य हस्तक्षेप और सेंसरशिप: राजनीतिक रूप से संवेदनशील नाटकों पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाते हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 की फ़िल्म घासीराम कोतवाल को जाति आधारित भ्रष्टाचार और शोषण को उजागर करने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। डिजिटल प्लेटफार्म की लोकप्रियता ने थिएटर के प्रभाव और पहुंच को बढ़ा दिया है। सामाजिक सक्रियता के लिए, यूटयूब आधारित थिएटर समूह, जैसे जन नाटय मंच, डिजिटल प्रदर्शनों का उपयोग करते हैं।

दांतों ने उजागर किया स्तनपात का पैटर्न...

मां के दूध के जगजाहिर फायदों को देखते हुए सलाह दी जाती है कि पहले 6 महीनों तक शिशु को केवल स्तनपान कराना चाहिए। लेकिन शिशु को स्तनपान कराना बंद कब करें? यह प्रश्न जितना महत्वपूर्ण आजकल के माता-पिता के लिए है, उतना ही महत्वपूर्ण प्राचीन रोमवासियों के लिए भी था। और प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज नेक्सस में प्रकाशित हालिया अध्ययन कहता है कि आधुनिक समय और प्राचीन समय के बाशिंदो की न सिर्फ स्तनपान सम्बंधी चिंताएं एक जैसी हैं, बल्कि स्तनपान बंद कराने की प्रवृत्ति भी मेल खाती है। पाया गया कि अतीत में ग्रामीण रोमवासियों की तुलना में शहरी रोमवासी बच्चे का स्तनपान जल्दी बंद करा देते थे, और स्तनपान बंद कराने के ऐसे ही पैटर्न आधुनिक समय में भी दिखते हैं।

मां का दूध शिशुओं को पोषक तत्व और एंटीबॉडीज देता है जो उन्हें बीमारियों से बचाते हैं और उनकी अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली के विकास में मदद करते हैं। ऐसा देखा गया था कि बेबी फॉर्मूला के आगमन से पहले, जिन शिशुओं का मां का दूध बहुत जल्दी छुड़ा दिया जाता था उन्हें संक्रमण होने का जोखिम अधिक होता था। द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व के सोरेनस जैसे चिकित्सकों ने स्तनपान के बारे में विस्तार से लिखा था, और बच्चे के लगभग दो वर्ष की आयु होने पर स्तनपान बंद करने की सलाह दी थी। वर्तमान में भी विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाह देता है कि पहले छह महीने तक सिर्फ स्तनपान कराना चाहिए, और फिर धीरे-धीरे कम करते हुए दो साल की उम्र तक स्तनपान छुड़ाया जा सकता है।

लेकिन प्राचीन समय में स्तनपान प्रथाएं कैसी थीं? प्राचीन रोम के संदर्भ में हुए कुछ अध्ययनों में इसे समझने के लिए प्राचीन चिकित्सा ग्रंथों और पुरातात्विक अवशेषों को ही खंगाला गया था। लेकिन इन ग्रंथों तक पहुंच अक्सर अमीर परिवारों की ही होती थी, जो शहरों में रहते थे और आम तौर पर अपने शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए धाय-मां रखते थे। इसलिए रोमन साम्राज्य के ग्रामीण इलाकों में शिशुओं का खान-पान अब तक अनजाना ही था।

मैक्स प्लांक इंस्टीटयूट ऑफ जियोएंथ्रोपोलॉजी के जैव पुरातत्वविद कार्लो कोकोजा की टीम संपूर्ण रोमन साम्राज्य (ग्रामीण और शहरी) में बच्चों के आहार पैटर्न समझना चाहती थी। लेकिन इसे समझने के लिए अध्ययन किसका किया जाए?

दांतों व दाढ़ों की डेंटाइन इसमें मददगार साबित हो सकती है। दरअसल डेंटाइन के ऊतकों की परतें आपने कब क्या खाया, सब बयां कर सकती हैं। और, मां के दूध में कार्बन-13 के मुकाबले नाइट्रोजन-15 आइसोटोप का स्तर काफी अधिक होता है। डेंटाइन की परतों में नाइट्रोजन आइसोटोप का स्तर देखकर स्तनपान बंद किए जाने के समय का अंदाजा लगाया सकता है। जब तक शिशु स्तनपान कर रहा होगा नाइट्रोजन आइसोटोप डेंटाइन की शुरुआती परतों में अधिक मिलेगा और बंद करने के बाद की परतों में अचानक से नदारद दिखेगा।

तो, शोधकर्ताओं ने पहली शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर चौथी ईसवीं सदी के समय में रोमन साम्राज्य में रहने वाले 45 वयस्कों की पहली दाढ़ के डेंटाइन का अध्ययन किया। इन दाढ़ों को शहरी इलाकों-जैसे ग्रीस के थेसालोनिकी और इटली के पोम्पेई से लेकर ग्रामीण इलाकों-जैसे इंग्लैंड के बैनेस और इटली के ओस्टिया तक से प्राप्त किया गया था। विश्लेषण में पाया गया कि रोमन साम्राज्य के शहरी स्थलों में स्तनपान दो वर्ष की आयु में बंद कर दिया जाता था, जबकि ग्रामीण स्थलों में डेढ़ साल से लेकर पांच साल की आयु तक के बच्चों को स्तनपान कराया जाता था। इससे लगता है कि रोम के शहरी केंद्रों से दूर के स्थलों पर 'आधिकारिक' चिकित्सा सलाह कम पहुंची होगी, साथ ही यह भी लगता है कि निम्न आय वाले ग्रामीण परिवार यह सोचकर स्तनपान लंबे समय तक जारी रखते होंगे कि सीमित भोजन एक और शिशु में न बंटे।

ये नतीजे आज के स्तनपान पैटर्नों से मेल खाते हैं। अध्ययन बताते हैं कि वर्तमान समाज में शहरी क्षेत्रों में स्तनपान जल्दी छुड़ाया जाता है। इसका एक कारण शहरीकरण है। जीवन स्तर में सुधार के साथ लोगों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार हुआ है, साथ ही चिकित्सा तक अधिक पहुंच भी हुई है।

दूसरी ओर, ग्रामीण इलाकों में लंबे समय तक स्तनपान जारी रहता है।

बहरहाल, ये निष्कर्ष सीमित नमूनों पर आधारित हैं इसलिए पर्याप्त डैटा के साथ अधिक अध्ययन इन नतीजों को मजबूती दे सकते हैं। साथ ही कई अनुत्तरित सवालों के जवाब भी दे सकते हैं। जैसे, क्या आप्रवासी लोग रोमन चिकित्सकों की सिफारिशों का पालन करते थे?

स्रोत फीसर्च

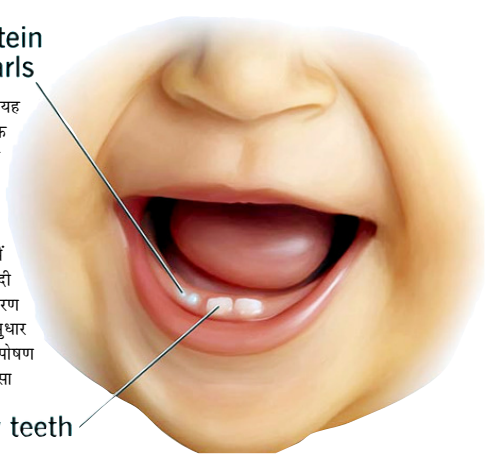

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है।

इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को होती है अक्षय पुण्य की प्राप्ति

इस रात्रि में अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, 'जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही

करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है।

Gmail में होगा बड़ा बदलाव

अकाउंट हैकिंग जैसी समस्याओं से मिलेगी राहत!

गूगल जल्द ही जीमेल अकाउंट्स के लिए **SMS** बेस्ड टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को हटाने की योजना बना रहा है। **Forbes** की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी इसके बजाय **QR** कोड-बेस्ड वेरिफिकेशन सिस्टम अपनाने की तैयारी कर रही है। गूगल के एक प्रवक्ता का कहना है कि जैसे कंपनी पासवर्ड्स को पासकीज से रिप्लेस कर रही है, वैसे ही एसएमएस मैसेजेस से भी छुटकारा पाने की प्लानिंग की जा रही है। कंपनी का मानना है कि ये कदम एसएमएस से जुड़े सिक्योरिटी खतरों और फ्रॉड को कम करने में मदद करेगा।

रिपोर्ट बताती है कि गूगल के मुताबिक, एसएमएस कोड्स कई सिक्योरिटी चुनौतियों के साथ आते हैं। कंपनी के प्रवक्ता **Ross Richendrfer** और उनकी सहयोगी **Kimberly samra** ने पब्लिकेशन को बताया कि **SMS** कोड्स को आसानी से फिश किया जा सकता है, यूजर्स हमेशा उस डिवाइस तक एक्सेस नहीं रखते जिस पर कोड भेजा गया हो और उनकी सिक्योरिटी मोबाइल कैरियर्स की प्रैक्टिसेस पर निर्भर करती है। **Richendrfer** ने आगे कहा कि, अगर कोई फ्रॉडस्टर आसानी से किसी के फोन नंबर पर कंट्रोल पा सकता है तो **SMS** की सिक्योरिटी वैल्यू खत्म हो जाती है।

गूगल **SMS** वेरिफिकेशन को दो मुक्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करता है। सिक्योरिटी और अब्यूज कंट्रोल। पहला उद्देश्य ये सुनिश्चित करना कि यूजर वही व्यक्ति है जो पहले से अकाउंट यूज कर रहा था और दूसरा ये रोकना कि धोखाधड़ी करके हजारों जीमेल अकाउंट्स क्रिएट न कर सके।

SMS कोड्स से जुड़ा एक बड़ा फ्रॉड जिसे गूगल ने हाल ही में पहचाना है, वह ट्रैफिक पंपिंग है। इसे ऑर्टिफिशियल ट्रैफिक इन्फ्लेशन और टोल फ्रॉड भी कहा जाता है। गूगल के मुताबिक, ये तब होता है जब फ्रॉडस्टर्स ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइडर्स को बड़े पैमाने पर बल्क **SMS** भेजने के लिए प्रेरित करते हैं और हर डिलीवर हुए **SMS** के लिए पैसे कमाते हैं। इस तरह के फ्रॉड के कारण भी गूगल **SMS** बेस्ड ऑथेंटिकेशन को खत्म करने की योजना बना रही है।

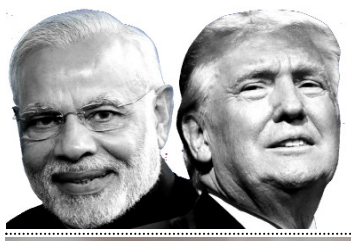

देश-विदेश

बुधवार, 26 फरवरी 2025

ट्रम्प ने लगाया 4 भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध

ईरान से तेल व्यापार करने पर बौखलाया अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ी कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिन कंपनियों पर अमेरिका की ओर से यह प्रतिबंध लगाए गए हैं।

उन सभी का जुड़ाव ईरान के तेल उद्योग से है। प्रतिबंधित की गई इन कंपनियों में कुछ भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिका की ओर से यह कदम ईरान पर दवाब बनाने के लिए लगाए हैं। अमेरिका ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोके. मिकल उद्योग से कथित जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया, जिनमें से चार भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कंपनियां आस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कासमास लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी हैं।

बयान में कहा गया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों को चिन्हित किया है और उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाया जा रहा है। विदेश विभाग ने वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के साथ मिलकर, 22 व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाए तथा ईरान के तेल उद्योग से उनके जुड़ाव के कारण विभिन्न क्षेत्रों में उनके 13 जहाजों को प्रतिबंधित संपत्ति के रूप में चिन्हित किया है। अमेरिका की ओर से यह फैसला अवैध शिपिंग नेटवर्क को बाधित करने क लिए उठाया गया है, जो एशिया में खरीदारों को ईरानी तेल बेचने के लिए काम करता है। यह नेटवर्क सैकड़ों मिलियन डॉलर के कच्चे तेल के कई बैरल को अवैध शिपिंग के जरिए बेचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिका का मानना है कि तेल राजस्व के जरिए ईरान के आतंकवाद को आर्थिक रूप से मदद दे रहा है। उसके इस कदम से ईरान की आर्थिक गतिविधियों पर नकेल कसेगा और आतंकवाद वित्तपोषण को रोक पाएगा।

ये हैं भारतीय कंपनियां

- ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
- बीएसएम मरीन एलएलपी
- कॉसमॉस लाइन्स इंक
- फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी

युद्धविराम बढ़ाने को तैयार हुआ इजरायल

- इजरायली विदेश मंत्री गिडियोन सार ने यूरोपीय यूनियन के 20 विदेश मंत्रियों को बताया इरादा

बदले में इजरायल द्वारा 30 फलस्तीनी कैदी और हर बंधक के बदले में 50 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई हो रही है। दूसरे चरण के समझौते के लिए बातचीत हो रही है।

...गिडियोन सार
विदेश मंत्री इजरायल

ब्रूसेल्स/तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्री गिडियोन सार ने कहा है कि बंधकों की रिहाई के लिए उनका देश हमास के साथ युद्धविराम को बढ़ाने के लिए तैयार है। ब्रूसेल्स में यूरोपीय यूनियन के 20 विदेश मंत्रियों को सूचित करते हुए इजरायली विदेश मंत्री ने यह बात कही। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि बंधकों की रिहाई के बगैर कोई युद्धविराम नहीं होगा। इस बैठक में इजरायली विदेश मंत्री के अलावा हंगरी, रोमानिया, बुल्गारिया, फिनलैंड, स्लोवाकिया आदि देशों के विदेश मंत्री मौजूद रहे। इजरायली विदेश मंत्री सार ने कहा कि हम बंधकों की रिहाई के लिए प्रतिबद्ध हैं और युद्ध का भी यही उद्देश्य तय किया है। सार ने ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की। इजरायली मीडिया ने दो अंतर्राष्ट्रीय राजनयिकों के हवाले से दावा किया है कि युद्धविराम के पहले चरण के दौरान हमास द्वारा बंधकों को रिहा करने के दौरान समारोह आयोजित करने से आतंकवादी समूह के गाजा में सत्ता में बने रहने की संभावनाओं को काफी नुकसान पहुंचाया है। हमास ने इन समारोह के जरिए यह दिखाने की कोशिश की कि अभी भी उसका गाजा पर नियंत्रण बना हुआ है। हालांकि इजरायल और अन्य कई देशों ने बंधकों की रिहाई के लिए आयोजित हो रहे इन समारोहों को अपमानजनक करार दिया और इन्हें रोकने की मांग की। इजरायली मीडिया के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के गाजा पर नियंत्रण के सुझाव ने भी अरब देशों पर दबाव डाला है कि वे गाजा के युद्ध के बाद के प्रबंधन पर ध्यान दें और हमास को सत्ता से हटाएं।

वरिष्ठ अरब राजनयिक के हवाले से इजरायली मीडिया ने दावा किया है कि हमास भी गाजा पर से नियंत्रण छोड़ने के लिए तैयार है, लेकिन वह हथियार छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि इजरायल और हमास के बीच पहले चरण का युद्धविराम समझौता अभी चल रहा है और यह मार्च की शुरुआत तक चलेगा। 19 जनवरी 2025 से लागू हुए 42 दिन के इस युद्धविराम समझौते में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किया जाना है, जिनमें महिला नागरिक, सैनिक, बच्चे और 50 साल से ज्यादा उम्र के नागरिक शामिल हैं।

यूरोपीय संसद सदस्य रीमा के इजरायल में प्रवेश पर रोक

ब्रूसेल्स/तेल अवीव। वहीं इजरायल ने यूरोपीय संसद सदस्य रीमा हसन को देश में प्रवेश से रोक दिया। हसन पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया और मीडिया साक्षात्कारों में इजरायल के खिलाफ बहिष्कार को बढ़ावा दिया है। 32 वर्षीय हसन, जो सीरिया के अलेप्पो में पैदा हुई और यूरोपीय संसद में वामपंथी समूह की सदस्य हैं, यूरोपीय संघ-फलस्तीन प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में इजरायल आई थीं। हालांकि इजरायल के इस फैसले के बाद हसन के कार्यालय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कार्यालय ने कहा कि उन्हें इजरायल में प्रवेश से वंचित करने का निर्णय बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। बता दें कि इससे पहले इजरायल ने एक नया कानून पारित किया था, जिसके तहत उन लोगों का इजरायल में प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा, जिन्होंने हमास के हमले का खंडन किया है या इजरायली सैनिकों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अभियोजन का समर्थन किया है। यह कानून उन लोगों पर भी लागू होता है, जो इजरायल के खिलाफ बहिष्कार के आह्वान करते हैं। रीमा हसन और उनके साथ आए अन्य यूरोपीय सां. सदों ने हाल ही में गाजा में इजरायल के कार्यों की आलोचना की थी। साथ ही यूरोपीय संघ-इजराइल एसोसिएशन समझौते को तत्काल निलंबित करने का आह्वान किया था। यह समझौता इजराइल और यूरोपीय संघ के बीच राजनीतिक और आर्थिक रिश्तों को रेखांकित करता है। हसन ने यूरोपीय संघ मुख्यालय के बाहर एक रैली का भी आह्वान किया था।

भारत के साथ आपसी हितों पर आधारित संबंध चाहते हैं: बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश भारत के साथ आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित अच्छे कार्य संबंध चाहता है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मो. तौहीद हुसैन ने सोमवार यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, हुसैन ने कहा, बांग्लादेश निश्चित रूप से अपना रुख तय करेगा, लेकिन साथ ही भारत को भी यह तय करना होगा कि वह बांग्लादेश के साथ किस तरह के संबंध चाहता है। यह एक आपसी मामला है और इसे कहने में कुछ गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का भारत के साथ संबंधों को लेकर स्पष्ट रुख है। उन्होंने आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित अच्छे कार्य संबंधों के महत्व पर जोर दिया। हुसैन ने कहा, हमारे रुख में कोई अस्पष्टता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत प्रवास के दौरान दिए गए बयानों की आलोचना करते हुए कहा कि उनके बयान ढाका-दिल्ली संबंधों के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए दोनों देशों को आपसी सम्मान और साझा हितों को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए। बांग्लादेश की सरकार भारत के साथ सकारात्मक और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा जारी है।

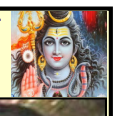

पाक में सैन्य अभियान में 10 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक अभियान के दौरान 10 आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को बयान में कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया।

सुरक्षाकर्मियों ने प्रभावी तरीके से ठिकाने पर हमला किया और 10 आतंकवादियों को मार गिराया। बयान के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी शेष खतरे को खत्म करने के लिए निकासी अभियान जारी है।

भारत-जापान सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास, धर्म गार्जियन का छठा संस्करण सोमवार को जापान के ईस्ट फूजी प्रशिक्षण क्षेत्र में शुरू हुआ। इस अभ्यास को एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इसे पहले से कही अधिक बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है और इसमें पहली बार सैनिकों की भागीदारी को कंपनी के स्तर तक बढ़ाया गया है।

उद्घाटन समारोह में जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स प्रथम डिवीजन के कमांडिग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल टोरियमी सेजी सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह अभ्यास दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच अधिक सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त अभ्यास न केवल दोनों सेनाओं की परिचालन तत्परता को बढ़ाएगा बल्कि भारत-जापान रक्षा संबंधों को मजबूत करने में भी योगदान देगा। अभ्यास का यह संस्करण 9 मार्च तक चलेगा। संयुक्त अभ्यास में विशेष रूप से शहरी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियान शामिल होंगे।